सच बोलने की हिम्मत

राजधानी चौपाल

RNI No. HARHIN/25/A3341

राजधानी चौपाल
समाचार पत्र में किसी भी प्रकार के समाचार, विज्ञप्ति और विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें...
94169-26329
93068-13001

अंक : 25 वर्ष : 01 साप्ताहिक (01 से 07 जुलाई 2026) पृष्ठ 8 मूल्य : 5/- रुपये E-mail : rajdhanichoupal@gmail.com

इच्छाशक्ति, कूटनीति और रिफाइनिंग क्षमता से भारत ऊर्जा संकट से उबरा : पीएम मोदी

एजेंसी। बालोतरा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण 21वीं सदी का सबसे बड़ा ऊर्जा संकट पैदा हुआ लेकिन नए भारत की इच्छाशक्ति, समय पर लिए गए फैसलों, प्रभावी रणनीति, संसाधनों के संतुलित उपयोग और कूटनीतिक ताकत के दम पर देश इस संकट से सफलतापूर्वक बाहर निकल आया। उन्होंने कहा कि जब दुनिया के कई देश ईंधन संकट और बढ़ती कीमतों से जूझ रहे थे, तब भारत ने पेट्रोल, डीजल और घरेलू रसोई गैस की उपलब्धता तथा कीमतों को नियंत्रित रखा। राजस्थान के बालोतरा में लगभग 1.06 लाख करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं के उद्घाटन, लोकार्पण और शिलान्यास के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि जब सार्वजनिक तौर पर कुछ लोग अफवाहें और आशंकाएं फैला रहे थे, तब सरकार दिन-रात हालात संभालने, नीतिगत और कूटनीतिक स्तर पर फैसले लेने तथा संकट से देश को बाहर निकालने में जुटी थी। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों का इतिहास कभी न कभी जरूर लिखा जाएगा।

मोदी ने कहा कि युद्ध के कारण घरेलू एलपीजी, पेट्रोल और डीजल पर बड़ा संकट खड़ा हो गया था। उन्होंने बताया कि भारत की लगभग 60 प्रतिशत एलपीजी आवश्यकता आयात से पूरी होती थी और उसमें से 90 प्रतिशत आपूर्ति खाड़ी देशों से होर्मुज मार्ग के जरिए आती थी, जो युद्ध जैसे हालात के कारण लगभग रुक गई। इसके बाद सरकार ने रिफाइनरियों की क्षमता का बेहतर उपयोग करने का फैसला किया। जिन रिफाइनरियों में पहले अन्य उत्पाद बनाए जाते थे, उन्हें एलपीजी उत्पादन के निर्देश दिए गए और सात दिनों के भीतर घरेलू एलपीजी उत्पादन 35 हजार मीट्रिक टन प्रतिदिन से बढ़कर 54 हजार मीट्रिक टन प्रतिदिन हो गया। जिन रिफाइनरियों ने पहले कभी एलपीजी का उत्पादन नहीं किया था, उन्हें भी इसके लिए तैयार किया गया।

प्रधानमंत्री ने जोधपुर एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन का किया उद्घाटन

जोधपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को जोधपुर एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने संशोधित उड़ान योजना का भी शुभारंभ किया। कार्यक्रम में राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, केन्द्रीय नागर विमानन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू, केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, केन्द्रीय नागर विमानन राज्यमंत्री मुरलीधर मोहोल, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे। 480 करोड़ रुपए की लागत से विकसित जोधपुर एयरपोर्ट का नया टर्मिनल 23 हजार वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्र में फैला है तथा इसकी प्रतिवर्ष यात्री क्षमता 20 लाख है। राजस्थान की समृद्ध विरासत से प्रेरित वास्तुकला से निर्मित यह टर्मिनल भवन अत्याधुनिक यात्री सुविधाओं से सुसज्जित है। साथ ही, ऊर्जा दक्षता, जल संरक्षण और हरित भवन निर्माण पद्धतियों जैसी विशेषताओं के साथ सतत विकास

टर्मिनल के डिजाइन के अभिन्न अंग हैं। नए टर्मिनल भवन के उद्घाटन से बेहतर एयर कनेक्टिविटी के साथ पश्चिमी राजस्थान में पर्यटन, व्यापार और रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी। 'उड़े देश का आम नागरिक' के विजन को मजबूती प्रधानमंत्री द्वारा 'उड़े देश का आम नागरिक' के विजन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रारंभ की गई संशोधित उड़ान योजना में रीजनल एयर कनेक्टिविटी पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इस योजना के तहत 28 हजार 840 करोड़ रुपये के आवंटन से अगले 10 वर्षों में विमानन आधारित विकास को गति दी जाएगी। इससे देश भर में व्यापक और स्थायी कनेक्टिविटी सुनिश्चित होगी तथा भारतीय विमानन क्षेत्र को बड़ा प्रोत्साहन मिलेगा। 100 हवाई अड्डों के विकास पर जोरसंशोधित उड़ान योजना के तहत देशभर में विमानन अवसंरचना के विस्तार के लिए मौजूदा इस्तेमाल में नहीं आ रही हवाई पट्टियों से 100 हवाई अड्डों के विकास पर विशेष बल दिया गया है। साथ ही, दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों में पहुंच संबंधी चुनौतियों से निपटने के लिए योजना में 200 आधुनिक हेलीपैड का विकास भी प्रस्तावित है। इस योजना के तहत एयरलाइन कंपनियों को 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक की वायबिलिटी गैप फंडिंग सहायता जारी रखी जाएगी, जिससे क्षेत्रीय परिचालन की निरंतरता सुनिश्चित हो सकेगी।

केंद्र सरकार ने 17 पाकिस्तानियों समेत 23 और दहशतगर्दों को घोषित किया आतंकवादी

नई दिल्ली

आतंकवाद के खिलाफ मोदी सरकार की 'जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत गृह मंत्रालय ने 23 और दहशतगर्दों को गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम-1967 (यूएपीए) के तहत आतंकवादी घोषित किया है। इस कार्रवाई के बाद यूएपीए की चौथी अनुसूची में नामित आतंकवादियों की संख्या बढ़कर 80 हो गई है। घोषित 23 आतंकवादियों में 17 पाकिस्तानी और छह भारतीय नागरिक हैं। गृह मंत्रालय ने कहा कि इन आतंकवादियों को औपचारिक रूप से नामित किए जाने से उनके वित्तीय नेटवर्क, आवाजाही, भर्ती क्षमता और आतंकवादी गतिविधियों पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई को और मजबूती मिलेगी। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आतंकवाद के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े 23 खूंखार आतंकवादियों को यूएपीए के तहत आतंकवादी घोषित किया गया है। उन्होंने कहा कि ये आतंकवादी भारत विरोधी गतिविधियों, आतंकी हमलों, हथियारों की तस्करी, सीमा पार घुसपैठ, आतंकवादी संगठनों की मदद, धन जुटाने और आतंकवादियों की भर्ती में शामिल रहे हैं। शाह ने कहा कि मोदी सरकार भारत और उसके नागरिकों की सुरक्षा के लिए हर आतंकी मॉड्यूल को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्रालय के अनुसार घोषित 23 आतंकवादियों में 17 पाकिस्तानी और छह भारतीय नागरिक हैं। सभी वर्तमान में पाकिस्तान अथवा पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओके) से भारत विरोधी आतंकी गतिविधियों का संचालन कर रहे हैं। पाकिस्तानी आतंकवादियों में जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) से जुड़े मसूद इलियास कश्मीरी, मोहम्मद मुसादिक, मुफ्ती मोहम्मद असगर खान, हाफिज अब्दुल शकूर, अब्दुल्ला जिहादी, गुलाम फरीद, अशफाक अहमद, मौलाना इमदाद उल्लाह मक्की और वसीम नूर जाट शामिल हैं। इसके अलावा अब्दुल रऊफ, हाफिज खालिद वालीद, मौलाना सैफुल्लाह खालिद, मोहम्मद याकूब, मौलाना यूसुफ ताईबी, कारी याकूब शेख, राणा इफ्तिखार और मोहम्मद शहीद फैसल लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी), जमात-उद-दावा (जेयूडी), फलाह-ए-इंसानियत फाउंडेशन (एफआईएफ), पाकिस्तान मरकजी मुस्लिम लीग (पीएमएमएल), अल-कायदा और आईएसआईएस जैसे संगठनों से जुड़े बताए गए हैं। भारतीय आतंकवादियों में फिरदौस अहमद भट, हारून रशीद गनई, बिलाल अहमद मीर, आबिद कयूम लोन, नजीर अहमद गुज्जर और ओवैस फारूज शामिल हैं। इनमें फिरदौस अहमद भट, हारून रशीद गनई, आबिद कयूम लोन, नजीर अहमद गुज्जर और ओवैस फारूज लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े हैं, जबकि बिलाल अहमद मीर लश्कर-ए-तैयबा के साथ-साथ द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) से भी संबद्ध है। मंत्रालय के अनुसार ये सभी भारतीय नागरिक वर्तमान में पाकिस्तान या पीओके से आतंकवादी गतिविधियों का संचालन कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने जमा किया मतदाता सूची पुनरीक्षण का गणना फॉर्म, नागरिकों से सहयोग की अपील

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने शनिवार को उपराष्ट्रपति भवन में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन-एसआईआर) अभियान के तहत विधिवत भरा हुआ गणना फॉर्म जमा किया। इस अवसर पर उन्होंने सभी पात्र मतदाताओं से इस प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी करते हुए चुनाव आयोग का सहयोग करने की अपील की। उपराष्ट्रपति सचिवालय के अनुसार, दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के नेतृत्व में जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ), निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ) तथा बूथ स्तर के अधिकारियों (बीएलओ) की टीम ने उपराष्ट्रपति भवन पहुंचकर गणना प्रक्रिया पूरी कराई। यह अभियान दिल्ली में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम का हिस्सा है। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने भी सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी वीडियो संदेश में कहा कि चुनाव आयोग की यह पहल लोकतंत्र को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया का उद्देश्य लोकतंत्र को कमजोर करना नहीं, बल्कि मतदाता सूची को अधिक सटीक, पारदर्शी और विश्वसनीय बनाना है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक वास्तविक और पात्र मतदाता का मतदाता सूची में पंजीकरण होना चाहिए।

उपमुख्यमंत्री शिंदे की तबीयत बिगड़ी, अस्पताल में भर्ती

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें ठाणे के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। चिकित्सकों के अनुसार उनकी स्थिति फिलहाल स्थिर है और विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में उनका उपचार जारी है। स्वास्थ्य संबंधी परेशानी के चलते उन्होंने अपने सभी निर्धारित सार्वजनिक कार्यक्रम रद्द कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार, पिछले कुछ दिनों से लगातार राजनीतिक व्यस्तताओं और विधानमंडल के चल रहे अधिवेशन के कारण एकनाथ शिंदे पर काम का अत्यधिक दबाव था। इसी दौरान उन्हें बुखार और कमजोरी महसूस होने लगी। इसके बावजूद उन्होंने कुछ निर्धारित कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए ठाणे का दौरा किया, लेकिन स्वास्थ्य अधिक खराब होने पर उन्हें कार्यक्रम बीच में ही रद्द करने पड़े। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, डॉक्टरों ने प्रारंभिक जांच के बाद शिंदे को घर पर आराम करने के बजाय अस्पताल में भर्ती होकर उपचार कराने की सलाह दी। इसके बाद शुक्रवार देर रात उन्हें ठाणे के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों का कहना है कि अत्यधिक थकान, वायरल बुखार और कमजोरी के कारण उनकी तबीयत प्रभावित हुई है। हालांकि, उनकी हालत नियंत्रण में है और चिंता की कोई बात नहीं है। शिंदे की अस्वस्थता का असर राजनीतिक कार्यक्रमों पर भी पड़ा। ठाणे के गंगूबाई शिंदे हॉल में शुक्रवार को धुले से शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) की उपनेत्री शुभांगी पाटिल के पार्टी प्रवेश का कार्यक्रम प्रस्तावित था।

दो बैंकों से 232 करोड़ की धोखाधड़ी मामलों में सीबीआई की छापेमारी

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने शनिवार को दो बड़े बैंक धोखाधड़ी मामलों में महाराष्ट्र और गुजरात में छापेमारी की। इन मामलों में कुल 231 करोड़ रुपये से अधिक की हेराफेरी का आरोप है। सीबीआई ने बताया कि पहला मामला मुंबई स्थित भारतीय स्टेट बैंक की शिकायत पर दर्ज किया गया है, जिसमें आरएल ज्वेल्स लिमिटेड और उसके निदेशकों पर आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी, विश्वासघात, संपत्ति के दुरुपयोग और फर्जीवाड़े का आरोप है। इस मामले में बैंक को लगभग 103.58 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। आरोप है कि कंपनी ने धन का दुरुपयोग किया, अन्य बैंकों के खातों के माध्यम से फंड स्थांतरित किए और रिकॉर्ड में हेरफेर की। दूसरा मामला केनरा बैंक की शिकायत पर दर्ज किया गया है, जिसमें अशापुरा गारमेंट्स लिमिटेड और उसके निदेशकों पर बैंकिंग

कंसोर्टियम को धोखा देने का आरोप है। शिकायत के अनुसार, कंपनी ने वस्त्र उद्योग के लिए दी गई बैंक सुविधाओं को अन्य क्षेत्रों में डायवर्ट किया और स्टील, एल्युमिनियम व कोयले के कारोबार में उच्च मूल्य के लेन-देन किए। इस धोखाधड़ी से बैंकों को लगभग 128.23 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। सीबीआई ने कहा कि एजेंसी ने शनिवार को महाराष्ट्र और गुजरात में कई स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। इसमें आरोपितों के आवासीय परिसरों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और कंपनियों के कार्यालयों को शामिल किया गया।

गुजरात एटीएस ने जैश-ए-मोहम्मद के संदिग्ध मॉड्यूल का किया भंडाफोड़, 8 आरोपित गिरफ्तार

अहमदाबाद

गुजरात की एंटी-टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) ने कई राज्यों में संयुक्त अभियान चलाकर प्रतिबंधित आतंकी संगठन 'दारुल इस्लाम गुजरात जैश-ए-मोहम्मद' से जुड़े एक संदिग्ध मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। जांच एजेंसियों का दावा है कि यह मॉड्यूल कथित तौर पर सीमा पार बैठे हैंडलर्स के संपर्क में था और देश-विरोधी गतिविधियों के लिए नेटवर्क तैयार कर रहा था। एटीएस के अनुसार, अभियान में उसकी पांच विशेष टीमों ने गुजरात के बनासकांठा, नवसारी और पाटन जिलों की पुलिस तथा मध्य प्रदेश के देवास पुलिस के साथ मिलकर कार्रवाई की। गिरफ्तार आरोपियों को पूछताछ के लिए एटीएस मुख्यालय लाया गया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी कथित रूप से जैश-ए-मोहम्मद प्रमुख मसूद अज़हर के विचारों और प्रचार सामग्री से प्रभावित थे। एजेंसी का आरोप है कि वे संगठन के लिए स्थानीय स्तर पर लॉजिस्टिक नेटवर्क तैयार करने, प्रचार-प्रसार करने और भविष्य में संभावित आतंकी गतिविधियों के लिए आधार तैयार करने की दिशा में काम कर रहे थे। जांच एजेंसियों के मुताबिक, इस मामले को जो बात बिल्कुल अलग बनाती है, वह यह है कि कैसे इस मॉड्यूल ने अपने सदस्यों को अलग-अलग शहरों में फैलाया और अंतिम हमले के आदेश का इंतजार करते हुए आसानी से आने-जाने के लिए बिना रजिस्ट्रेशन वाली संपत्तियों का इस्तेमाल किया। ग्रुप को अपने स्थानीय सेटअप के लिए हैंडलर्स से 3 लाख रुपये मिले थे। उन्होंने इन पैसों से एक पुरानी कार खरीदी, जिसे जानबूझकर अपने नाम पर ट्रांसफर नहीं कराया, ताकि उनकी पहचान गाड़ियों के डेटाबेस और ट्रांसपोर्ट रजिस्ट्री से पूरी तरह छिपी रहे। छिपने के लिए उन्होंने संस्थागत जगहों का बहुत ज़्यादा इस्तेमाल किया।

केंद्र ने टेलीग्राम को पायरेसी के खिलाफ खुद से कार्रवाई करने को कहा, 15 दिन में देनी होगी रिपोर्ट

नई दिल्ली। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने इंस्टैंट मैसेजिंग ऐप टेलीग्राम को नोटिस जारी कर पायरेसी के खिलाफ प्लेटफॉर्म स्तर पर कार्रवाई की करने को कहा है। इसमें बेहतर पहचान, पायरेटेड फिल्मों व ओटीटी कंटेंट को हटाना और चैनलों और समूहों जैसे बार-बार उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई शामिल है। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक टेलीग्राम को अपनी शिकायत निवारण और पायरेसी-विरोधी प्रणालियों पर 15 दिनों के भीतर विस्तृत कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी। निर्देश में इस बात पर जोर दिया गया है कि कॉपीराइट अधिनियम 1957 और सिनेमैटोग्राफ अधिनियम 1952 के तहत भारत में कॉपीराइट उल्लंघन एक दंडनीय अपराध है, जिसका उद्देश्य घरेलू फिल्म और ओटीटी उद्योग की सुरक्षा करना है। सरकार ने इससे पहले पायरेटेड सामग्री प्रसारित करने वाले 3 हजार से अधिक टेलीग्राम चैनलों के खिलाफ कार्रवाई की थी। टेलीग्राम को याद दिलाया गया है कि एक मध्यस्थ के रूप में उसे सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम और नियमों के तहत उचित सावधानी बरतनी आवश्यक है।

असम को अब ध्रुवीकरण की जरूरत नहीं :सीएम सरमा

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने राज्य की राजनीति और सामाजिक माहौल को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि असम के मूल निवासियों में आत्मविश्वास जगाने के लिए राज्य को एक ध्रुवीकरण करने वाले नेतृत्व की जरूरत थी और उन्होंने स्वयं उस भूमिका को निभाया। सरमा का दावा है कि अब राज्य में लोगों का भरोसा मजबूत हो चुका है और इसलिए आगे ध्रुवीकरण की आवश्यकता नहीं रह गई है। मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि पहले असम के लोगों को लगता था कि उनके हितों की रक्षा करने वाला कोई मजबूत नेतृत्व नहीं है। उन्होंने कहा कि अब स्थिति बदल चुकी है और लोगों को विश्वास हो गया है कि राज्य सरकार किसी एक समुदाय का पक्ष लेने के बजाय कानून के अनुसार शासन कर रही है। उनके अनुसार, अब कोई भी असमिया समाज को आसानी से चुनौती नहीं दे सकता और कानून-व्यवस्था पहले की तुलना में अधिक मजबूत हुई है। सीएम सरमा ने कहा, मुझे नहीं लगता कि अब असम में ध्रुवीकरण की आवश्यकता है। मैंने उस खतरे को नियंत्रित कर लिया है।

सहकारिता को नई ऊर्जा मिली: शाह

एजेंसी। नई दिल्ली

अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस के अवसर पर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह सहित देश के कई प्रमुख नेताओं ने देशवासियों और सहकारिता क्षेत्र से जुड़े लोगों को शुभकामनाएं दीं। नेताओं ने सहकारिता आंदोलन को आत्मनिर्भर भारत, ग्रामीण विकास और सामूहिक समृद्धि का महत्वपूर्ण आधार बताते हुए इसके विस्तार और सशक्तीकरण पर बल दिया। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर अपने संदेश में कहा कि सहकारिता भारत की संस्कृति, सामूहिक शक्ति और आत्मनिर्भरता की मजबूत नींव है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सहकारिता क्षेत्र को नई ऊर्जा और व्यापक विस्तार मिला है। शाह के अनुसार, सहकारिता विश्वविद्यालय की स्थापना, आधुनिक प्रशिक्षण केंद्रों का विकास तथा नए क्षेत्रों में सहकारी संस्थाओं को सशक्त बनाने जैसे प्रयासों से किसानों, महिलाओं, छोटे उद्यमियों और श्रमिकों को लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि ये पहल सहकार से समृद्धि के संकल्प को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रतापराव जाधव ने भी सहकारिता क्षेत्र से जुड़े लोगों को बधाई देते हुए कहा कि ग्रामीण और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में सहकारी संस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि सहकारिता आंदोलन के माध्यम से देश की प्रगति और आत्मनिर्भरता में योगदान देने वाले प्रत्येक व्यक्ति पर देश को गर्व है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भी सभी सहकारी संस्थाओं और उनके सदस्यों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि सहकार से समृद्धि के संकल्प जन-भागीदारी, आत्मनिर्भरता और सामूहिक विकास का मजबूत आधार है। उन्होंने विश्वास जताया कि दिल्ली सरकार आधुनिक तकनीक, डिजिटल सेवाओं और पारदर्शी व्यवस्था के माध्यम से सहकारिता क्षेत्र को और अधिक सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

जल संकट में ड्रैगन को घसीट रहा पाकिस्तान

एजेंसी। इस्लामाबाद

सिंधु जल संधि: भारत के सख्त रुख के बाद नई कूटनीतिक चाल

पाकिस्तान दशकों से सिंधु जल समझौते से लाभ उठा रहा था, अपनी प्यास बुझा रहा था, लेकिन सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा देने की नीतियों ने भारत को सिंधु जल संधि पर अपने रुख की समीक्षा करने पर मजबूर कर दिया है। भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि जब तक सीमा पार आतंकवाद जारी रहेगा, तब तक सिंधु जल संधि पर पहले जैसी व्यवस्था नहीं चल सकती। इस मुद्दे को लेकर पाकिस्तान चीन की गोद में बैठकर कुदरत की सौगातों का पाठ पढ़ा रहा है। पाकिस्तान का तर्क है कि हिमालय से निकलने वाली नदियां सिर्फ भारत और पाकिस्तान की नहीं हैं, बल्कि चीन भी इनका एक बड़ा हितधारक है, और इस मुद्दे पर उसकी भूमिका महत्वपूर्ण है। पाकिस्तान ने अचानक चीन को जल सिंधू विवाद में क्यों घसीटा, यह समझना जरूरी है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने हाल ही में कहा कि हिमालय से निकलने वाली नदियां कुदरत की देन हैं और ये सिंधु से लेकर मेकांग तक कई देशों को पानी देती हैं। उन्होंने विशेष रूप से उल्लेख किया कि चीन से भी कई बड़ी नदियां निकलती हैं, इसलिए पानी का मुद्दा पूरी मानवता से जुड़ा है और चीन की भूमिका भी इसमें अहम है। पाकिस्तान यह संदेश देने की कोशिश कर रहा है कि यह सिर्फ भारत-पाकिस्तान का द्विपक्षीय मामला नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र का एक साझा मुद्दा है, जिसमें चीन एक महत्वपूर्ण पक्षकार है। ताहिर अंद्राबी ने अपने बयान में जोर दिया कि चीन का रुख पानी से जुड़े बड़े मुद्दों पर हमेशा सकारात्मक रहेगा, क्योंकि वह न सिर्फ दक्षिण एशिया में बहने वाली नदियों के मामले में, बल्कि हिमालय से चीन और सुदूर पूर्व की ओर बहने वाली विशाल नदी प्रणालियों के मामले में भी एक अहम पक्षकार है। अब सवाल यह उठता है कि पाकिस्तान ने चीन का नाम क्यों लिया। इसका सीधा जवाब है - भारत पर कूटनीतिक दबाव बनाना। सिंधु जल को लेकर भारत के सख्त रुख के बाद पाकिस्तान छटपटा रहा है। भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि पहले आतंकवाद रोको, तभी द्विपक्षीय संबंध सामान्य हो सकते हैं। पाकिस्तान को उम्मीद है कि चीन, जो उसका एक सदाबहार दोस्त और सबसे करीबी रणनीतिक साझेदार रहा है, उसके समर्थन में आवाज उठा सकता है। दोनों देशों के बीच चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) जैसी बड़ी परियोजनाएं चल रही हैं।

फिलिस्तीनी राजदूत ने भारत से लगाई मदद की गुहार

नई दिल्ली। भारत में फिलिस्तीनी राजदूत अब्दुल्ला एम. अबू शावेश ने हाल ही में गाजा पट्टी की भयावह स्थिति को बहुत खराब बताया, जिसमें स्वास्थ्य व्यवस्था लगभग पूरी तरह से चरमराने की कगार पर है और हजारों सर्जरी टाल दी गई हैं। राजदूत ने गाजा में मौजूदा मानवीय संकट का विस्तृत वर्णन किया और भारत द्वारा फिलिस्तीनियों को दिए जा रहे समर्थन की सराहना की। उन्होंने बताया कि दुनिया के सबसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों में से एक गाजा, जो सिर्फ 365 वर्ग किलोमीटर में 2.3 मिलियन लोगों का घर है, उसका 70 प्रतिशत से अधिक हिस्सा पहले ही तबाह हो चुका है। अबू शावेश ने यह भी कहा कि उनका घोषित लक्ष्य फिलिस्तीनियों को गाजा से बाहर निकालना और वहां से पूरी तरह सफाया करना है, जो क्षेत्र में गहराते संकट की गंभीरता को दर्शाता है। राजदूत ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए एक एजेंसी से कहा कि फिलिस्तीनी बच्चों का बचपन पूरी तरह से खत्म हो गया है। गाजा में बच्चों को लगातार तीसरे साल स्कूल जाने को नहीं मिल पा रहा है और पिछले दो सालों से उन्होंने एक भी दिन पढ़ाई नहीं की है।

राम मंदिर के बाद अब बदरीनाथ धाम में भी चढ़ावा चोरी?

नई दिल्ली। अयोध्या में राम मंदिर से चढ़ावा चोरी मामले में दोषी कौन है इसका खुलासा होता इससे पहले बदरीनाथ धाम में चढ़ावा चोरी का मामला उजागर हो गया है। यहां मामला सामने आते ही बीकेटीसी ने जांच बैठाते हुए कर्मचारियों को नोटिस थमाकर जवाब मांगा है। अब भक्तों के मन में एक ही सवाल है कि आखिर मंदिर चढ़ावा चोरी की सक्रिय गैंग पर लगाम कब लगेगी। राम मंदिर में दान चोरी का मामला अभी पूरी तरह सुलझ भी नहीं पाया था कि विश्व प्रसिद्ध बदरीनाथ धाम से चढ़ावे में हेरफेर के चौंकाने वाले आरोप सामने आए हैं। इन दिनों सोशल मीडिया पर एक पत्र तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें दावा किया जा रहा है कि बदरीनाथ धाम में आने वाले दान और चढ़ावे की रकम में गड़बड़ी की जा रही है। इन बढ़ते आरोपों को गंभीरता से लेते हुए बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) ने तत्काल प्रभाव से जांच के आदेश दे दिए हैं। बीकेटीसी के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने इस मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि मंदिर समिति ने इन आरोपों को अत्यंत गंभीरता से लिया है और पूरे मामले की निष्पक्ष, पारदर्शी एवं तथ्यपरक जांच के लिए एक जांच समिति गठित करने के आदेश जारी कर दिए गए हैं।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर विश्वास सीनियर सैकेंडरी स्कूल में योग शिविर का आयोजन, शिक्षकों ने किया योगाभ्यास

दिनांक (राजधानी चौपाल)

अर्बन इस्टेट स्थित विश्वास सीनियर सेकेंडरी स्कूल में 12वां 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' हर्षोल्लास के साथ उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस दौरान विद्यालय के सभी शिक्षकों ने एक साथ मिलकर विभिन्न योगासनों का अभ्यास किया। योग शिक्षक सुनील ने सूर्य नमस्कार, भुजंगासन, वृक्षासन ताड़ासन, वज्रासन, अनुलोम- विलोम, कपालभाति, मेडिटेशन, ओम चेंटिंग आदि अनेक योगिक क्रियाएं करवाते हुए उनके महत्व को भी बताया। साथ ही कुछ ऐसे योगासन भी करवाए गए जिनसे बीकपीक, शुगर तथा थायराइड आदि बीमारियों को जड़ से खत्म किया जा सकता है। विद्यालय प्राचार्य दिनेश चंद्र सेमवाल ने अपने संदेश में कहा कि 'योग न केवल एक व्यायाम पद्धति है, बल्कि यह एक जीवन शैली है, जो हमें अनुशासन, शांति और स्वास्थ्य प्रदान करती है।' आज की व्यस्त दिनचर्या में हम नित नई बीमारियों से जूझ रहे हैं। स्वस्थ जीवन- यापन के लिए हमें योग को अपनी दिनचर्या का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाना चाहिए। कार्यक्रम का समापन 'सर्वे भवंतु सुखिनः, सर्वे संतु निरामया' एवं 'योग करें, निरोग रहें' के संदेश के साथ किया गया।

फुटबॉल ट्रेनिंग एंड डेवलपमेंट सोसायटी की बैठक आयोजित, विभिन्न मुद्दों पर हुआ विचार-विमर्श

हिसार (राजधानी चौपाल)

जाट कॉलेज में फुटबाल ट्रेनिंग एंड डेवलेपमेंट सोसायटी की एक बैठक प्रधान सुमेर सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई। यह जानकारी देते हुए सोसायटी के कोषाध्यक्ष परीक्षित श्योकंद ने बताया कि बैठक में हिसार जिले के सभी ग्रामीण तथा शहरी फुटबॉल खेल नर्सियों के प्रभारियों तथा फुटबॉल सेंटर के कोचिज ने भाग लिया तथा विभिन्न विषयों पर विस्तृत विचार विर्मश हुआ। बैठक में इससे पूर्व आयोजित हुई बैठक में लिए गए निर्णयों तथा खिलाड़ियों की समस्याओं पर भी विचार विर्मश हुआ।

परीक्षित श्योकंद ने बताया कि इसके साथ ही आगामी प्रतियोगिताओं में टीमों की भागीदारी सुनिश्चित करने तथा जल्द ही जूनियर तथा सब जूनियर स्तर की फुटबॉल लीग का आयोजन जिला स्तर पर करवाने का निर्णय लिया गया ताकि ग्रास रूट लेवल के फुटबॉल खिलाड़ियों को बढ़ावा मिले। प्रधान सुमेर सिंह ने खेल प्रेमियों को आने वाली समस्याओं के समाधान व उन्हें हर संभव सहायता उपलब्ध करवाने का आश्वासन दिया। बैठक के अंत में प्रधान सुमेर सिंह व महासचिव नवीन कड़वासरा ने सभी का धन्यवाद व्यक्त किया। बैठक में सीनियर कोच अश्विनी कुमार भी विशेष रूप से उपस्थित हुए तथा अपने विचार साझा किए। बैठक में प्रधान सुमेर सिंह, कोषाध्यक्ष परीक्षित श्योकंद व महासचिव नवीन कड़वासरा के अलावा मुख्य रूप से परमवीर सिंह संयुक्त सचिव, विनोद कुमार कार्यकारिणी सदस्य के अलावा कुलदीप मक्कड़ लेक्चरर फिजिकल एजुकेशन, फुटबॉल कोच प्रवीन राजौरिया, रविन्द्र गोदारा, अमित पूनिया, सतीश कुमार, अविनाश, मंदीप, नरेंद्र, विनोद कुमार, सुंदर, संजीव, विक्रम श्योराण, आशीष, मनीष, विजेंद्र, अभिषेक व जयवीर आदि मौजूद रहे।

हांसी बिरादरी की हिसार में हुई बैठक, करेंगे जनहित कार्य

हिसार (राजधानी चौपाल)

हांसी बिरादरी (हिसार) की सामान्य बैठक जिमखाना क्लब में वरिष्ठ सदस्य रामधन भुटानी की अध्यक्षता में हुई। पंडित अश्वनी शर्मा द्वारा किये गये मंत्रोच्चारण के साथ बैठक की शुरुआत की गई। बैठक में लगभग 65 सदस्यों ने भाग लिया। मंच संचालन करते हुए अनिल खट्टर ने बिरादरी के उद्देश्यों के बारे में विस्तार से चर्चा की। बिरादरी के संस्थापक सदस्य विनोद मुंजाल ने बिरादरी के गठन सम्बंधित अपने विचार सांझा किये। इसके अतिरिक्त सम्मानित सदस्यों ने अपने वक्तव्यों से भावी पीढ़ी के लिये मार्गदर्शन किया व बिरादरी के गठन की अपनी शुभकामनाएं दीं। बैठक में रामस्वरुप पोपली, ब्रह्म नागपाल, दयानंद भ्याणा, शशीभूषण चावला, नरेश मिनोचा, रविन्द्र नागपाल, गुलशन भ्याणा, सुधीर भुटानी, शाम मखीजा, बंटी नागपाल, पंकज चुघ, सुरेश अरोड़ा, सुरेन्द्र भल्ला, आत्मप्रकाश रेल्हन सहित बिरादरी के अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

1-2. फोटो कैप्शन : हांसी बिरादरी (हिसार) की सामान्य बैठक को संबोधित करते हुए दयानंद भ्याणा, बैठक में उपस्थित सदस्य।

बी.एल.ओ. द्वारा एसआईआर का कार्य जारी, ग्रामीणों ने किया सहयोग

हिसार (राजधानी चौपाल)

विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र नारनौंद के अंतर्गत गांव बास अकबरपुर में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत बी.एल.ओ. वेदपाल सिवाच, स्पेशल टीचर द्वारा मतदाता सत्यापन एवं संबंधित प्रपत्रों को भरने का कार्य निरंतर किया जा रहा है। अभियान के दौरान ग्रामीणों से संपर्क स्थापित कर उनके मतदाता संबंधी विवरणों का सत्यापन किया जा रहा है तथा आवश्यक दस्तावेज प्राप्त किए जा रहे हैं। इस अवसर पर गांव के गणमान्य नागरिकों ने भी अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। ग्रामीणों को मतदाता पहचान एवं निर्वाचन प्रक्रिया के प्रति जागरूक करने में अनिल सैनी, वकील, रामनिवास पांचाल, राजेंद्र मौन, कृष्ण नंबरदार सहित अन्य सम्मानित ग्रामवासियों ने सक्रिय भूमिका निभाई तथा मतदाता सत्यापन कार्य को प्रभावी ढंग से संपन्न कराने में सहयोग दिया।

बी.एल.ओ. वेदपाल सिवाच ने बताया कि निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार एसआईआर अभियान का उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक शुद्ध, पारदर्शी एवं अद्यतन बनाना है, ताकि प्रत्येक पात्र नागरिक अपने मताधिकार का सही और सुगम तरीके से उपयोग कर सके।

आकाशवाणी हिसार में महका 12वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस; करवाई गई पुष्प और इत्र वर्षा

आकाशवाणी परिसर में आयोजित किया गया विशाल योग शिविर, विभिन्न संस्थाओं ने लिया योग शिविर में हिस्सा

हिसार (राजधानी चौपाल)

आकाशवाणी हिसार के प्रांगण में आज 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में एक विशाल और अनूठे योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस भव्य कार्यक्रम में आकाशवाणी हिसार के साथ हिसार हुंडई और संपूर्ण फिजियोथेरेपी व नेचुरोपैथी सेंटर ने मुख्य सहयोगी के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हिसार हुंडई के मुख्य प्रबंधक समीर गर्ग रहे तथा विशिष्ठ अतिथि के रूप में एशियन योगा स्वर्ण विजेता अनुष्का तथा योगा खिलाड़ी यशस्वी रही। इस कार्यक्रम का विशेष आकर्षण पुष्प और इत्र वर्षा रही जिससे हरे भरे पेड़ों से घिरे हुए आकाशवाणी हिसार के प्राकृतिक वातावरण में योग साधकों को दैविक अनुभव प्राप्त हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समीर गर्ग ने कहा कि योग को केवल योग दिवस तक ही सीमित न रखकर हमें इसे अपनी दिनचर्या में नियमित रूप से शामिल करना चाहिए क्योंकि योग हमें प्राकृतिक रूप से स्वस्थ रखने में समक्ष है। यदि हम योग को अपने जीवन में अपनाते हैं तो हम अनेक बीमारियों से बच सकते हैं।

इस योगशिविर में भारी संख्या में शहरवासियों, श्रोताओं और आकाशवाणी तथा हिसार हुंडई तथा सम्पूर्ण फिजियोथैरेपी सेंटर के कर्मचारियों और अधिकारियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में शहर की अनेक संस्थाओं 'हमारा प्यारा हिसार', 'हरी-भरी वसुंधरा', 'भीख नहीं किताब दो', 'विस्कोसिस', 'रेज फॉर एनिमल ट्रस्ट', 'ग्रीन हिसार फिट हिसार', 'इंकलाब युवा मोर्चा' तथा 'शिवोहम योगा स्टूडियोज' के प्रतिनिधियों ने भी उत्साह से शिविर में भाग लिया। योगासन करने वाले बच्चों ने मंच से योगासनों का बेहतरीन लाइव डेमो (प्रदर्शन) भी दिया, जिससे प्रेरित होकर अन्य साधकों ने आसनों को बिल्कुल सही तरीके से सीखा।

जाने-माने योग प्रशिक्षक सुमित कुमार ने उपस्थित सभी योग साधकों को बहुत ही सरल, सुस्पष्ट और सुंदर तरीके से विभिन्न योगासनों व प्राणायाम का अभ्यास कराया। योगासन के वच्चों विभाग के लाइव डेमो और सुमित कुमार के कुशल निर्देशन का सभी साधकों ने भरपूर लाभ उठाया। सम्पूर्ण फिजियोथैरेपी की टीम ने साधकों की स्ट्रेचिंग करवाई व रोगों से बचने के लिए विशेष उपाय बताए।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण आधुनिक तकनीक और प्रकृति का अद्भुत संगम रहा। योग सत्र के दौरान हवा में सभी साधकों के ऊपर लगातार ताजे फूलों की पुष्प वर्षा की गई। इसके साथ ही, पूरे माहौल को दिव्य बनाने के लिए गुलाब जल और गुलाब के इत्र की बारिश भी की गई।

कार्यक्रम के समापन पर 'संपूर्ण फिजियोथेरेपी व नेचुरोपैथी सेंटर' की ओर से डॉ. संदीप कलियाणा के नेतृत्व में टीम के डॉ. विवेक, डॉ. नंदिनी, डॉ. विपुल व डॉ. अंकित ने आधुनिक जीवनशैली में फिजियोथेरेपी और प्राकृतिक चिकित्सा के महत्व को रेखांकित किया। कार्यक्रम में शिवानंद वशिष्ठ व रश्मि राजन ने मंच संचालन किया। कार्यक्रम के अंत में आकाशवाणी हिसार के निदेशक पवन कुमार ने सभी सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधियों और आए हुए सभी

गणमान्य अतिथियों का आभार व्यक्त किया तथा योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने तथा नियमित रूप से योग अपनाने की अपील की।

किसानों को मुआवजा दिए बिना बिजली निगम खींच रहा लाइनें, धरने पर बैठे किसान

हिसार (राजधानी चौपाल)

किसानों की सहमति के बिना व उन्हें बिना कोई उचित मुआवजा दिए, खेतों में से ले जाई जा रही बिजली लाइन के विरोध में किरमारा गांव में किसान धरने पर बैठ गए हैं। किसानों ने बिजली निगम व हरियाणा सरकार से उनकी फसलों व जमीन का मुआवजा देने की मांग की है। किसानों द्वारा मुआवजा मांगे जाने के बाद बिजली निगम के अधिकारियों व संबंधित ठेकेदार ने काम रोक दिया है। किसानों ने इस संबंध में उपायुक्त की अध्यक्षता में हाल ही में लगे समाधान शिविर में भी मांग उठाई, जिस पर बिजली निगम के अधिकारी रविवार को गांव में पहुंचे।

धरने पर बैठे किसानों का कहना है कि पिछले दिनों आए आंधी तूफान की वजह से लगभग 9-10 खंभे टूट गए और लाइनें क्षतिग्रस्त हो गई। बिजली निगम के अधिकारियों के निर्देशों पर क्षतिग्रस्त लाइन के स्थान पर दूसरी जगह से लाइन बिछाना शुरू कर दिया गया। इसके लिए न तो किसानों से बात की गई और न ही कोई सहमति ली गई। इस पर किसानों ने समाधान शिविर में मुआवजे के लिए गुहार लगाई तो ठेकेदार ने काम रोक दिया। उपायुक्त के निर्देशों पर रविवार को बिजली निगम के अधिकारी गांव में पहुंचे और लाइनों का जायजा लेते हुए ग्रामीणों से बातचीत की। ग्रामीणों ने कहा कि उन्होंने न तो बिजली निगम का काम रोका है और न ही किसी काम का विरोध किया है लेकिन उन्होंने हरियाणा सरकार की नई पॉलिसी के तहत मुआवजे की मांग उठाई है।

किसानों के अनुसार नई लाइने के बड़े खंभों के लिए बड़े-बड़े गड्ढे खोद दिए गए हैं और मुआवजा देने की कोई बात नहीं की। बिजली निगम के अधिकारी भी मौका देखकर वापिस आ गए, जिससे किसानों में रोष है।

उधर, इनेलो के राष्ट्रीय संरक्षक प्रो. संपत सिंह, युवा जिला प्रभारी गौरव संपत सिंह, प्रदेश सचिव दलबीर किरमारा, जिला अध्यक्ष सतपाल काजला, वरिष्ठ नेता सीताराम जाखड़, रामचन्द्र बैनीवाल व सुभाष किरमारा सहित अन्य भी गांव में किसानों के धरने पर पहुंचे और उनकी मांग को उचित बताया। प्रो. संपत सिंह ने मौके पर ही बिजली निगम के अधिकारियों से बात की और किसानों की समस्या का समाधान करने की मांग की। प्रदेश सचिव दलबीर किरमारा ने कहा कि गांव के लोग किसी योजना या विकास कार्य का विरोध नहीं कर रहे बल्कि नई पॉलिसी के तहत मुआवजे की मांग कर रहे हैं, जो हरियाणा सरकार ने बनाई है लेकिन अधिकारी मुआवजा देने में आनाकानी कर रहे हैं। किसानों के धरने पर अनेक ग्रामीण मौजूद रहे।

इस अवसर पर उपरोक्त के अलावा प्रदीप किरमारा, धर्मपाल लोहचब, सरपंच टेकराम, धर्मपाल, जुगबीर सिंह, छाजूराम, सुखपाल, दलबीर लोहचब, इन्द्राज पोशक, कृष्ण ठाकुर, ओम प्रधान, जगदीश व साधुराम सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे। सभी ने किसानों की मांग को उचित बताते हुए उन्हें अविलंब मुआवजा देने की मांग की।

'ध्वनि तरंगें तनाव, चिंता, भावनात्मक असंतुलन तथा मानसिक थकान को कम करने में सहायक'

हिसार (राजधानी चौपाल)

स्टडी कल्चर करियर डेवलपमेंट सेंटर, हिसार के मनोविज्ञान इंटर्नशिप कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों ने वैदिक फिट हिसार में आयोजित विशेष साउंड हीलिंग सत्र में भाग लेकर मानसिक स्वास्थ्य एवं समग्र कल्याण की एक नई विधा का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया। यह सत्र साउंड हीलिंग विशेषज्ञ दीपक द्वारा संचालित किया गया।

सत्र के दौरान दीपक ने विद्यार्थियों को साउंड हीलिंग के सिद्धांत, उपयोगिता तथा विभिन्न टूल्स एवं तकनीकों की जानकारी दी। उन्होंने अपने क्लाइंट्स के साथ किए गए हीलिंग कार्यों के वास्तविक अनुभव साझा करते हुए बताया कि किस प्रकार ध्वनि तरंगें तनाव, चिंता, भावनात्मक असंतुलन तथा मानसिक थकान को कम करने में सहायक सिद्ध होती हैं। विद्यार्थियों को साउंड बाउल एवं अन्य हीलिंग उपकरणों के माध्यम से प्रायोगिक प्रशिक्षण भी दिया गया।

सत्र के दौरान इस बात पर विशेष चर्चा की गई कि किस प्रकार साउंड हीलिंग को काउंसलिंग प्रक्रिया के साथ प्रभावी रूप से जोड़ा जा सकता है। विशेषज्ञ दीपक ने बताया कि आज के समय में तनाव, चिंता, भावनात्मक असंतुलन एवं मानसिक थकान से जूझ रहे लोगों के लिए साउंड हीलिंग एक प्रभावशाली सहायक तकनीक के रूप में उभर रही है। विद्यार्थियों ने सीखा कि साउंड हीलिंग केवल एक थेरेपी नहीं, बल्कि व्यक्ति के मानसिक, भावनात्मक एवं आंतरिक विकास को समर्थन देने वाला एक जीवन-परिवर्तनकारी उपकरण है। इस अनुभव ने विद्यार्थियों को भविष्य में अपनी काउंसलिंग प्रैक्टिस में समग्र (हॉलिस्टिक) दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर स्टडी कल्चर करियर डेवलपमेंट सेंटर के सीईओ चिराग मेहता, हेड ऑफ करियर काउंसलिंग डॉ. मोनिका बडगुज्जर, फैमिली एवं रिलेशनशिप काउंसलिंग विशेषज्ञ डॉ. सुमन बेहमनी तथा हेड ऑपरेशंस एवं इंग्लिश लैंग्वेज ट्रेनिंग सुश्री प्रिया कुमरा उपस्थित रहे। सभी ने विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में नवीन एवं समग्र उपचार पद्धतियों को समझने और अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल सैद्धांतिक ज्ञान तक सीमित न रखकर वास्तविक जीवन में उपयोग होने वाली हीलिंग एवं काउंसलिंग तकनीकों से परिचित कराना था।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता 26 को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता 26 को हिसार में, तैयारियों में जुटे पदाधिकारी हिसार में, तैयारियों में जुटे पदाधिकारी

हिसार (राजधानी चौपाल)

भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता 26 जून को हिसार आएंगी। उनके कार्यक्रम को देखते हुए पार्टी ने स्वागत की तैयारियां शुरू कर दी है। भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़ की अध्यक्षता में जिला कार्यालय में बैठक हुई, जिसमें तैयारियों को अंतिम रूप देते हुए पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़ ने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आवश्यक निर्देश देते हुए कहा कि प्रदेश अध्यक्ष का हिसार आगमन संगठन के लिए गौरव का विषय है और उनके स्वागत में कार्यकर्ताओं का उत्साह अभूतपूर्व है। उन्होंने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता का पहला स्वागत रविदास भवन के समीप किया जाएगा। इसके उपरांत हिसार शहर में अग्रसेन भवन पहुंचने से पूर्व विभिन्न स्थानों पर नागरिकों, सामाजिक

संगठनों एवं भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा उनका जोरदार स्वागत किया जाएगा। मुख्य स्वागत समारोह अग्रसेन भवन में होगा, जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक भाग लेंगे।

जिला मीडिया प्रभारी राजेन्द्र सपड़ा ने बताया की बैठक में स्वागत कार्यक्रम की रूपरेखा, विभिन्न स्वागत स्थलों की व्यवस्था, कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियों एवं कार्यक्रम के सफल संचालन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर जिला महामंत्री कृष्ण सरसाना, जिला उपाध्यक्ष संजीव रेवड़ी, अनिल सैनी, मुनीष एलावादी, रामफल नैन, सतीश सुरलिया, लक्ष्मी गोयल, पिंकी शर्मा, कृष्ण खटाना, कुलदीप डेलू, मीडिया प्रभारी राजेन्द्र सपड़ा, जिला प्रवक्ता पीयूष महता, सुरेश जांगड़ा, राजकुमार इंदौरा, हर्ष बामल, अजय बेनीवाल, विनोद तोषावड़, भूप सिंह रोहिला सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रोडवेज कर्मचारियों का बड़ा ऐलान, 23 से रात्रि ठहराव पर नहीं जाएंगी रोडवेज बसें

उच्चाधिकारियों के आश्वासन के बावजूद १७ दिनों में नहीं हुआ किसी समस्या का समाधान

हिसार (राजधानी चौपाल)

परिवहन विभाग के उच्चाधिकारियों की ओर से दी गई समय सीमा में भी मांगों एवं समस्याओं का समाधान न होने पर रोडवेज कर्मचारियों ने गहरा रोष जताया है। रोडवेज सांझा संघर्ष समिति ने अपने पूर्व घोषित फैसले को आगे बढ़ाते हुए 23 जून से बसों का रात्रि ठहराव बंद करने का ऐलान कर दिया है।

इस संबंध में हरियाणा रोडवेज सांझा संघर्ष समिति की बैठक सोमवार को हुई, जिसमें 23 जून से हिसार डिपो के रात्रि ठहराव बंद करने का निर्णय लिया गया। इससे पहले कर्मचारियों ने 5 जून को ऐसा ही फैसला किया था, जिसके चलते चंडीगढ़ मुख्यालय से पहुंचे संयुक्त आयुक्त ने 15 दिन में मांगों एवं समस्याओं के समाधान का आश्वासन देकर कर्मचारियों को बसें चलाने के लिए मनाया था। सांझा संघर्ष समिति का आरोप है कि 15 दिनों में कोई भी मांग पूरी नहीं हुई, जिसके चलते मजबूर होकर फिर से रात्रि ठहराव बंद करने का निर्णय लेना पड़ा है, जिसके लिए महाप्रबंधक, जिला प्रशासन व उच्चाधिकारी जिम्मेवार है।

सांझा संघर्ष समिति के प्रेस प्रवक्ता संदीप जैनावास ने बताया कि यदि इसके बाद भी डिपो महाप्रबंधक कर्मचारियों की जायज मांगों को पूरा नहीं करते हैं तथा वित्तीय भत्तों का भुगतान नहीं किया जाता है तो सांझा संघर्ष समिति शीघ्र ही आगामी रणनीति तैयार कर चक्का जाम जैसे बड़े आंदोलनात्मक कार्यक्रम का निर्णय लेगी। उन्होंने बताया कि 23 जून को सभी यूनियनों की राज्य स्तरीय कार्यकारिणी के प्रधान हिसार डिपो में पहुंचेंगे और आंदोलन की आगामी रूपरेखा तैयार करेंगे। इस दौरान कर्मचारी हित में कोई बड़ा एवं महत्वपूर्ण निर्णय भी लिया जा सकता है।

उधर, हिसार डिपो में कर्मचारियों का धरना 39वें दिन भी जारी रहा। धरने की अध्यक्षता प्रधान जोगेन्द्र पंघाल ने की जबकि नरेन्द्र खरड़ ने संचालन किया। दौरान कर्मचारियों ने जमकर नारेबाजी की और डिपो अधिकारियों पर मनमानी करने व मांगों और समस्याओं का समाधान न करने का आरोप लगाया। धरने पर सभी यूनियनों के प्रधान, पदाधिकारी व अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

संगठन को मजबूत बनाने के लिए सक्रियता से काम करें कार्यकर्ता : जवाहर सैनी

हिसार (राजधानी चौपाल)

भारतीय जनता पार्टी जिला हिसार की महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक जिला कार्यालय में हुई। जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़ की अध्यक्षता में हुई बैठक का शुभारंभ भारतीय जनसंघ के संस्थापक एवं महान राष्ट्रवादी चिंतक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया।

बैठक में मुख्य वक्ता के रूप में भाजपा के जिला प्रभारी जवाहर सैनी उपस्थित रहे। उन्होंने संगठन की मजबूती, बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं की सक्रियता बढ़ाने तथा आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए विस्तृत मार्गदर्शन दिया। उन्होंने विशेष रूप से 26 जून को भाजपा हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता के हिसार आगमन को लेकर की जा रही तैयारियों की समीक्षा की तथा सभी कार्यकर्ताओं से भव्य एवं ऐतिहासिक स्वागत सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़ ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं के समर्पण, अनुशासन और अथक परिश्रम के बल पर निरंतर मजबूत हो रही है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता के स्वागत कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लेने तथा आगामी संगठनात्मक एवं जनसंपर्क कार्यक्रमों को सफल बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं प्रदेश

सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रत्येक कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है।

इस अवसर पर हिसार के मेयर प्रवीण पोपली, पूर्व मंत्री अनूप धानक सहित भाजपा के अनेक वरिष्ठ नेताओं ने कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करते हुए संगठन को शक्त बनाने का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता के हिसार आगमन पर आने वाले स्वागत समारोह को ऐतिहासिक बनाने की बात कही।

जिला मीडिया प्रभारी राजेन्द्र सपड़ा ने बताया कि बैठक में बैठक में संगठन विस्तार, बूथ सशक्तिकरण, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तथा जनसंपर्क अभियान बारे भी विस्तृत चर्चा की गई। उपरोक्त के अलावा बैठक में जिला महामंत्री कृष्ण सरसाना, चेयरमैन रविन्द्र रॉकी, जिला उपाध्यक्ष संजीव रेवड़ी, मुनीश ऐलावादी, रामफल नैन, सतीश सुरलिया, सरोज सिहाग, प्रवीन जैन, भूपेन्द्र पनिहार, पीयूष मेहता, सुरेश जांगड़ा, अमर पातड़, संदीप गोयल, अशोक मित्तल, कृष्ण खटाना, सुरेन्द्र सैनी, राज कुमार इंदौरा, हर्ष बामल, विनोद तोसावड़, रामचन्द्र गुप्ता, धर्मवीर पानू, कृष्ण बिश्नोई, पिंकी शर्मा, राजेश अरोड़ा, प्रोमिला पूनिया, डॉ. दिव्या सेठी, विक्रम कासनिया, महेंद्र सिंह पानू, मंडल अध्यक्ष लोकेश असीजा, दीपक अग्रवाल, राहुल सैनी, कीर्तिरत्न शर्मा, मोहनलाल नंगथला, रमेश बेनीवाल, चंद्रपाल भादू व विनोद कुमार सहित जिला कार्यकारिणी सदस्य, पार्षदगण एवं बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

किरमारा गांव में बिजली के खंभे व तार लगाने का विवाद सुलझा, मिलेगा मुआवजा

हिसार (राजधानी चौपाल)

जिले के गांव किरमारा में किसानों को मुआवजा दिए बिना बिजली के खंभे व तार लगाने के का विवाद सुलझ गया है। बिजली निगम के वरिष्ठ अधिकारी डॉ. आदित्य दहिया के साथ हुई ग्रामीणों की बैठक के बाद बिजली निगम के अधिकारी मंगलवार को किसानों के बीच पहुंचे और कहा कि उनकी जमीन व फसल का जो उचित मुआवजा बनता है, वो दिया जाएगा। इसके बाद किसानों ने अपनी जमीन में खंभे व तार लगाने की अनुमति दे दी।

इनेलो प्रदेश सचिव एवं गांव निवासी दलबीर किरमारा व ग्रामीण प्रदीप कुमार ने बताया कि वरिष्ठ नेता प्रो. संपत सिंह के प्रयासों से बिजली निगम के अधिकारियों से वार्ता सिरे चढ़ी। प्रो. संपत सिंह ने तीन दिन पूर्व ग्रामीणों के धरने पर पहुंचकर मौके पर ही बिजली अधिकारियों से बातचीत करते हुए किसानों को उनकी जमीन व फसलों का मुआवजा देने की बात कही। उन्होंने कहा कि किसानों की बिना सहमति व बिना मुआवजा दिए उनकी जमीनों में खंभे गाडना व तारें लगाना गलत है। इस पर बिजली निगम के वरिष्ठ अधिकारी डॉ. आदित्य दहिया ने किसानों की कमेटी को पंचकूला में बातचीत के लिए बुलाया। बातचीत के बाद मंगलवार को बिजली निगम के कार्यकारी अभियंता, एसडीओ व अन्य गांव में पहुंचे और कहा कि नियमानुसार जो मुआवजा बनता है, वो दिया जाएगा। इस पर किसानों ने सहमति जताते हुए उन्हें खंभे व तार लगाने की अनुमति दे दी।

दलबीर किरमारा एवं प्रदीप ने बताया कि इससे पहले वर्ष 2009 में जो खंभे व तारें लगाए गए थे, उनमें किसानों को केवल फसल का मुआवजा दिया गया था जबकि जमीन का मुआवजा नहीं दिया गया। इसके लिए ग्रामीण विचार कर रहे हैं और कानूनी राय लेकर अदालत का दरवाजा खटखटाएंगे ताकि उन्हें पुराना मुआवजा मिल सके। ग्रामीणों से बातचीत करवाने में अहम भूमिका निभाने पर प्रो. संपत सिंह, गौरव संपत सिंह, सितेन्द्र लोहचब व अन्य अधिकारियों का आभार जताया। इस अवसर पर ग्रामीणों में मुख्य रूप से प्रदीप किरमारा, धर्मपाल लोहचब, सरपंच टेकराम, पूर्व सरपंच चन्द्रभान, धर्मपाल, जुगबीर सिंह, छाजूराम, सुखपाल, दलबीर लोहचब, इन्द्राज पोशक, कृष्ण ठाकुर, ओम प्रधान, जगदीश व साधुराम सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

अनशन पर बैठे अभ्यर्थियों से बात करके सरकार सभी जायज मांगों को तुरंत पूरा करे : विधायक चंद्रप्रकाश

हिसार (राजधानी चौपाल)

हरियाणा लोक सेवा आयोग द्वारा भर्तियों में लागू की गई 35 प्रतिशत न्यूनतम अंक की नीति और कैटेगरी सर्टिफिकेट के मुद्दे को लेकर पंचकूला के सेक्टर-5 में आमरण अनशन पर बैठे अभ्यर्थियों से मुलाकात करके प्रदेश कांग्रेस ओबीसी विभाग के चेयरमैन व विधायक चंद्रप्रकाश ने अपना समर्थन दिया। उन्होंने अनशन करने वाले पल्लवी जांगड़ा, शुभम चौहान, रमनदीप कौर व सुरेंद्र यादव सहित दर्जनों धरनारत अभ्यर्थियों को आश्वस्त किया कि प्रदेश कांग्रेस ओबीसी विभाग उनके साथ है।

विधायक चंद्रप्रकाश ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कई महीनों से मांगों के समर्थन में धरना दे रहे अभ्यर्थियों की सरकार ने अभी तक सुध नहीं ली है। उन्होंने अनशन पर बैठे अभ्यर्थियों की बिगड़ती हालत पर चिंता जताते हुए कहा कि सरकार को उदासीनता छोड़कर तुरंत प्रभाव से आंदोलनकारी अभ्यर्थियों से मुलाकात करके उनकी सभी जायज मांगों को स्वीकार कर लेना चाहिए।

चंद्रप्रकाश ने कहा कि जब पद हैं, उम्मीदवार हैं और जरूरत भी है तो फिर तरह-तरह के बहाने और अनुचित नियम बनाकर भर्तियां क्यों रोकी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि 35 प्रतिशत न्यूनतम अंकों की यह बाध्यता सबसे ज्यादा आरक्षित वर्गों को नुकसान पहुंचा रही है। पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति, अत्यंत पिछड़ा वर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के अंतर्गत बड़ी संख्या में पद रिक्त पड़े हैं। सरकार युवाओं के साथ धोखा कर रही है और नौकरियों में आरक्षण को समाप्त करने का प्रयास कर रही है। यह साफ हो गया है कि आरक्षण केवल कागजों तक सीमित रह गया है और व्यावहारिकता में इसे निष्क्रिय कर दिया गया है, जो सामाजिक न्याय की भावना के खिलाफ है। उन्होंने बाहरी राज्यों के अभ्यर्थियों को ज्वॉइनिंग देने पर भी रोष प्रकट किया और कहा कि हरियाणा के युवाओं के लिए 90 प्रतिशत कोटा फिक्स किया जाना चाहिए। 35 प्रतिशत क्राइटेरिया हटाकर दोगुना अभ्यर्थियों को इंटरव्यू में बुलाकर नियुक्ति प्रक्रिया में पारदर्शिता लाई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार को अनशन पर बैठे अभ्यर्थियों की सभी जायज मांगों को पूरा करके अनशन खुलवाना चाहिए ताकि हरियाणा के युवा धरने व प्रदर्शनों में समय लगाने की अपेक्षा अपने उज्ज्वल भविष्य की तरफ अग्रसर हो सकें।

हरियाणा ने जनगणना 2027 की तैयारियां शुरू कर दी हैं; 6 जुलाई से जनसंख्या गणना का प्री-टेस्ट शुरू होगा - डॉ. सुमिता मिश्रा

।हरियाणा ने भारत की जनगणना 2027 के जनसंख्या गणना चरण के लिए अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। इस संबंध में जानकारी देते हुए राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की वित्तायुक्त और हरियाणा जनगणना 2027 की नोडल अधिकारी डॉ. सुमिता मिश्रा ने बताया कि राज्य सरकार ने हरियाणा के चुने हुए कुछ क्षेत्रों में जनसंख्या गणना के प्री-टेस्ट (पूर्व-परीक्षण) को अधिसूचित कर दिया है। यह फील्ड अभ्यास 6 से 18 जुलाई, 2026 तक आयोजित किया जाएगा, जो कि जनगणना 2027 की देशव्यापी तैयारियों का हिस्सा है। डॉ. मिश्रा ने कहा कि जनगणना प्रक्रिया को सुचारू, सटीक और कुशल बनाने की दिशा में प्री-टेस्ट एक अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है। फील्ड गणना शुरू होने से पहले, अधिसूचित सैंपल क्षेत्रों के पात्र निवासियों को पहली से 5 जुलाई, 2026 तक सेल्फ-एन्यूमरेशन (स्वयं गणना) का विकल्प होगा, जिसके माध्यम से वे निर्धारित डिजिटल प्लेटफॉर्म पर स्वेच्छा से अपना विवरण जमा कर सकेंगे।उन्होंने बताया कि फील्ड अभ्यास पूरा होने के बाद, प्री-टेस्ट के दौरान जुटाई गई जानकारी को सत्यापित, अपडेट और मान्य करने के लिए 19 से 20 जुलाई, 2026 तक एक ''रिविजनल राउंड'' (पुनरीक्षण दौर) चलाया जाएगा।डॉ. मिश्रा ने कहा कि इस पायलट अभ्यास को जनसंख्या गणना की कार्यप्रणाली, डिजिटल प्रक्रियाओं, फील्ड संचालन और डेटा संग्रह तंत्र की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए तैयार किया गया है। प्री-टेस्ट से मिलने वाले अनुभव और निष्कर्ष देशव्यापी जनगणना शुरू होने से पहले परिचालन प्रक्रियाओं को बेहतर बनाने, व्यावहारिक चुनौतियों की पहचान करने और पूरे ढांचे को मजबूत करने में मदद करेंगे। उन्होंने चयनित सैंपल क्षेत्रों के सभी निवासियों से इस अभ्यास में सक्रिय रूप से भाग लेने और प्रगणकों को पूरा सहयोग देने की अपील की है। उन्होंने कहा कि जनगणना डेटा की सटीकता, विश्वसनीयता और पूर्णता सुनिश्चित करने के लिए जनता की भागीदारी बहुत जरूरी है, क्योंकि यही डेटा साक्ष्य-आधारित शासन, विकास योजनाओं और जन कल्याणकारी पहलों का आधार बनता है। डॉ. मिश्रा ने बताया कि जनगणना अधिनियम, 1948 की धारा 17ए और जनगणना नियम, 1990 के नियम 6डी के प्रावधानों के तहत अधिसूचना जारी की गई है जो भारत की जनगणना 2027 की तैयारियों के तहत हरियाणा में इस जनसंख्या गणना प्री-टेस्ट के आयोजन को अधिकृत करती है।

घर जा रही छह वर्षीय बच्ची को बस ने कुचला, हुई मौत

पल्ला थाना क्षेत्र में हुए एक सडक़ हादसे में छह वर्षीय बच्ची की मौत हो गई। शनि बाजार के पास सडक़ पार करते समय एक बस की चपेट में आने से एलकेजी की छात्रा काव्या घायल हो गई। उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने रविवार को मृतका बच्ची के शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है। पल्ला थाना पुलिस के अनुसार, मृतक बच्ची काव्या का परिवार सरस्वती कॉलोनी में रहता है। बच्ची के पिता महेश ने बताया कि शनिवार शाम काव्या अपनी मां के साथ चाची के घर जा रही थी। जब वे शनि बाजार के पास सडक़ पार कर रहे थे, तभी एक बस ने बच्ची को अपनी चपेट में ले लिया। परिजनों का आरोप है कि हादसे के समय बस ड्राइवर मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते हुए वाहन चला रहा था, जिस कारण वह बच्ची को नहीं देख पाया और यह हादसा हो गया। उनका यह भी आरोप है कि सूचना देने के काफी देर बाद पुलिस मौके पर पहुंची और तत्काल बस तथा ड्राइवर को भी नहीं पकड़ा गया। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और बच्ची को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। इसके बाद परिजन बच्ची के शव को एंबुलेंस में लेकर सीधे पल्ला थाना पहुंच गए। थाने में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी एकत्रित हो गए और पुलिस की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताई। पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के समझाने के बाद लोगों का गुस्सा शांत हुआ। पल्ला थाना प्रभारी सत्य प्रकाश ने बताया कि परिजनों की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। बच्ची के शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप हादसे के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सांसद से लेकर पंच तक भाजपा का कार्यकर्ता दिखाई देना चाहिए : डा. अर्चना

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने कहा है कि भाजपा का कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ की हड्डी है। जब एक बूथ अध्यक्ष और बूथ पर काम करने वाला कार्यकर्ता अपना पसीना बहाता है तथा बूथ जीतकर भाजपा की झोली में डालने का काम करता है, तब विधायक और सांसद बनते हैं तथा सरकारें बनती हैं। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं के श्रम से ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र में तथा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा में लगातार तीसरी बार भाजपा की सरकार बनी है। डा. गुप्ता रविवार को फरीदाबाद में आयोजित स्वागत एवं अभिनंदन समारोह को संबोधित कर रही थी। इससे पहले प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर अर्चना के फरीदाबाद आगमन पर एमवीएन स्कूल अरावली हिल के सामने भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने डॉ. अर्चना गुप्ता का भव्य एवं आत्मीय स्वागत किया। इसके उपरांत प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने वजीरपुर गांव परशुराम चौक से भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष सचिन ठाकुर के नेतृत्व में आयोजित साइक्लोथॉन में सहभागिता की। डॉ. अर्चना गुप्ता ने स्वयं साइकिल चलाकर कार्यक्रम स्थल अमृता अस्पताल तक पहुंचते हुए युवाओं का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम स्थल अमृता अस्पताल सेक्टर 89 के ऑडिटोरियम में पहुंचने पर केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर, जिला अध्यक्ष पंकज पूजन रामपाल, कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल, खाद्य मंत्री राजेश नागर, विधायक धनेश अदलखा, विधायक मूलचंद शर्मा, सतीश फगाना, महापौर प्रवीण बत्रा जोशी, राष्ट्रीय परिषद सदस्य संदीप जोशी, मुख्यमंत्री के पूर्व राजनैतिक सचिव अजय गौड़, जिला प्रभारी नरेंद्र वत्स समेत अनेक वरिष्ठ नेताओं ने प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता का पुष्प गुच्छ और फूलमालाओं से स्वागत और अभिनंदन किया। प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर अर्चना गुप्ता ने मंचासीन नेताओं के साथ भारत माता, माँ अमृता आनंदमयी, श्रद्धेय श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीन दयाल उपाध्याय के चित्र पर दीप प्रज्वलन कर पुष्पांजलि अर्पित की । अमृता अस्पताल के ऑडिटोरियम में लोगों ने डॉ. अर्चना गुप्ता का ढोल नगाड़ों, पुष्पमालाओं, पुष्पगुच्छ, शॉल, पटका एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया। फरीदाबाद जिले के सभी मंडल अध्यक्षों ने बड़ी माला से प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत किया । कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता देने के भाव से पार्टी में आता है, जबकि कांग्रेस और इनेलो की सरकारें केवल लूटने और अपना घर भरने के लिए आई थी। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता को गर्व होना चाहिए कि वह विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी का सदस्य है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि कार्यकर्ताओं के परिश्रम का ही परिणाम है कि आज फरीदाबाद जिले में छह में से पांच विधायक भाजपा के हैं और लोकसभा में केंद्रीय मंत्री भी फरीदाबाद का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

14 जुलाई तक गणना प्रपत्र जमा करें मतदाता

जिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर-2026) अभियान को गति देने के लिए उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि गणना प्रपत्रों के संग्रहण, डिजिटाइजेशन और मतदाताओं के सत्यापन का कार्य निर्धारित समयसीमा में पूरा किया जाए। उन्होंने बताया कि 14 जुलाई तक बीएलओ घर-घर जाकर गणना प्रपत्र वितरित करने, उन्हें एकत्रित करने और मोबाइल ऐप के माध्यम से उनका डिजिटाइजेशन करने का कार्य कर रहे हैं। वर्तमान मतदाताओं द्वारा हस्ताक्षरित गणना प्रपत्र जमा करने पर उनका नाम बिना किसी अतिरिक्त दस्तावेज की मांग के प्रारंभिक मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा। डॉ. छिल्लर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गणना प्रपत्रों के साथ अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत एवं डुप्लीकेट (एएसडी) मतदाताओं का अलग डाटाबेस तैयार किया जाए।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान ने भारत की एकता, अखंडता को किया मज़बूत - मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का सपना आर्टिकल 370 हटाकर हुआ पूरा

पंजाब का भविष्य दिल्ली नहीं, बल्कि उसके लोग करेंगे तय

मुख्यमंत्री ने पठानकोट में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती समारोह में लिया हिस्सा

चंडीगढ़,

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि डॉ. मा प्रसाद मुखर्जी ने देश की एकता और अखंडता के लिए सबसे बड़ा बलिदान दिया। उन्होंने जो आवाज़ उठाई और जो सपना देखा, उसे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाकर पूरा किया है। आज, भारतीय तिरंगा कश्मीर से कन्याकुमारी तक शान से लहरा रहा है।

नायब सिंह सैनी रविवार को पंजाब के पठानकोट में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के मौके पर बोल रहे थे। इस मौके पर पठानकोट के विधायक श्री अश्विनी शर्मा, पंजाब विधानसभा के पूर्व डिप्टी स्पीकर श्री दिनेश बब्बू, पूर्व विधायक सीमा कुमारी और दूसरे वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पठानकोट सिर्फ़ एक शहर नहीं बल्कि 'भारत माता' की उत्तरी सीमा है। यह बहादुर योद्धाओं, शहीदों, देशभक्तों और देश के महान सपूतों की धरती है, जिन्होंने देश की सीमाओं की रक्षा के लिए अपना सब कुछ कुर्बान कर दिया। यहां की मिट्टी में वीरता की खुशबू और हवा में देशभक्ति की भावना है।

उन्होंने कहा कि इतिहास कुछ खास शख्सियतों को सिर्फ़ किताबों से नहीं, बल्कि उन पीढ़ियों से याद रखता है जो उनके आदर्शों को जीवन में अपनाती हैं। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ऐसे ही दूर की सोचने वाले नेता थे जिन्होंने अपनी पूरी ज़िंदगी भारत की एकता, अखंडता, आत्म-सम्मान और राष्ट्रीय चेतना के लिए लगा दी। वे अपने समय के न सिर्फ नेता थे, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक भी थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. मुखर्जी जी एक प्रसिद्ध शिक्षाविद होने के साथ साथ एक प्रखर राजनेता भी थे।

उन्होंने कहा कि सिर्फ़ 33 साल की उम्र में ही वे कलकत्ता यूनिवर्सिटी के वाइस-चांसलर बन गए। बंगाल के लोग उन्हें बहुत सम्मान और प्यार देते थे और उन्हें ÷बंगाल का टाइगर÷ कहते थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. मुखर्जी का लक्ष्य मज़बूत और आत्मनिर्भर भारत बनाना था। इसी मकसद से वे जनता के बीच आए और आज़ाद भारत के पहले उद्योग मंत्री बने। लेकिन 1950 में जब उसूलों और पावर को चुनने का मौका मिला, तो उन्होंने पद के बजाय देश हित को चुना। उन्होंने पूर्वी पाकिस्तान से लाखों हिंदुओं और सिखों के निकाले जाने और लियाकत-नेहरू समझौते पर गहरी असहमति जताई और केन्द्रीय कैबिनेट से इस्तीफ़ा दे दिया। इस फ़ैसले से उन्होंने साबित कर दिया कि देश उनके लिए किसी भी पद से ज़्यादा ज़रूरी था।

उन्होंने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने नारा दिया था, ÷एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे।÷ यह सिर्फ़ एक राजनैतिक नारा नहीं था, बल्कि भारत की आत्मा की आवाज़ थी। उन्होंने जम्मू-कश्मीर को भारत में पूरी तरह मिलाने के लिए संघर्ष किया और बिना परमिट के इस इलाके में आने का निर्णय लिया। उन्हें माधोपुर से जम्मू और कश्मीर में प्रवेश करते समय गिरफ्तार किया गया। उस समय पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी उनके साथ थे। बाद में हिरासत में रहते हुए डॉ. मुखर्जी का निधन हो गया। यह कोई साधारण मृत्यु नहीं थी बल्कि राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए किया गया सर्वोच्च बलिदान था।

अनुच्छेद 370 के हटने से डॉ. मुखर्जी का विजन हुआ पूरा

उन्होंने कहा कि जिस मिशन के लिए उन्होंने अपने प्राणों की आहुति दी, वह 5 अगस्त, 2019 को पूरा हुआ, जब प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया। आज भारतीय तिरंगा कश्मीर से कन्याकुमारी और अटक से कटक तक शान और सम्मान के साथ लहराता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत का कायापलट

मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया अब भारत को एक नए नजरिए से देखती है। एक देश जिसे कभी वैश्विक समस्याओं का हिस्सा माना जाता था, अब दुनिया को समाधान देने वाले राष्ट्र के रूप में उभरा है। यह परिवर्तन रातों रात नहीं हुआ है। यह भारतीयों की कड़ी मेहनत, विश्वास और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के अथक प्रयासों, समर्पण, त्याग और प्रतिबद्धता का परिणाम है।

उन्होंने कहा कि पिछले 11 सालों में सरकार की अलग-अलग पहलों से लाखों गरीब परिवारों को पक्के घर मिले हैं। आयुष्मान भारत स्कीम के ज़रिए गरीब और ज़रूरतमंद नागरिकों को गंभीर बीमारियों के इलाज की सुविधा मिली है। उन्होंने आगे कहा कि हरियाणा में चिरायु स्कीम को आयुष्मान भारत के साथ जोड़कर हेल्थकेयर सिक्योरिटी का दायरा बढ़ाया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डिजिटल इंडिया ने हर गाँव तक टेक्नोलॉजी पहुँचाई है, स्किल इंडिया ने युवाओं को निपुणता दी हैं और मेक इन इंडिया ने भारत की इंडस्ट्रियल क्षमताओं को मज़बूत किया है। देश भर में आधुनिक एक्सप्रेसवे बनाए जा रहे हैं, वंदे भारत जैसी एडवांस्ड ट्रेनें शुरू की जा रही हैं और एयरपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि जहाँ कुछ लोग ÷आम आदमी क्लीनिक÷ की बात करते हैं, वहीं हरियाणा सरकार ने पूरे हेल्थकेयर इंफ्रास्ट्रक्चर को मज़बूत करने पर ध्यान दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हर ज़िले में एक मेडिकल कॉलेज बनाने के विज़न के मुताबिक हरियाणा में पहले ही 17 मेडिकल कॉलेज बन चुके हैं और हर नागरिक को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देने के लिए और संस्थानों पर काम जारी है।

हरियाणा का मॉडल पारदर्शी सुशासन और जनहितैषी

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार ने प्रधानमंत्री मोदी के सुशासन मॉडल को अपनाया है। सरकार किसी जाति, परिवार या वोट बैंक के लिए नहीं, बल्कि हर नागरिक की तरक्की के लिए काम करती है। पिछले कुछ सालों में, लगभग 2 लाख युवाओं को बिना पर्ची खर्ची के नौकरियां दी गई है।

उन्होंने कहा कि जब वह पंजाब की ओर देखते हैं, तो उन्हें चिंता और दर्द महसूस होता है। आज पंजाब में समाज का हर वर्ग ठगा सा महसूस कर रहा है। युवाओं से नौकरी के वादे किए गए, लेकिन आज युवा नशे की गिरफ्त में हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब के किसानों से खुशहाली और बेहतर रिटर्न का वादा किया गया था, फिर भी वे अपनी फसल के सही दाम के लिए संघर्ष कर रहे हैं। हरियाणा देश का पहला राज्य बन गया है जहां सभी 24 फसलों को एमएसपी पर खरीदा जा रहा है।

उन्होंने कहा कि महिलाओं से वित्तीय मदद के बड़े-बड़े वादे किए गए थे, लेकिन अब चार साल बीत जाने के बाद भी वायदें पूरे नहीं हुए हैं। हरियाणा में महिलाओं को हर महीने 2,100 रुपए दिए जा रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा कि हरियाणा में किसानों को फसल नुकसान का पूरा मुआवजा दिया जा रहा है। 2004 से 2014 के बीच, कांग्रेस सरकार ने फसल नुकसान के मुआवजे के तौर पर सिर्फ़ 1,136 करोड़ रुपये दिए, जबकि वर्तमान सरकार ने 2014 से अब तक किसानों को लगभग 16,500 करोड़ रुपये दिए हैं।

पंजाब का भविष्य दिल्ली नहीं, बल्कि उसके लोग करेंगे तय

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब का भविष्य दिल्ली की राजनीति से नहीं, बल्कि खुद पंजाब के लोग तय करेंगे। पंजाब के किसान, युवा, माताएं और बहनें राज्य की दिशा और भाग्य तय करेंगी।उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी पंजाब के लोगों से सत्ता नहीं, बल्कि उनकी सेवा करने का मौका मांग रही है। लोगों के आशीर्वाद से पंजाब एक बार फिर ÷रंगला पंजाब÷ बनेगा। उन्होंने कहा कि यही डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी और एक विकसित भारत बनाने की मज़बूत नींव होगी।

पीएम राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए 31 जुलाई तक कर सकते हैं ऑनलाइन आवेदन

राष्ट्रीय वीर बाल दिवस 26 दिसम्बर को होगी पुरस्कारों की घोषणा

चण्डीगढ़,

भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा बच्चों की प्रतिभा को पहचान दिलाने और उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार-2026 के लिए नामांकन आमंत्रित किए गए हैं। पुरस्कार के लिए पात्र बच्चे 31 जुलाई, 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

एक सरकारी प्रवक्ता ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार देश के सर्वोच्च बाल सम्मान में शामिल है, जिसके माध्यम से उन बच्चों को सम्मानित किया जाता है जिन्होंने कम उम्र में अपनी असाधारण प्रतिभा, लगन, मेहनत और उपलब्धियों से समाज व देश के लिए प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया है।

उन्होंने बताया कि इस पुरस्कार के अंतर्गत बहादुरी, नवाचार, खेल, सामाजिक सेवा, पर्यावरण संरक्षण, विज्ञान एवं तकनीक, कला एवं संस्कृति सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाले बच्चों द्वारा नामांकन किए जा सकते हैं। विभिन्न श्रेणियों में देशभर से कुल 25 बच्चों का चयन किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि शिक्षा, खेल, नवाचार और अन्य क्षेत्रों में अपनी मेहनत से ऐसे प्रतिभाशाली बच्चों को इस अवसर का लाभ उठाते हुए निर्धारित समय सीमा में आवेदन करना चाहिए। उन्होंने अभिभावकों, स्कूल प्रबंधकों, शिक्षकों और संबंधित विभागों से आह्वान किया कि वे योग्य बच्चों की पहचान कर उन्हें प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए आवेदन करने के लिए प्रेरित करें।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार-2026 से संबंधित पात्रता, दिशा-निर्देश एवं आवेदन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल पर उपलब्ध है। इच्छुक एवं पात्र अभ्यार्थी 31 जुलाई, 2026 तक पोर्टल के माध्यम से नामांकन कर सकते हैं।

प्रदेश सरकार शिक्षा एवं कौशल विकास के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध - कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा

बाडोपट्टी में 6 एकड़ में बनने वाले नए औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की आधारशिला रखी

चण्डीगढ़, एजेंसी। हरियाणा के लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने रविवार को जिला हिसार के गांव बाडोपट्टी में करीब 6.08 एकड़ भूमि पर बनने वाले नए औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के भवन की आधारशिला रखी। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए राज्य सरकार द्वारा 22.38 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया गया है।रणबीर गंगवा प्रदेश सरकार युवाओं को गुणवत्तापूर्ण तकनीकी एवं कौशल आधारित शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। नए आईटीआई के निर्माण से बरवाला व आसपास के क्षेत्र के युवाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण प्राप्त करने का बेहतर अवसर मिलेगा, जिससे उनकी रोजगार क्षमता में वृद्धि होगी और वे आत्मनिर्भर बन सकेंगे।लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा एवं कौशल विकास के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध है। आधुनिक सुविधाओं से युक्त यह आईटीआई क्षेत्र के युवाओं के लिए मील का पत्थर साबित होगा और औद्योगिक क्षेत्र की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षित मानव संसाधन तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

सिख इतिहास में बाबा लखी शाह बंजारा का योगदान अमर - सुमन सैनी

गुरुद्वारा सिंह सभा लोहारा को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की तरफ से 11 लाख रुपए देने की गई घोषणा

उपाध्यक्षा सुमन सैनी ने बाबा लखी शाह बंजारा के 448वें जन्मोत्सव पर गुरुद्वारा में मत्था टेककर अरदास

चण्डीगढ़,

हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की उपाध्यक्षा श्रीमती सुमन सैनी ने कहा कि सिख इतिहास में बाबा लखी शाह बंजारा का योगदान अमर है। जब अत्याचारी औरंगजेब के आदेश पर दिल्ली के चांदनी चौक में हिंद की चादर श्री गुरु तेग बहादुर जी का शीश कलम कर दिया गया, तब भय और आतंक का वातावरण था। ऐसे समय में बाबा लखी शाह बंजारा जी ने अद्भुत साहस दिखाया।

उपाध्यक्षा सुमन सैनी रविवार को लाडवा में गुरुद्वारा सिंह सभा में बाबा लखी शाह बंजारा के 448 वें जन्म उत्सव पर आयोजित कार्यक्रम में बोल रही थी। उन्होंने गुरुद्वारा में मत्था टेककर अरदास की। श्रीमती सुमन सैनी ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की तरफ से 11 लाख रुपए गुरुद्वारा सिंह सभा लोहारा को देने की घोषणा की। उन्होंने बाबा लखी शाह बंजारा जी कोटि-कोटि नमन करते हुए सभी साध-संगत व समाज के सभी नागरिकों को जयंती की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

श्रीमती सुमन सैनी ने कहा कि बाबा लखी शाह बंजारा केवल एक ऐतिहासिक व्यक्तित्व नहीं थे, बल्कि वे साहस, सेवा, धर्म-रक्षा, त्याग और मानवता के महान प्रतीक थे। उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि जब समय कठिन हो, परिस्थितियां प्रतिकूल हों और सत्य पर संकट हो, तब जो व्यक्ति धर्म, कर्तव्य और मानवता के पक्ष में अडिग खड़ा रहता है, वही इतिहास रचता है। उन्होंने कहा कि बाबा लखी शाह बंजारा का जीवन हमें सिखाता है कि निरूस्वार्थ सेवा, साहस, समर्पण और धर्म के प्रति आस्था ही मनुष्य को महान बनाती है।

श्रीमती सैनी ने कहा कि महापुरुष किसी एक जाति, वर्ग या समुदाय की धरोहर नहीं होते, वे पूरे समाज और राष्ट्र की साझा विरासत होते हैं। उनके विचार और आदर्श एक प्रकाश-स्तंभ की तरह हमें दिशा देते हैं।

'मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने घुमंतू एवं विमुक्त जातियों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए उठाए कई महत्वपूर्ण कदम'

श्रीमती सुमन सैनी ने कहा कि बंजारा समाज हमारे देश का अत्यंत संघर्षशील, मेहनती, स्वाभिमानी और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध समाज है। इस समाज ने विपरीत परिस्थितियों में भी अपनी परंपराओं, अपनी पहचान और अपनी जीवटता को बनाए रखा।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सरकार में यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि समाज का कोई भी वर्ग विकास से वंचित न रहे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने घुमंतू एवं विमुक्त जातियों को मुख्यधारा से जोडऩे के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। परिवार पहचान पत्र के माध्यम से ऐसे परिवारों को योजनाओं और सेवाओं से जोड़ा गया है, ताकि उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य, राशन, आवास और सामाजिक सुरक्षा का लाभ आसानी से मिल सके। करनाल, पलवल और रोहतक सहित कई क्षेत्रों में घुमंतू परिवारों को बसाने और उन्हें प्लॉट उपलब्ध कराने की दिशा में काम किया गया है। इसके साथ ही हरियाणा विमुक्त घुमंतू जाति विकास बोर्ड का गठन करके समग्र विकास के लिए संस्थागत व्यवस्था भी बनाई गई है।

नशा मुक्त, शिक्षित समाज के साथ व्यवस्था परिवर्तन एवं राष्ट्र निर्माण का लें संकल्प- मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

संतों ने सत्य, अहिंसा, संयम, सेवा, समर्पण का मार्ग दिखाया

मुख्यमंत्री ने जालंधर में पीयूष मुनि महाराज के 39वें दीक्षांत समारोह में की शिरकत

चण्डीगढ़,

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि नशा मुक्त और शिक्षित समाज के साथ व्यवस्था परिवर्तन एवं राष्ट्र निर्माण का मिलकर संकल्प लें, तभी सेवा, सम्मान और संस्कार युक्त समाज के नवनिर्माण में अहम भूमिका निभाई जा सकती है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जालंधर में पीयूष मुनि महाराज के 39वें दीक्षांत एवं सेवा सम्मान को समर्पित समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। जैन सभा द्वारा मुख्यमंत्री को शॉल, पगड़ी एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संत सेवा समर्पण के साथ पूरे समाज का मार्गदर्शन करते हैं और ज्ञान रूपी दीपक से दूसरों के जीवन में रोशनी लाते हैं। उनके विचार मानवता की सेवा के लिए समर्पित होते हैं। उन्होंने कहा कि मनुष्य को धनवान की जगह चरित्रवान, संस्कारवान और मानवीय संवेदनाओं से युक्त बनना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सेवा से बड़ा कोई धर्म, करूणा से बड़ी कोई पूजा तथा मानवता से बड़ा कोई मजहब नहीं होता। सामाजिक संस्थाए नशे से सचेत एवं जागरूक करने, बेटियों को शिक्षित करने, गरीब का घर रोशन करने परिवार में वात्सल्य बढ़ाने जैसे कार्य करके समाज का भविष्य गढ रहे हैं। संतो ने सत्य, अहिंसा, संयम, सेवा, समर्पण का मार्ग दिखाया है। हमें उनके जीवन से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ने की आवश्यकता है।

रंगला पंजाब को राजनीतिक इच्छाओं ने पीछे धकेल दिया

मुख्यमंत्री ने कहा कि रंगला पंजाब को राजनैतिक इच्छाओं ने पीछे धकेल दिया है। पंजाब पर 4 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का कर्ज है तथा हर व्यक्ति पर सवा लाख रुपए का कर्ज है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब की मिट्टी में गुरुओं की वाणी, शहीदों की कुर्बानी, किसानों का पसीना और भाईचारे की खुशबू आती है। पंजाब और हरियाणा का रिश्ता केवल सीमाओं का नहीं है बल्कि यह दिलों का रिश्ता है।नायब सिंह सैनी ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने नशा खत्म करने के बड़े-बड़े दावे किए थे। आज पंजाब नशा और गैंगस्टर संस्कृति से जूझ रहा है। भाजपा सरकार ने हरियाणा में रोजगार, कौशल विकास और खेल नीति के माध्यम से युवाओं को सकारात्मक अवसर उपलब्ध करवाए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा पंजाब और हरियाणा पड़ोसी राज्य हैं। पंजाब किसानों की धरती है, लेकिन यहां का किसान अपनी फसलों की खरीद, भुगतान और मंडी व्यवस्था को लेकर बार-बार चिंता और अनिश्चितता का सामना कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब का युवा सबसे ज्यादा चिंता में है। वित्तीय वर्ष 2025-26 की अप्रैल-जून तिमाही में पंजाब की बेरोजगारी दर 8.8 प्रतिशत रही। हरियाणा में युवाओं को अवसर मिल रहे हैं और पंजाब में केवल खोखली घोषणाएं हैं।

जालंधर खेल उद्योग, हस्तशिल्प, चमड़ा उद्योग स्पोर्ट्स सिटी के रूप में विख्यात

मुख्यमंत्री ने कहा कि जालंधर खेल उद्योग, हस्तशिल्प, चमड़ा उद्योग और एम.एस.एम.ई. का राष्ट्रीय केंद्र है। पूरी दुनिया में स्पोर्ट्स सिटी के रूप में विख्यात इस भूमि पर बने खेल उपकरणों ने विश्व के बड़े-बड़े खेल मैदानों तक भारत का गौरव पहुंचाया है। ऐसी पावन भूमि को कोटि-कोटि नमन करते हुए जालंधर की जनता को हृदय से प्रणाम एवं वंदन है।

खाड़ी से यूरोप तक, भारत बदलेगा वैश्विक समीकरण

जयशंकर का वैश्विक कूटनीतिक मिशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर रविवार से एक महत्वपूर्ण छह-देशीय कूटनीतिक यात्रा पर रवाना होंगे, जिसमें कतर, बहरीन, कुवैत, ओमान, बेल्जियम और संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल हैं। आज से 10 जुलाई तक चलने वाली उनकी चार खाड़ी देशों की यात्रा ऐसे महत्वपूर्ण समय में हो रही है, जब अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते के बाद इस क्षेत्र में राजनीतिक समीकरण तेजी से बदल रहे हैं। यह यात्रा भारत के लिए इन महत्वपूर्ण क्षेत्रों के साथ संबंधों को मजबूत करने और वैश्विक मंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराने का एक बड़ा अवसर है।

विदेश मंत्रालय (एमईए) के अनुसार, जयशंकर अपनी खाड़ी यात्रा के दौरान इन देशों के नेताओं और अपने समकक्षों से मुलाकात करेंगे। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य कतर, बहरीन, कुवैत और ओमान के साथ द्विपक्षीय संबंधों को और अधिक सशक्त बनाना है। इसके साथ ही, क्षेत्रीय घटनाक्रमों और आपसी हित के विभिन्न मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श भी होगा, जिससे भारत की पश्चिम एशिया नीति को नई दिशा मिल सकती है।खाड़ी देशों का दौरा पूरा करने के बाद, विदेश मंत्री 13 जुलाई को न्यूयॉर्क के लिए प्रस्थान करेंगे, जहाँ वे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में साल 2028-29 के कार्यकाल के लिए भारत के आधिकारिक अभियान की शुरुआत करेंगे। यह कदम वैश्विक शासन में भारत की बढ़ती आकांक्षाओं और भूमिका को दर्शाता है, जहाँ भारत स्थायी सदस्यता के लिए भी प्रयासरत है। अपनी यात्रा के अंतिम चरण में, जयशंकर 14 और 15 जुलाई को बेल्जियम की राजधानी ब्रसेल्स जाएंगे। यहाँ वे तीसरी भारत-यूरोपीय संघ व्यापार एवं प्रौद्योगिकी परिषद (टीटीसी) की बैठक में भाग लेंगे और अपने यूरोपीय संघ तथा बेल्जियम के समकक्षों के साथ महत्वपूर्ण बातचीत करेंगे। टीटीसी की शुरुआत 2022 में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), क्वांटम कंप्यूटिंग, सेमीकंडक्टर और साइबर सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण तकनीकी क्षेत्रों में आदान-प्रदान को सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से की गई थी। यह परिषद भारत और यूरोपीय संघ के बीच रणनीतिक तकनीकी सहयोग को गहरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जिससे दोनों पक्षों को अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों के विकास और साझाकरण में लाभ मिल सके। जयशंकर का यह बहुआयामी दौरा न केवल द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करेगा, बल्कि वैश्विक कूटनीतिक पटल पर भारत की बढ़ती साख और प्रभाव को भी रेखांकित करेगा, जिससे आने वाले समय में वैश्विक समीकरणों में भारत की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो सकती है।

इंस्टाग्राम पर बाल यौन शोषण विज्ञापन : केंद्र सरकार का मेटा को नोटिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। (ईएमएस)। भारत सरकार ने इंस्टाग्राम पर बच्चों के यौन शोषण से जुड़े आपत्तिजनक विज्ञापनों को बढ़ावा देने के मामले में उसकी पैरेंट कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स इंक. को नोटिस थमा दिया है। 4 जुलाई को जारी नोटिस का जवाब केंद्र सरकार ने कंपनी से सात दिनों के भीतर मांगा है। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने इंस्टाग्राम को तत्काल प्रभाव से इसतरह के सभी विज्ञापनों को ब्लॉक करने और हटाने का निर्देश दिया है, जो बाल यौन शोषण (सीएसएएम) को बढ़ावा देते हैं या उससे संबंधित कंटेंट तक पहुँच बनाते हैं। यह कार्रवाई मीडिया रिपोर्टों के बाद की गई है, जिसमें उजागर किया गया था कि इंस्टाग्राम भारत में रेप और चाइल्ड वीडियो जैसे शब्दों का उपयोग करके पेड विज्ञापन दिखा रहा था। इन विज्ञापनों पर क्लिक करने के बाद उपयोगकर्ता टेलीग्राम चैनलों पर भेज दिए जाते थे, जहाँ कथित तौर पर बाल यौन शोषण से संबंधित सामग्री मात्र 99 रुपये में ब्रिकी के लिए मौजूद थी। रिपोर्ट में बताया गया कि इंस्टाग्राम पर दिखने वाले सभी विज्ञापन मेटा के मॉडरेशन सिस्टम से अनुमोदन के बाद ही दिखाते हैं, जिससे इस प्रणाली की गंभीर खामियां उजागर हुई हैं। एक मीडिया हाउस द्वारा इसतरह के एक विज्ञापन की शिकायत इंस्टाग्राम से किए जाने पर, कंपनी ने लगभग 24 घंटे बाद जवाब दिया था कि यह पोस्ट उसकी कम्यूनिटी गाइडलाइन का उल्लंघन नहीं करती। हालांकि, जब मीडिया ने मेटा से मामले पर स्पष्टीकरण मांगा, तब कंपनी ने स्वीकार किया कि उसने कई विज्ञापनों को हटा दिया है, संबंधित खातों को निलंबित किया है और आपत्तिजनक यूएलआर को हटाया है। मेटा ने अपनी प्रतिक्रिया में स्वीकार किया कि कोई भी मॉडरेशन सिस्टम पूरी तरह से त्रुटिहीन नहीं होता और समीक्षा प्रक्रिया हर नियम उल्लंघन की पहचान नहीं कर पाती है।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग के 2 खूंखार शूटर मुठभेड़ में ढेर

-दिल्ली पुलिस और एसटीएफ की बड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल और हरियाणा एसटीएफ ने एक संयुक्त अभियान में लॉरेंस बिश्नोई गैंग के दो खूंखार शूटरों को मुठभेड़ में मार गिराया है। मारे गए शूटरों की पहचान प्रवेश और हिमांशु के तौर पर हुई है, जो पिछले महीने हांसी में जिम चलाने वाले कपिल की हत्या में शामिल थे। पुलिस के अनुसार, ये दोनों शूटर हथियारों और गोला-बारूद से लैस थे और किसी बड़े अपराध को अंजाम देने की फिराक में थे, तभी रविवार सुबह पुलिस के साथ उनकी मुठभेड़ हो गई। इस गोलीबारी में एक पुलिस कांस्टेबल भी घायल हो गया, जबकि अन्य पुलिसकर्मियों की बुलेटप्रूफ जैकेट पर कई गोलियां लगीं। एसटीएफ के एसपी विक्रांत भूषण ने बताया कि पिछले महीने हांसी में जिम चलाने वाले कपिल नाम के एक व्यक्ति की दो अज्ञात लोगों ने हत्या कर दी थी। इस घटना के संबंध में हांसी सिटी थाने में मामला दर्ज किया गया था। जांच में पता चला कि इस जघन्य अपराध को लॉरेंस बिश्नोई गैंग के दो मुख्य शूटरों प्रवेश और हिमांशु ने अंजाम दिया था। पुलिस लगातार इनकी तलाश में थी। रविवार सुबह, काउंटर इंटेलिजेंस दिल्ली स्पेशल सेल यूनिट के इंचार्ज मंजीत को एक गुप्त सूचना मिली कि ये दोनों वांछित शूटर भारी हथियारों और गोला-बारूद से लैस हैं और एक और अपराध को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। इस महत्वपूर्ण जानकारी के आधार पर पुलिस टीमों ने तुरंत कार्रवाई की योजना बनाई। पुलिस ने बताया कि जब पुलिस की टीमें इन दोनों शूटरों को पकड़ने के लिए आगे बढ़ीं और उन्हें रोकने की कोशिश की, तो उन्होंने आत्मसमर्पण करने के बजाय पुलिस पर गोलीबारी शुरू कर दी। अपनी जान बचाने और जवाबी कार्रवाई में पुलिस टीमों ने भी फायरिंग की। दोनों तरफ से हुई इस जबरदस्त गोलीबारी में एक पुलिस कांस्टेबल के पैर में गोली लगी, जबकि चार अन्य अधिकारियों की बुलेटप्रूफ जैकेट पर गोलियां लगीं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि अपराधियों ने कितनी आक्रामक तरीके से हमला किया था। इस मुठभेड़ में दोनों शूटर प्रवेश और हिमांशु भी गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल शूटरों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। डॉक्टरों ने दोनों शूटरों को मृत घोषित कर दिया। वहीं, घायल कांस्टेबल को तुरंत सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल रेफर कर दिया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। एसपी विक्रांत भूषण ने बताया कि इस मामले में आगे की जांच की जा रही है, ताकि इस गिरोह के अन्य सदस्यों और उनके नेटवर्क का पता लगाया जा सके। यह कार्रवाई लॉरेंस बिश्नोई गैंग के खिलाफ पुलिस की बड़ी सफलता मानी जा रही है, जो संगठित अपराध के खिलाफ उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

केदारनाथ यात्रा : भूस्खलन का खतरा, प्रशासन हाई अलर्ट पर

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में मॉनसून की शुरुआत के साथ ही पहाड़ों पर भूस्खलन और पत्थर गिरने की घटनाएं बढ़ी हैं, जिसका सीधा असर केदारनाथ यात्रा पर हो रहा है। कई क्षेत्रों से लगातार मलबा गिरने की खबरें सामने आ रही हैं, जिससे यात्रियों की सुरक्षा एक बड़ी चिंता बनी है। रुद्रप्रयाग के जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह राजवार ने बताया कि केदारनाथ यात्रा मार्ग पर कई खतरनाक इलाके चिन्हित किए हैं, जिनकी सीसीटीवी सेंटरों के माध्यम से लाइव मॉनिटरिंग हो रही है। उन्होंने श्रद्धालुओं से प्राकृतिक आपदाओं से निपटने की पूरी तैयारी रखने और किसी भी आपातकालीन स्थिति की जानकारी तुरंत प्रशासन को देने की अपील की है। मौसम विभाग ने उत्तराखंड में अगले चार दिनों (5 से 8 जुलाई) तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है, जिसमें 5 जुलाई के लिए कई इलाकों में ऑरेंज अलर्ट शामिल है। इसके मद्देनजर राज्य आपदा प्रबंधन विभाग ने सभी जिलों को हाई अलर्ट पर रखा है। पुलिस, एसडीआरएफ, एनएच, पीडब्लयूडी और बीआरओ जैसे विभागों को भी सतर्क रहने और आवश्यकता पड़ने पर ट्रेकिंग गतिविधियों को रोकने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों को चौबीसों घंटे सक्रिय रहने और किसी भी आपदा की सूचना तत्काल राज्य आपदा नियंत्रण कक्ष को देने को कहा गया है। इस बीच, जुलाई की शुरुआत में सोनप्रयाग-गौरीकुंड मोटरमार्ग पर मुनकटिया के पास हुए भारी भूस्खलन के कारण यात्रा मार्ग बाधित हुआ था। हालांकि, खराब मौसम और यात्रा में अस्थायी रुकावटों के बावजूद, केदारधाम के लिए श्रद्धालुओं का उत्साह बरकरार है। प्रशासन उनकी सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है।

नैनीताल हादसा : बंदरों को पत्थर मारते हुए बालक खिड़की से गिरा, गंभीर घायल

नैनीताल (एजेंसी)। शहर के मल्लीताल क्षेत्र में एक दुखद घटना सामने आई है, जहां एक होटल में ठहरे दिल्ली के पर्यटक परिवार का तीन वर्षीय बच्चा खिड़की से 20 फीट नीचे गिरकर गंभीर रूप से चोटिल हो गया। बच्चे को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है और उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, दिल्ली निवासी विशाल सोनी अपने परिवार के साथ नैनीताल घूमने आए थे और मल्लीताल स्थित एक होटल में रुके हुए थे। रविवार सुबह उनका तीन वर्षीय बेटा गौरांत कमरे में खेल रहा था। बताया गया कि इसी दौरान बालक को खिड़की के सामने कुछ बंदर दिखाई दिए, जिस पर उसने उन्हें पत्थर मारना शुरू कर दिया। इसी क्रम में अचानक उसका ध्यान हटा और वह असंतुलित होकर होटल की खिड़की से करीब 20 फीट नीचे जा गिरा। बच्चे के गिरने की आवाज सुनकर स्वजनों में चीख-पुकार मच गई। वे तत्काल गौरांत को बीडी पांडे अस्पताल ले गए। अस्पताल के चिकित्सक ने बताया कि बच्चे के सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। उसकी गंभीर हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।

रील बनाने के चक्कर में 2 को कुचला

लुधियाना (एजेंसी)। एक युवक ने रील बनाने के चक्कर में दो महिलाओं को कुचल दिया। लुधियाना में अपनी सहेली के साथ मॉर्निंग वॉक पर निकली प्रॉपर्टी डीलर की पत्नी को एक तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद महिला बोनट पर अटक गई। थोड़ी दूर जाकर कार के सामने ही जमीन पर गिर पड़ी जिससे उसकी खोपड़ी पर पहिया चढ़ गया। महिला के शरीर की हड्डियां तक टूट गई। महिला को करीब 10 मीटर घसीटने के बाद गाड़ी सवार वहां भाग गया। गंभीर रूप से घायल महिला को अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित किया गया। वहीं, उसकी सहेली को भर्ती कर लिया गया। एक्सीडेंट की सीसीटीवी फुटेज सामने आई है। बताया जा रहा है कि एक्सीडेंट करने वाला युवक 12वीं पास है। उसे पुलिस ने अब्दुल्लापुर बस्ती से गिरफ्तार कर लिया। वहीं, उसकी कार राजस्थान से बरामद हुई।

बंगाल में 12 साल की लड़की की गैंगरेप के बाद हत्या

- लोगों में आक्रोश, सड़क पर शव रखकर लगाया जाम

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के बारुईपुर में संदिग्ध हालात में 12 साल की लड़की की मौत से इलाके में हड़कंप मच गया है। उसके परिवार और स्थानीय लोगों का आरोप है कि उसके साथ गैंगरेप और हत्या की गई और बाद में उसकी लाश तालाब में फेंक दी गई। इस घटना से इलाके में भारी आक्रोश है। बताया जा रहा है कि लड़की शनिवार शाम पास की दुकान से खाने-पीने का सामान लेने घर से निकली थी लेकिन वापस नहीं लौटी। परिवार ने उसे बहुत ढूंढा, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। रविवार सुबह सूर्यपुर हाट इलाके के एक तालाब में उसकी लाश मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों का दावा है कि चार युवकों ने लड़की का अपहरण किया और गैंगरेप के बाद उसकी हत्या कर दी। घटना के बाद, गुस्साए लोगों ने सड़क पर लाश रखकर विरोध प्रदर्शन किया और दोषियों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग की।

सूचना मिलने पर बारुईपुर पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों ने एक संदिग्ध, प्रभास मंडल, को पकड़ा और पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया है और उससे पूछताछ कर रही है। इस बीच, बाकी आरोपियों का पता लगाने के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस का कहना है कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मौत की सही वजह और रेप के आरोपों की सच्चाई का पता पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और फोरेंसिक जांच के बाद ही चल पाएगा। फिलहाल मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है।

इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात

घटना के बाद तनावपूर्ण माहौल को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। प्रशासन लोगों से शांति बनाए रखने की अपील कर रहा है, जबकि परिवार और स्थानीय लोग दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग पर अड़े हुए हैं। पुलिस का कहना है कि घटना की गहनता से जांच की जा रही है। आरोप सिद्ध होने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

राम मंदिर चंदा विवाद: विश्व हिंदू परिषद ने विपक्ष के नेताओं से मांगे सबूत

-सबूत हैं तब पुलिस को दें, अन्यथा भ्रम नहीं फैलाए

अयोध्या (एजेंसी)। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने राम मंदिर निर्माण के लिए चंदे में अनियमितताओं के आरोपों को लेकर विपक्षी नेताओं को खुली चुनौती दी है। उन्होंने अयोध्या के डीसीपी को पत्र लिखकर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और आम आदमी पार्टी के नेताओं से सबूत पेश करने की मांग की है, जिन्होंने हजारों करोड़ के घोटाले या चोरी का दावा किया है। विहिप के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष कुमार ने स्पष्ट किया कि उनके पत्र का उद्देश्य किसी पर आरोप लगाना नहीं, बल्कि पुलिस से अनुरोध करना है कि वे इन बड़े, पढ़े-लिखे नेताओं से जानकारी, सबूत या गवाह जुटाएं, ताकि राम मंदिर चंदा विवाद से जुड़े आरोपों की सच्चाई सामने आ सके।

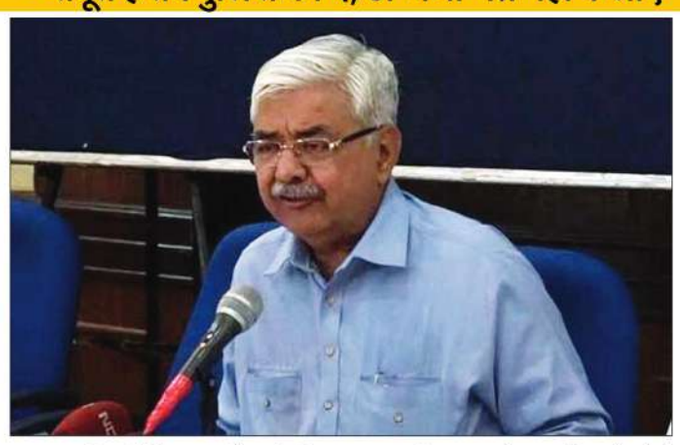

विहिप अध्यक्ष के अनुसार, सपा नेता राम गोपाल यादव ने 20,000 करोड़ रुपये से अधिक के घोटाले का आरोप लगाया था, वहीं कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी हजारों करोड़ के चंदे की हेराफेरी की बात कहकर सीसीटीवी फुटेज सार्वजनिक करने की मांग की थी। वहीं आम आदमी पार्टी के प्रमुख और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल और नेता संजय सिंह ने क्रमशः 200 करोड़ रुपये से अधिक की चोरी का आरोप लगाया था, जिसमें 50 कर्मचारियों के शामिल होने का दावा किया था। विहिप अध्यक्ष कुमार का कहना है कि यदि नेताओं के पास पुख्ता सबूत हैं, तब उन्हें जांच में सहयोग करना चाहिए, अन्यथा, बिना आधार के समाज में भ्रम फैलाने के लिए इनके खिलाफ कार्रवाई की जाए।

कुमार के कदम पर आम आदमी पार्टी (आप) ने तीखा पलटवार किया है। आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि विहिप अध्यक्ष का यह पत्र दिखाता है कि संगठन देशभर में उठ रहे चंदा चोरी के मुद्दे से बेहद परेशान और डरा हुआ है। आप नेता भारद्वाज ने आरोप लगाया कि विहिप के इरादे साफ नहीं हैं। यदि वे साफ होते, तब वे खुद अपने संगठन से जुड़े गवाह पेश करते, क्योंकि ट्रस्ट में उनके ही लोग शामिल थे। आप नेता भारद्वाज ने कहा कि विहिप नेता कुमार ने एक तरह से आत्मसमर्पण किया है, क्योंकि उनकी पार्टी या संगठन के लोग मामले में गवाह बनने को तैयार नहीं हैं।

राम मंदिर चंदे में हेराफेरी के आरोपों पर आलोक कुमार ने हर एक आरोप की बारीकी से जांच की मांग की है, यह कहकर कि चोरी, लूट या डकैती चाहे जो कहा जाए, सच केवल निष्पक्ष जांच से ही सामने आएगा। उन्होंने राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा की टिप्पणियों पर कोई भी बयान देने से इंकार किया। इसके अलावा, विहिप की केंद्रीय समिति की बैठक को अयोध्या से दिल्ली शिफ्ट करने के सवाल पर कुमार ने सख्त रुख दिखाकर कहा कि यह संगठन का आंतरिक मामला है और किसी को भी इस पर सवाल उठाने का अधिकार नहीं है कि बैठक कहाँ आयोजित की जाए।

भारत-नेपाल सीमा पर रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक आवाजाही बंद, मधुबनी में ग्रामीणों का विरोध

मधुबनी (एजेंसी)। भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के उद्देश्य से सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने बड़ा फैसला लिया है। मधुबनी जिले के सीमावर्ती क्षेत्र में अब रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक सीमा पर आम आवाजाही पूरी तरह बंद रहेगी। यह व्यवस्था भारत सरकार के निर्देशों के तहत लागू की जा रही है। हालांकि, इस निर्णय का स्थानीय ग्रामीणों ने विरोध जताया है। मधवापुर स्थित एसएसबी कैंप में आयोजित बैठक के बाद 48वीं बटालियन के कमांडेंट राजेंद्र कुमार ने बताया कि निर्धारित समय के दौरान केवल मेडिकल इमरजेंसी की स्थिति में ही सीमा पार करने की अनुमति दी जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि रोजमर्रा के आवश्यक सामान की आवाजाही जारी रहेगी, लेकिन भारी मात्रा में आयात-निर्यात और व्यावसायिक परिवहन पर पूरी तरह रोक रहेगी। सीमा पर बैरिकेडिंग किए जाने के बाद अधिकारियों और ग्रामीणों के बीच करीब ढाई घंटे तक बैठक हुई, लेकिन कोई सहमति नहीं बन सकी। बैठक में एसएसबी अधिकारियों के साथ बेनीपट्टी के एसडीएम, डीएसपी, बीडीओ, सीओ और स्थानीय थाना अध्यक्ष सहित कई प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। बैठक के दौरान ग्रामीणों ने मांग की कि शादी-विवाह, आपातकालीन परिस्थितियों और अन्य आवश्यक कार्यों के लिए रात में भी सीमित आवाजाही की अनुमति दी जाए। उनका कहना था कि सीमा पूरी तरह बंद होने से बच्चों की पढ़ाई, रसोई गैस की आपूर्ति, आवश्यक सेवाओं और दोनों देशों के बीच वर्षों पुराने सामाजिक एवं पारिवारिक 'रोटी-बेटी' के रिश्तों पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। बैठक बिना किसी निष्कर्ष के समाप्त हो गई। फिलहाल सीमा क्षेत्र में इस फैसले को लेकर असंतोष का माहौल है। अब सबकी नजर प्रशासन पर है कि वह सुरक्षा और स्थानीय लोगों की जरूरतों के बीच संतुलन कैसे स्थापित करता है।

प्रशांत किशोर बांकीपुर से चुनाव लड़ना फाइनल

नितिन नवीन के करीब को मिल सकता है मौका

पटना (एजेंसी)। जन सुराज पार्टी ने घोषणा की है कि उसके संस्थापक प्रशांत किशोर (पीके) पटना की बांकीपुर विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में प्रत्याशी है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती ने इस बात की पुष्टि की है। यह सीट भाजपा विधायक नितिन नवीन के राज्यसभा सांसद बनने के बाद खाली हुई है, जिससे यह चुनाव काफी अहम हुआ है।

अपनी उम्मीदवारी की घोषणा के बाद प्रशांत किशोर ने कहा कि बीते चार सालों से जन सुराज ही उनकी जिंदगी है और पार्टी द्वारा दी गई जिम्मेदारी को पूरी लगन से निभाएंगे। उन्होंने उम्मीद जाहिर की कि बांकीपुर से मिलने वाली जीत से न केवल पार्टी का मनोबल बढ़ेगा, बल्कि बिहार में एक नए राजनीतिक विकल्प की नींव भी मजबूत होगी। पीके ने कहा था कि यदि उनके चुनाव लड़ने से भाजपा बांकीपुर जैसी मजबूत सीट हारती है, तब वे चुनाव लड़ने के लिए तैयार हैं। उन्होंने बांकीपुर की जनता से पूरी ईमानदारी से काम करने का वादा किया और कहा कि अगर वे जन सुराज के प्रतिनिधि को चुनते हैं, तब वह विधानसभा में 242 विधायकों पर भारी पड़ेगा।

इस दौरान प्रशांत किशोर ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने उन्हें पिछले दरवाजे से बने मुख्यमंत्री और सिलेक्टेड मुख्यमंत्री करार देकर कहा कि उनका असली चाल-चरित्र जल्द ही सामने आ जाएगा। पीके ने बांकीपुर के मतदाताओं से अपील की कि यह चुनाव केवल एक सीट जीतने का नहीं, बल्कि बिहार की राजनीति को एक नया विकल्प देने और परिवर्तन की शुरुआत करने का है। उन्होंने चार लाख मतदाताओं से समर्थन मांगा।

दूसरी ओर, भाजपा ने अभी तक अपने उम्मीदवार की आधिकारिक घोषणा नहीं की है, लेकिन सूत्रों के अनुसार, नील रतन घोष (नीलू दा) का नाम करीब तय है। नील रतन घोष भाजपा के एक पुराने और भरोसेमंद कार्यकर्ता हैं, जो लंबे समय से नवीन के साथ जुड़े रहे हैं और उनके विश्वसनीय हैं। स्थानीय कार्यकर्ताओं की मांग पर उन्हें टिकट मिलने की संभावना है। मंदिरी के रहने वाले नीलू दा मूल रूप से पश्चिम बंगाल से हैं।

ममता की बागियों को चुनौती... तुम्हें क्या लगता है कि मैं खत्म हो गई हूं?

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में हार के बाद तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में जारी बगावत के बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बागी नेताओं को कड़ा संदेश दिया है। ममता ने स्पष्ट कहा कि अगर उन्हें रोकना है, तब उन्हें मारना पड़ेगा, क्योंकि पार्टी का चुनाव चिह्न कहीं नहीं जाने वाला और उनकी आवाज कोई नहीं दबा सकता। उन्होंने बागी नेताओं को सीधी चुनौती देकर कहा, अगर हिम्मत है, तब खुलकर भाजपा में शामिल हो जाओ। तुम्हें क्या लगता है कि मैं खत्म हो गई हूं? ममता ने आरोप लगाया कि ये बागी नेता अब खुले तौर पर भाजपा के लिए काम कर रहे हैं और गद्दारी की भी सीमा होती है। उन्होंने कहा कि जिन नेताओं ने पार्टी सिंबल पर चुनाव जीता, वहीं अब उसी पार्टी के साथ विश्वासघात कर रहे हैं, जिसने उन्हें राजनीतिक पहचान दी। ममता का यह बयान तब आया है जब पार्टी के भीतर बड़ी टूट देखने को मिली है। पार्टी के 20 सांसद और 58 विधायक अलग गुट बना चुके हैं, जिन्होंने पार्टी सिंबल और नाम पर दावा किया है। हाल ही में, टीएमसी की पश्चिम बंगाल अध्यक्ष चंद्रिमा भट्टाचार्य ने भी अपने पद से इस्तीफा देकर बागी गुट के नेता ऋतब्रत बनर्जी के साथ नजर आईं। इन विधायकों ने 3 जून को ममता के नेतृत्व से अलग होने की घोषणा की थी, जबकि सांसदों ने 15 जून को त्रिपुरा की नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी (एनसीपीआई) में विलय कर लिया था। ममता ने कहा कि वे इस बगावत का डटकर मुकाबला करेंगी और जनता के बीच अपनी पार्टी का चिह्न लेकर जाएंगी।

लालू यादव का जनता के नाम खुला पत्र: बड़ी वैचारिक लड़ाई का आह्वान

पटना (एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष और बिहार की राजनीति के कद्दावर नेता लालू प्रसाद यादव ने पार्टी के 30वें स्थापना दिवस के अवसर पर बिहार की जनता और पार्टी कार्यकर्ताओं के नाम एक विस्तृत खुला पत्र लिखा है। अपने इस महत्वपूर्ण संदेश में, लालू यादव ने भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर सीधा और तीखा हमला बोला है, उन पर लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने और संविधान की मूल भावना को खतरे में डालने का गंभीर आरोप लगाया है। लालू यादव ने अपने पत्र में स्पष्ट किया कि संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग किया जा रहा है और देश का लोकतंत्र इस समय गंभीर चुनौतियों के दौर से गुजर रहा है।

लालू यादव यहीं नहीं रुके, उन्होंने भाजपा पर अपनी राजनीतिक ताकत का इस्तेमाल कर संस्थाओं को कमजोर करने और एक विशेष हिंदुत्व के नैरेटिव को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उनका कहना था कि भाजपा ऐसा करके देश के सामने मौजूद बेरोजगारी, शिक्षा, सामाजिक न्याय, पिछड़े वर्गों और अल्पसंख्यकों के अधिकारों जैसे अहम मुद्दों के साथ-साथ सरकार की विफलताओं से लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है। आरजेडी प्रमुख ने पार्टी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे एक बड़ी वैचारिक लड़ाई के लिए तैयार रहें। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई केवल सत्ता हासिल करने की नहीं, बल्कि देश के मूल्यों और सिद्धांतों को बचाने की है, और इसके लिए सभी को एकजुट होकर संघर्ष करना होगा। लालू यादव ने जोर देकर कहा कि आरजेडी सिर्फ चुनाव लड़ने वाली एक राजनीतिक पार्टी नहीं है, बल्कि संविधान की रक्षा, सामाजिक न्याय की स्थापना और गरीबों, वंचितों व हाशिए पर पड़े समुदायों के अधिकारों के लिए लड़ने को प्रतिबद्ध एक आंदोलन है। उन्होंने पार्टी के सफर को याद करते हुए बताया कि आरजेडी का गठन 5 जुलाई 1997 को इन्हीं उद्देश्यों की पूर्ति के लिए किया गया था, ताकि गरीबों, दलितों, पिछड़े वर्गों, अल्पसंख्यकों और अन्य हाशिए पर रहने वाले समुदायों की आवाज को बुलंद किया जा सके।

उन्होंने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से लोगों के साथ लगातार जुड़े रहने और संसद व सड़कों पर जनहित के मुद्दों को पूरी दृढ़ता से उठाते रहने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पार्टी पिछले तीन दशकों से सामाजिक न्याय, समानता और समावेशी विकास के आदर्शों के प्रति अटल प्रतिबद्धता के साथ खड़ी है। लालू यादव ने पार्टी कार्यकर्ताओं के अदम्य साहस, समर्पण और बलिदान की सराहना की, जिन्होंने पिछले 30 वर्षों में आरजेडी को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने हर मुश्किल दौर में पार्टी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहने के लिए सभी नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों का हार्दिक धन्यवाद किया।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 5.65 अरब डॉलर घटा, स्वर्ण भंडार में भारी कमी

पश्चिम एशिया संघर्ष और रुपए पर दबाव के बीच गिरावट जारी

नई दिल्ली।

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में 26 जून को समाप्त सप्ताह में 5.65 अरब डॉलर की बड़ी गिरावट दर्ज की गई, जिससे यह 666.93 अरब डॉलर रह गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, यह गिरावट पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण रुपए पर बढ़ते दबाव और केंद्रीय बैंक के डॉलर बेचकर बाजार हस्तक्षेप के बाद आई है। फरवरी में 728.49 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंचने के बाद से विदेशी मुद्रा भंडार में कमी देखी जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी 11 मई से देशवासियों से विदेशी मुद्रा की बचत करने, विदेश यात्राएं कम करने और एक वर्ष तक सोने की खरीदारी से बचने की अपील की है। आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक, इस सप्ताह स्वर्ण भंडार का मूल्य सर्वाधिक 5.39 अरब डॉलर घटकर 102.54 अरब डॉलर रह गया। वहीं, विदेशी मुद्रा आस्तियां (एफसीए) 15 करोड़ डॉलर और विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 8.9 करोड़ डॉलर कम हो गए। एक अन्य आर्थिक घटनाक्रम में, शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार में जबरदस्त तेजी दर्ज की गई और बाजार लगातार तीसरे दिन बढ़त के साथ बंद हुआ। आईटी शेयरों में शानदार खरीदारी और अनुकूल वैश्विक संकेतों से बाजार को मजबूती मिली।

सरकार गोल्ड मोनेटाईजेशन स्कीम 2.0 लॉन्च करने की तैयारी में

जौहरियों को बनाया जाएगा कलेक्शन पार्टनर, 1,000 टन सोना लाने का लक्ष्य

मुंबई ।

केंद्र सरकार एक बार फिर अपनी गोल्ड मोनेटाईजेशन स्कीम (जीएमएस) को नए सिरे से पेश करने की तैयारी में है। इसका मुख्य उद्देश्य घरों और लॉकरों में पड़े अनुमानित 25,000 टन निष्क्रिय सोने को औपचारिक अर्थव्यवस्था का हिस्सा बनाना है, जिससे देश का भारी सोने का आयात बिल कम हो सके और नकदी प्रवाह बढ़ सके। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस नई योजना में जौहरियों को भी कलेक्शन पार्टनर के रूप में शामिल किया जा सकता है, जिससे लोगों के लिए सोना जमा कराना आसान और भरोसेमंद बने। सरकार का लक्ष्य कुल 25,000 टन में से करीब 1,000 टन सोना बाजार में लाना है। यदि इसका सिर्फ 5 फीसदी हिस्सा भी सिस्टम में आता है, तो अर्थव्यवस्था में लगभग 8.5 लाख करोड़ रुपए की नकदी जुड़ सकती है और सोने का आयात बिल काफी कम हो सकता है। यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस अपील से भी जुड़ी है, जिसमें उन्होंने लोगों से एक साल तक सोना न खरीदने की सलाह दी थी। 2015 में शुरू हुई जीएमएस का प्रदर्शन कमजोर रहा, 10 सालों में सिर्फ 38 टन सोना जुटाया जा सका। इसकी मुख्य वजहें भावनात्मक लगाव, टैक्स का डर, और ब्याज दरों (2.25-2.5 फीसदी) तथा सोने की कीमतों पर अनिश्चितता थीं। नई योजना इन चुनौतियों को दूर करने का प्रयास करेगी।

आईपीओ में म्यूचुअल फंडों की रिकॉर्ड भागीदारी, छोटे शेयरों की ओर बढ़ा रुझान

परिसंपत्ति प्रबंधक अब 4,000 करोड़ रुपये से कम पूंजी वाली कंपनियों पर लगा रहे दांव

नई दिल्ली ।

ईरान युद्ध के बाद से आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) में म्यूचुअल फंडों की भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। प्राइमडेटाबेस डॉट कॉम के आंकड़ों के अनुसार फरवरी के अंत में युद्ध शुरू होने के बाद से आए 13 आईपीओ में जुटाई गई कुल रकम का 32.3 फीसदी हिस्सा म्यूचुअल फंडों से आया है, जो पहले के 20 फीसदी के आंकड़े से कहीं अधिक है। यह बढ़ोतरी कई वर्षों के उच्च स्तर पर पहुंच गई है, जो छोटे बाजार पूंजीकरण वाली कंपनियों के प्रति परिसंपत्ति प्रबंधकों के बढ़ते रुझान को दर्शाती है। बढ़ती हिस्सेदारी का वार्षिक विश्लेषण- यह रुझान 2023 से लगातार बढ़ता दिख रहा है। 2023 में आए आईपीओ से मिली कुल रकम का 17 फीसदी हिस्सा म्यूचुअल फंडों ने खरीदा था, जो 2024 में बढ़कर 20 फीसदी, 2025 में 22 फीसदी और जून 2026 तक 29 फीसदी तक पहुंच गया। हालांकि, ईरान युद्ध के बाद के 13 आईपीओ में यह आंकड़ा 32.3 फीसदी के साथ सबसे अधिक रहा, जो बाजार में म्यूचुअल फंडों के बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है। एक फाइनैंशियल सर्विसेज के अनुसार हाल के समय में बड़ी कंपनियों के मुकाबले छोटी कंपनियों के शेयरों ने बेहतर प्रदर्शन किया है।

शेयर बाजार का तूफानी हफ्ता, सुस्त शुरुआत के बाद धमाकेदार अंत

शुरुआती दो दिनों में भू-राजनीतिक तनाव और मासिक एक्सपायरी ने बाजार को डुबोया

मुंबई ।

सप्ताह के पहले दिन सोमवार को शुरू हुआ कारोबारी हफ्ता भारतीय शेयर बाजार के लिए काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा। सोमवार और मंगलवार को वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और मासिक एक्सपायरी की अस्थिरता के कारण बाजार लाल निशान में रहे, जिससे निवेशकों में चिंता का माहौल रहा। हालांकि, बुधवार और गुरुवार को कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और सकारात्मक वैश्विक संकेतों के चलते बाजार ने शानदार वापसी की। सप्ताह के अंत तक सेंसेक्स और निफ्टी दोनों रिकॉर्ड नई ऊंचाइयों पर बंद होने में कामयाब रहे, जिससे निवेशकों में उत्साह का माहौल दिखा। हफ्ते की शुरुआत सोमवार 29 जून को भारतीय शेयर बाजार में भू-राजनीतिक तनाव के चलते सुस्ती के साथ हुई। सोमवार को शुरुआती बढ़त के बाद सेंसेक्स लाल निशान पर बंद हुआ, वहीं निफ्टी भी गिरावट के साथ अपने अहम 24,000 के स्तर से नीचे आ गया। मंगलवार को भी यह सिलसिला जारी रहा, जहां मासिक एक्सपायरी की अस्थिरता के बीच प्रमुख सूचकांक लगातार दूसरे दिन लाल निशान में बंद हुए। इन दो कारोबारी सत्रों में सेंसेक्स और निफ्टी में क्रमशः लगभग 0.48 फीसदी और 0.46 फीसदी तक की गिरावट दर्ज की गई, जिससे निफ्टी 23,900 के महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे खिसक गया। हालांकि, बुधवार को बाजार ने जोरदार वापसी की। वैश्विक इक्विटी में सकारात्मक रुझान और कच्चे तेल की कीमतों में कमी ने निवेशकों को सहारा दिया, जिसके परिणामस्वरूप सेंसेक्स 443.97 अंक (0.58 फीसदी) और निफ्टी 140.10 अंक (0.59 फीसदी) की बढ़त के साथ बंद हुए।

आरबीआई ने बीओबी पर लगाया 63.6 लाख का जुर्माना

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नियामक मानकों के उल्लंघन के आरोप में बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) और जीआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड पर मौद्रिक जुर्माना लगाया है। केंद्रीय बैंक के निरीक्षण में इन वित्तीय संस्थाओं में कई कमियां उजागर हुईं। बैंक आफ बड़ौदा पर 63.6 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है, क्योंकि एक वैधानिक निरीक्षण में पाया गया कि बैंक ने कुछ ऋण खातों में निर्धारित दर से अधिक ब्याज वसूला। इसके अतिरिक्त, बैंक कुछ ग्राहकों के केवाईसी रिकॉर्ड को निर्धारित समयसीमा के भीतर सेंट्रल केवाईसी रिकॉर्ड्स रजिस्ट्री पर अपलोड करने में भी विफल रहा। इसी क्रम में जीआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड पर 3.1 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया। कंपनी केवाईसी दिशानिर्देशों का उल्लंघन करने के साथ-साथ खातों के जोखिम वर्गीकरण की छह महीने में एक बार समीक्षा करने की प्रणाली लागू करने में नाकाम रही। आरबीआई ने स्पष्ट किया कि ये जुर्माने केवल नियामक अनुपालन में पाई गई कमियों के लिए हैं और इनका उद्देश्य किसी भी लेनदेन की वैधता पर टिप्पणी करना नहीं है।

आर्थिक आंकड़ों में बड़ा बदलाव, वास्तविक जीडीपी गणना में अब पीपीआई डिफ्लेटर

जून तिमाही से लागू होगी नई गणना प्रणाली; 31 अगस्त को जारी होंगे संशोधित अनुमान

नई दिल्ली ।

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) ने भारतीय आर्थिक आंकड़ों की गणना में एक महत्वपूर्ण बदलाव की घोषणा की है। मंत्रालय अब जून तिमाही (वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही) से वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़ों की गणना के लिए आउटपुट उत्पादक मूल्य सूचकांक (पीपीआई) को डिफ्लेटर के तौर पर इस्तेमाल करेगा। यह कदम देश के सबसे महत्वपूर्ण आर्थिक संकेतक के आकलन के तरीके में एक संरचनात्मक परिवर्तन लाएगा, जिसका उद्देश्य आर्थिक वास्तविकताओं को अधिक सटीक रूप से प्रतिबिंबित करना है। सरकारी अधिकारियों के अनुसार, सांख्यिकी मंत्रालय 31 अगस्त को पिछले वर्षों के लिए संशोधित वास्तविक जीडीपी अनुमान भी जारी करेगा, जिसमें डिफ्लेटर के तौर पर आउटपुट पीपीआई का इस्तेमाल किया जाएगा। इसी दिन वित्त वर्ष 2027 की अप्रैल-जून अवधि के लिए राष्ट्रीय लेखा के आंकड़े भी जारी किए जाएंगे। इस बदलाव का सीधा असर पिछले तीन वित्त वर्षों के आंकड़ों पर पड़ेगा। एक अधिकारी ने बताया, वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही का जीडीपी डेटा आउटपुट पीपीआई पर आधारित होगा। वर्ष 2022-23, 2023-24 और 2024-25 के लिए जारी अनुमान स्थिर कीमतों पर अनुमान से बदल जाएंगे क्योंकि अब इसमें पीपीआई को शामिल किया जाएगा। संशोधित श्रृंखला अगस्त में आएगी।यह महत्वपूर्ण निर्णय सांख्यिकी मंत्रालय द्वारा 29 जून को जारी औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (IIP) के आंकड़ों के बाद आया है, जिसमें थोक मूल्य सूचकांक (WPI) की जगह आउटपुट-पीपीआई का इस्तेमाल डिफ्लेटर के तौर पर किया गया था। इस पृष्ठभूमि में, उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग ने 15 जून को भारत का पहला उत्पादक मूल्य सूचकांक ढांचा जारी किया था, जिसमें आउटपुट पीपीआई, इनपुट पीपीआई और सेवा पीपीआई शामिल हैं।

सेडान स्लाविया का मिड-लाइफ फेसलिफ्ट वर्जन जल्द होगा लांच

नई दिल्ली ।

स्कोडा की लोकप्रिय सेडान स्लाविया का मिड-लाइफ फेसलिफ्ट वर्जन इस साल अगस्त में लॉन्च होने वाला है। उम्मीद है कि अपडेटेड स्लाविया एक्सटीरियर और इंटीरियर दोनों में कई बड़े बदलावों के साथ आएगी, जिससे यह बाजार में अपनी स्थिति और मजबूत कर सके। एक्सटीरियर में सबसे बड़ा बदलाव फ्रंट लुक में दिखेगा, जहां पहले से बड़ी और अधिक बोल्ड फ्रंट ग्रिल दी जाएगी। इसमें नए डिजाइन वाले मोटे स्लैट्स और नई स्लिम एलईडी हेडलाइट्स होंगी, जिनके अंदर का डिजाइन भी पूरी तरह नया होगा। एलईडी डे-टाइम रनिंग लाइट्स (डीआरएल) का डिजाइन भी बदला जाएगा, जिसमें कुशाक फेसलिफ्ट की तरह डॉटेड कनेक्टेड पैटर्न देखने को मिल सकता है। इसके अलावा, फ्रंट बंपर को भी नए डिजाइन के साथ ऑफर किया जाएगा। कार के रियर में भी बदलाव किए जाएंगे, जिसमें नए डिजाइन की एलईडी टेललाइट्स मिलेंगी। साथ ही, कुशाक की तरह इल्यूमिनेटेड स्कोडा लेटरिंग भी देखने को मिलेगा, जिससे कार का प्रीमियम लुक बढ़ेगा। रियर बंपर का डिजाइन भी नया होगा, जो समग्र रूप से एक ताज़ा और आधुनिक अपील देगा।

ईपीएफओ पोर्टल का बड़ा अपग्रेड यूएएन सेवाएं अब उमंग ऐप पर

सुरक्षा और विश्वसनीयता बढ़ी, पोर्टल पर यूएएन ढूंढना हुआ आसान

नई दिल्ली ।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने अपने यूनिफाइड मेंबर पोर्टल को नए इंटरफेस और बेहतर सुरक्षा सुविधाओं के साथ अपग्रेड किया है। एक सप्ताह के रखरखाव के बाद दोबारा शुरू हुए इस पोर्टल पर अब यूएएन एक्टिवेशन और नया यूएएन जनरेट करने जैसी महत्वपूर्ण सेवाएं सीधे उपलब्ध नहीं होंगी। इन्हें सुरक्षा और विश्वसनीयता बढ़ाने के उद्देश्य से उमंग ऐप पर स्थानांतरित कर दिया गया है। इस बड़े बदलाव के बाद, अब ईपीएफओ सदस्य उमंग ऐप के माध्यम से ही अपने यूएएन को एक्टिवेट कर सकेंगे। इसके लिए आधार-आधारित फेस ऑथेंटिकेशन का उपयोग किया जा सकेगा।

इसी तरह नया यूएएन जनरेट करने या पहले से मौजूद पीएफ खाते से नए यूएएन को लिंक करने की प्रक्रिया भी अब केवल उमंग ऐप पर ही उपलब्ध होगी, जिसके लिए मोबाइल नंबर सत्यापन आवश्यक होगा। हालांकि ईपीएफओ ने अपने यूनिफाइड मेंबर पोर्टल पर यूएएन ढूंढना पहले से आसान बना दिया है। सदस्य अपना रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर दर्ज कर, पहचान प्रमाण अपलोड करने और ओटीपी सत्यापन के बाद अपना यूएएन दोबारा प्राप्त कर सकते हैं।

इसके अतिरिक्त सदस्य की मृत्यु के बाद नॉमिनी या लाभार्थी द्वारा किए जाने वाले डेथ क्लेम और पेंशन से जुड़े दावे पहले की तरह ईपीएफओ के यूनिफाइड मेंबर पोर्टल पर ही उपलब्ध रहेंगे। उमंग भारत सरकार का एक आधिकारिक ऐप है, जो ईपीएफओ सहित विभिन्न सरकारी सेवाओं को नागरिकों के लिए अधिक सुरक्षित, डिजिटल और उपयोगकर्ता-अनुकूल बनाता है।

इस कदम का उद्देश्य सेवाओं को और अधिक सुलभ और सुरक्षित बनाना है।

निर्यात में दोहरे अंक की वृद्धि का अनुमान

वित्त वर्ष 27 तक 1 ट्रिलियन डॉलर लक्ष्य की ओर भारत

नई दिल्ली ।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने घोषणा की कि भारत को चालू वित्त वर्ष में वस्तु निर्यात में 16-17 प्रतिशत और सेवा निर्यात में 10-11 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि की उम्मीद है। व्यापार बोर्ड की बैठक में उन्होंने बताया कि यह अनुमान भारत को वित्त वर्ष 2027 तक वस्तु निर्यात में लगभग 515 अरब और सेवा निर्यात में 470 अरब तक पहुंचने में मदद करेगा, जिससे देश कुल 1 ट्रिलियन डॉलर के निर्यात लक्ष्य की ओर अग्रसर होगा। इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, बैठक में सतत और तकनीकी टेक्सटाइल, परफॉर्मेंस अपैरल और मेडिकल टेक्सटाइल जैसे क्षेत्रों में उभरते अवसरों की पहचान की गई। निर्यात प्रोत्साहन प्रयासों को क्षेत्रीय विनिर्माण क्षमता से जोड़ने के लिए राज्य-केंद्रित उत्पादन का खाका भी प्रस्तुत किया गया। व्यापार नीति पर शीर्ष सलाहकार संस्था, बीओटी की बैठक में भारत के मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) का प्रभावी ढंग से उपयोग करने, आयात का विकल्प तैयार करने और डंपिंग को रोकने पर भी विस्तार से चर्चा हुई। सरकार इस साल कम से कम दो और एफटीए लागू करने की तैयारी में है। एफटीए के इस्तेमाल को अधिकतम करने के लिए एक पांच-सूत्रीय रणनीतिक फ्रेमवर्क पर चर्चा की गई, जिसमें मौजूदा निर्यात को बढ़ावा देना, नए क्षेत्रों में विविधता लाना और गैर-शुल्क बाधाओं को दूर करना शामिल है।

सस्ते आयात से एल्युमीनियम उद्योग पर खतरा, सरकार से शुल्क बढ़ाने की मांग

घरेलू निवेश और सरकारी राजस्व पर पड़ रहा है गंभीर असर

नई दिल्ली ।

एल्युमीनियम एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एएआई) ने सरकार से एल्युमीनियम उत्पादों पर मूल सीमा शुल्क (बीसीडी) बढ़ाने की मांग की है। संगठन ने चेतावनी दी है कि सस्ते आयात और वैश्विक संरक्षणवाद के बढ़ते दबाव से घरेलू निवेश और सरकारी राजस्व पर गंभीर असर पड़ रहा है। एएआई ने प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) को लिखे एक पत्र में कहा है कि भारतीय एल्युमीनियम उद्योग फिलहाल आयात में तेजी से वृद्धि और निर्यात बाजारों तक पहुंच में कमी जैसी दोहरी समस्याओं से जूझ रहा है। संगठन ने अनुमान लगाया है कि यदि वर्तमान प्रवृत्ति जारी रहती है, तो वित्त वर्ष 2025-2026 में एल्युमीनियम आयात रिकॉर्ड 34.8 लाख टन प्रति वर्ष तक पहुंच सकता है, जिससे देश से 88,400 करोड़ रुपये से अधिक की विदेशी मुद्रा बाहर जाएगी। एएआई ने बताया कि भारतीय एल्युमीनियम उद्योग देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देता है, प्रति वर्ष लगभग 30,000 करोड़ रुपये का राजस्व देता है, आठ लाख नौकरियां प्रदान करता है और लगभग 4,000 एमएसएमई का समर्थन करता है। संगठन ने चेतावनी दी है कि बढ़ते आयात से प्रमुख उत्पादकों के 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश पर खतरा मंडरा रहा है। ये निवेश भविष्य में भारत की प्राथमिक एल्युमीनियम उत्पादन क्षमता को दोगुना कर 90 लाख टन प्रति वर्ष तक पहुंचाने और एक लाख से अधिक नई नौकरियां पैदा करने की क्षमता रखते हैं।

फार्मा कंपनियों को राहत, अब दवा की वास्तविक ओवरचार्जिंग पर ही होगी कार्रवाई

शर्तों का पालन अनिवार्य; नई दवाओं के लॉन्च की प्रक्रिया भी आसान हुई

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने औषधि (मूल्य नियंत्रण) आदेश (डीपीसीओ), 2013 में महत्वपूर्ण संशोधन किए हैं। 30 जून को जारी इन बदलावों से दवा उद्योग को नियामक अनुपालन में आसानी होगी, वहीं नियमों का पालन और भी मजबूत बनेगा। विशेष रूप से, ओवरप्राइसिंग के मामलों में कंपनियों पर लगने वाला बोझ कम होगा और प्रक्रियाएं अधिक स्पष्ट होंगी।

उद्योग जगत ने इन संशोधनों का स्वागत किया है। संशोधित नियमों के अनुसार यदि सरकार द्वारा तय नई कीमत लागू होने के बाद कोई मूल्य-नियंत्रित दवा अधिक दाम पर बेची जाती है, तो ऐसे मामलों में दवा कंपनियों को पहले से अधिक राहत मिलेगी। अब यदि कंपनी यह साबित कर देती है कि उसने नई कीमतों की जानकारी सभी संबंधित वितरकों और खुदरा विक्रेताओं तक सही ढंग से पहुंचाई थी, तो उसकी जिम्मेदारी केवल उतनी ही दवाओं तक सीमित होगी जितनी मात्रा वास्तव में अधिक कीमत पर बेची गई हो। इंडियन फार्मास्युटिकल एलायंस (आईपीए) के महासचिव सुदर्शन जैन ने इन बदलावों का स्वागत करते हुए कहा कि इससे प्रक्रियाएं आसान होंगी और डीपीसीओ नियमों का पालन मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था अब अधिक न्यायसंगत और स्पष्ट होगी, जिससे आपूर्ति श्रृंखला में सभी की जवाबदेही तय होगी। हालांकि, इस राहत के साथ कुछ सख्त नियम भी जोड़े गए हैं। कंपनियों को यह साबित करना होगा कि उन्होंने नई कीमतों की सूची सभी डीलरों और खुदरा विक्रेताओं को भेजी, कीमतों में कमी की सूचना कम से कम दो राष्ट्रीय समाचार पत्रों में प्रकाशित कराई, अपनी वेबसाइट पर नई कीमतें अद्यतन कीं, संशोधित मूल्य सूची जारी की और प्रत्येक बैच के उत्पादन व स्टॉक का पूरा रिकॉर्ड सुरक्षित रखा।

सरकार ने कुछ अन्य प्रक्रियाओं को भी आसान बनाया है। यदि कोई दवा निर्माता ऐसी नई दवा बाजार में लाता है जिसकी खुदरा कीमत सरकार पहले ही तय कर चुकी है, और वह दवा उसी कीमत तय होने के 12 महीने के भीतर लॉन्च की जाती है, तो कंपनी को राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) से दोबारा कीमत की मंजूरी लेने की आवश्यकता नहीं होगी। अब उसे केवल नए फॉर्म 1ए के माध्यम से दवा लॉन्च होने की जानकारी एक महीने के भीतर देनी होगी।

आरबीआई की एफसीएनआर (बी) योजना ने खींचा अनिवासी भारतीयों का ध्यान

60 अरब डॉलर की उम्मीद, खाड़ी देशों से डॉलर की बौछार तय, अमेरिका-यूरोप से कम उम्मीदें

नई दिल्ली।

भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) की विशेष फॉरेन करेंसी नॉन-रेजिडेंट (बैंक) जमा योजना भारतीय बैंकों के लिए एक बड़े अवसर के तौर पर उभर रही है, जिसके तहत 60 अरब डॉलर से अधिक की अनिवासी भारतीय (एनआरआई) जमा राशि आकर्षित करने की उम्मीद है। खाड़ी देशों, सिंगापुर और हांगकांग के एनआरआई इस विशाल राशि के मुख्य स्रोत बनने की उम्मीद है, जिसकी अधिकांश आवक अगस्त महीने में होने का अनुमान है। शुरुआती अनुमान बताते हैं कि इस योजना के तहत अब तक लगभग 4 अरब डॉलर जुटाए जा चुके हैं, जो इसके सफल आगाज का संकेत है।

योजना का खाका और बैंकों की रणनीति- आरबीआई ने 8 जून को इस योजना का खाका जारी किया था और हाल ही में अक्सर पूछे जाने वाले सवालों (एफएक्यू) के माध्यम से परिचालन संबंधी स्पष्टीकरण भी दिए हैं।

इसके बाद भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक जैसे प्रमुख ऋणदाताओं ने इसे सक्रिय रूप से लागू करना शुरू कर दिया है।

ये बैंक विशेष रूप से उच्च निवल मूल्य वाले व्यक्तियों (एचएनआई) को आकर्षित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, क्योंकि यह योजना निवेशकों को 9 गुना (9×) तक लीवरेज की सुविधा प्रदान करती है। इससे पांच साल के लिए डॉलर में लगभग 18-20त्न का प्रभावी रिटर्न मिलने की उम्मीद है। यह योजना 8 जून से 30 सितंबर 2026 के बीच किए गए सभी नए एफसीएनआर(बी) जमा पर लागू होगी, जिसमें आरबीआई हेजिंग की पूरी लागत वहन करेगा।

क्षेत्रीय फोकस और चुनौतियां- बैंकरों का मानना है कि खाड़ी देशों और एशिया के अन्य बाजारों पर अधिक ध्यान केंद्रित किया जाएगा, क्योंकि वहां भारतीय समुदाय बड़ी संख्या में एक ही स्थान पर केंद्रित है, जैसे दुबई, अबू धाबी और सिंगापुर। वहीं अमेरिका के शेयर बाजार में जारी तेजी के कारण वहां के एनआरआई बैंक जमा के बजाय शेयर बाजार में निवेश बनाए रखना पसंद कर रहे हैं, जिससे अमेरिका और लंदन से निवेश अपेक्षाकृत कम रहने की संभावना है।

खाड़ी देशों में भू-राजनीतिक घटनाओं के कारण एनआरआई अपने निवेश का पुनर्वितरण करने के लिए भी अधिक इच्छुक हैं।

बच्चों के शोषण पर मेटा की जवाबदेही तय आईटी मंत्रालय ने भेजा समन

राजस्व से जुड़े मामलों में ज़िम्मेदारी से नहीं बच पाएगी कंपनी

नई दिल्ली ।

सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने इंस्टाग्राम पर बाल यौन शोषण सामग्री (सीएसएएम) को बढ़ावा देने वाले विज्ञापनों के गंभीर आरोपों के मद्देनजर इंटरनेट कंपनी मेटा को तलब किया है। मंत्रालय ने कंपनी के एल्गोरिदम और ऐसे मामलों में उसकी जवाबदेही पर स्पष्टीकरण मांगा है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि राजस्व से जुड़े ऐसे मामलों में मेटा तीसरे पक्ष की सामग्री का हवाला देकर अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकती। आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव के निर्देश पर मंत्रालय ने मेटा से स्पष्टीकरण तलब किया है। यह कार्रवाई बीबीसी की उस रिपोर्ट के बाद की गई है जिसमें दावा किया गया था कि मेटा के प्लेटफॉर्म पर बाल यौन शोषण सामग्री वाले वीडियो और विज्ञापन उसके एल्गोरिदम द्वारा बढ़ावा दिए जा रहे थे, भले ही कंपनी की नीतियां इसकी अनुमति नहीं देती हैं। मंत्रालय ने मेटा से ऐसे विज्ञापनों की स्वीकृति, सुधारात्मक उपायों और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए किए गए सुरक्षा उपायों पर विस्तृत जानकारी मांगी है। यह इस सप्ताह मेटा के खिलाफ दूसरी नियामक कार्रवाई है। इससे पहले सरकार ने व्हाट्सऐप के 'यूजरनेम' फीचर को लेकर भी मेटा को नोटिस जारी कर उसे रोकने का निर्देश दिया था। आईटी अधिनियम की धारा 67बी के तहत बच्चों से संबंधित अश्लील सामग्री का प्रकाशन एक दंडनीय अपराध है।

मेटा ने अपने बयान में कहा है कि उसकी बाल यौन शोषण सामग्री के प्रति शून्य-सहिष्णुता की नीति है और वह ऐसी सामग्री को हटाने के लिए उन्नत एआई का उपयोग करती है।

साइलेंट ब्रेन इन्फार्क्ट (Silent Brain Infarct) एक ऐसी गंभीर चिकित्सीय स्थिति है, जिसमें मस्तिष्क की छोटी रक्त वाहिकाओं में रुकावट आने से दिमाग के किसी हिस्से को पर्याप्त रक्त और ऑक्सीजन नहीं मिल पाती। इससे उस हिस्से की कोशिकाएं क्षतिग्रस्त हो जाती हैं। इसे "साइलेंट" इसलिए कहा जाता है क्योंकि अधिकांश मामलों में मरीज को स्ट्रोक जैसे स्पष्ट लक्षण—जैसे शरीर के एक हिस्से में कमजोरी, बोलने में परेशानी या चेहरे का टेढ़ा होना—दिखाई नहीं देते। यही कारण है कि कई लोगों को इस समस्या का पता वर्षों तक नहीं चल पाता और यह अक्सर किसी अन्य बीमारी की जांच के दौरान कराए गए एमआरआई (MRI) या सीटी स्कैन (CT Scan) में सामने आती है।

हालांकि साइलेंट ब्रेन इन्फार्क्ट में तत्काल लक्षण नहीं दिखाई देते, लेकिन इसका असर धीरे-धीरे मस्तिष्क की कार्यक्षमता पर पड़ सकता है। बार-बार होने वाले साइलेंट इन्फार्क्ट याददाश्त कमजोर होने, ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई, सोचने-समझने की क्षमता में कमी, चलने में असंतुलन और भविष्य में डिमेंशिया या बड़े स्ट्रोक का खतरा बढ़ा सकते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, एक बार साइलेंट ब्रेन इन्फार्क्ट होने पर भविष्य में गंभीर स्ट्रोक का जोखिम सामान्य लोगों की तुलना में अधिक हो सकता है।

इस बीमारी के प्रमुख जोखिम कारकों में उच्च रक्तचाप, मधुमेह, उच्च कोलेस्ट्रॉल, हृदय रोग, धूम्रपान, अत्यधिक शराब का सेवन, मोटापा, शारीरिक निष्क्रियता और बढ़ती उम्र शामिल हैं। जिन लोगों को लंबे समय से हाई ब्लड प्रेशर या डायबिटीज है, उन्हें विशेष रूप से सतर्क रहने की आवश्यकता होती है। नियमित स्वास्थ्य जांच और डॉक्टर की सलाह के अनुसार दवाओं का सेवन जोखिम को काफी हद तक कम कर सकता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि स्वस्थ जीवनशैली अपनाना इस बीमारी से बचाव का सबसे प्रभावी तरीका है। संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, धूम्रपान और शराब से दूरी, रक्तचाप, शुगर और कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित रखना तथा समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराना बेहद जरूरी है। यदि किसी व्यक्ति को बार-बार सिरदर्द, चक्कर आना, याददाश्त में कमी, सोचने में परेशानी या अन्य न्यूरोलॉजिकल समस्याएं महसूस हों, तो बिना देरी किए न्यूरोलॉजिस्ट से परामर्श लेना चाहिए।

समय पर पहचान, सही उपचार और स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर साइलेंट ब्रेन इन्फार्क्ट के दुष्प्रभावों को काफी हद तक रोका जा सकता है और भविष्य में होने वाले गंभीर स्ट्रोक के खतरे को कम किया जा सकता है।

डॉक्टर्स की सलाह

स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं, नियमित व्यायाम करें, संतुलित आहार लें, रक्तचाप, शुगर और कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित रखें और समय-समय पर स्वास्थ्य जॉच करवाएं।
याद रखें, समय पर सावधानी भविष्य में बड़े खतरे से बचा सकती है।

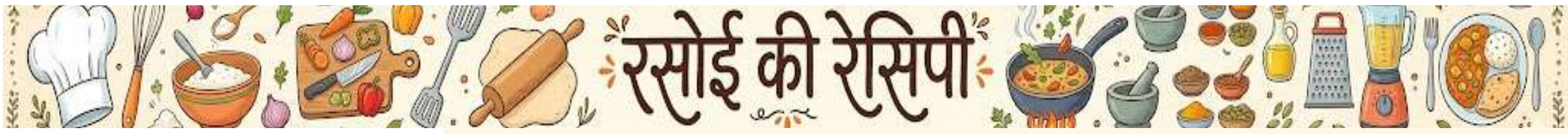

आम पन्ना

आम पन्ना भारत का एक पारंपरिक और बेहद लोकप्रिय शीतल पेय है, जिसे कच्चे आम, पुदीना और मसालों से तैयार किया जाता है। इसका खट्टा-मीठा स्वाद गर्मियों में शरीर को ठंडक पहुंचाने के साथ-साथ ताजगी भी देता है। यह पेय लू से बचाव में सहायक माना जाता है और पाचन के लिए भी लाभकारी होता है। घर में आसानी से बनने वाला आम पन्ना बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी को पसंद आता है।

सामग्री:

2 कच्चे आम
4–5 बड़े चम्मच चीनी या गुड़ (स्वादानुसार)
½ छोटा चम्मच भुना जीरा पाउडर
¼ छोटा चम्मच काला नमक
¼ छोटा चम्मच साधारण नमक
8–10 पुदीने की पत्तियां
3–4 कप ठंडा पानी
बर्फ के टुकड़े (वैकल्पिक)

बनाने की विधि:

चरण 1:
कच्चे आमों को प्रेशर कुकर में 2–3 सीटी तक उबाल लें या सीधे गैस पर भून लें।

चरण 2:
ठंडा होने पर आम का गूदा निकालकर एक बाउल में रखें।

चरण 3:
गूदे में चीनी या गुड़, भुना जीरा पाउडर, काला नमक, साधारण नमक और पुदीने की पत्तियां डालें।

चरण 4:
सभी सामग्री को मिक्सर में अच्छी तरह पीसकर मुलायम मिश्रण तैयार करें।

चरण 5:
इस मिश्रण में ठंडा पानी मिलाकर अच्छी तरह घोल लें।

चरण 6:
गिलास में बर्फ के टुकड़े डालें और तैयार आम पन्ना भर दें।

चरण 7:
ऊपर से पुदीने की पत्तियों से सजाकर ठंडा-ठंडा परोसें।

स्पेशल टिप्स:अधिक स्वाद के लिए कच्चे आमों को उबालने की बजाय भूनकर इस्तेमाल करें। चीनी की जगह गुड़ डालने से स्वाद और पौष्टिकता दोनों बढ़ जाते हैं।

छोले भटूरे / कुलचे (उत्तर भारतीय लोकप्रिय व्यंजन)

छोले-भटूरे उत्तर भारत, विशेष रूप से पंजाब का एक बेहद लोकप्रिय और स्वादिष्ट व्यंजन है। मसालेदार और गाढ़ी ग्रेवी में बने काबुली चनों (छोलों) को गरमा-गरम फूले हुए भटूरों या नरम मक्खन लगे कुलचों के साथ परोसा जाता है। यह व्यंजन अपने तीखे, चटपटे और भरपूर स्वाद के कारण पूरे देश में पसंद किया जाता है।

छोले-भटूरे को नाश्ते, दोपहर के भोजन या किसी खास अवसर पर बड़े चाव से खाया जाता है। इसके साथ परोसे जाने वाले कटे प्याज, हरी मिर्च, अचार और नीबू का स्वाद इसे और भी लाजवाब बना देता है। यदि भटूरे की जगह कुलचा परोसा जाए, तो यह व्यंजन हल्का होने के साथ-साथ उतना ही स्वादिष्ट लगता है। स्वाद, सुगंध और पौष्टिकता का बेहतरीन मेल होने के कारण छोले-भटूरे/कुलचे भारतीय खानपान की पहचान बन चुके हैं।, आतिथ्य और ग्रामीण जीवन की सादगी का प्रतीक माना जाता है।

आइए जानते हैं इसे बनाने की आसान विधि:

सामग्री:

छोले के लिए

2 कप काबुली चना (रातभर भिगोया हुआ)
2 प्याज (बारीक कटा)
3 टमाटर (प्यूरी या बारीक कटे)
1 बड़ा चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट
2 छोटे चम्मच छोले मसाला
1 छोटा चम्मच जीरा
½ छोटा चम्मच हल्दी
1 छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर
1 छोटा चम्मच धनिया पाउडर
½ छोटा चम्मच गरम मसाला
नमक स्वादानुसार
2 बड़े चम्मच तेल
हरा धनिया (सजावट के लिए)

भटूरे बनाने की सामग्री

2 कप मैदा
2 बड़े चम्मच सूजी
2 बड़े चम्मच दही
½ छोटा चम्मच चीनी
½ छोटा चम्मच नमक
¼ छोटा चम्मच बेकिंग सोडा (या 1 छोटा चम्मच बेकिंग पाउडर)
1 बड़ा चम्मच तेल
आवश्यकता अनुसार गुनगुना पानी
तलने के लिए पर्याप्त तेल

सरसों दा साग बनाने की विधि:

चरण 1:
एक बड़े बर्तन में मैदा, सूजी, नमक, चीनी और बेकिंग सोडा (या बेकिंग पाउडर) डालकर अच्छी तरह मिला लें।

चरण 2:
अब इसमें दही और 1 बड़ा चम्मच तेल डालें। धीरे-धीरे गुनगुना पानी मिलाते हुए मुलायम और चिकना आटा गूंथ लें।

चरण 3:
आटे को हल्का-सा तेल लगाकर ढक दें और 2–3 घंटे के लिए किसी गर्म स्थान पर रख दें, ताकि आटा

अच्छी तरह फूल जाए।

चरण 4:
फूले हुए आटे को हल्का-सा मसलकर बराबर आकार की छोटी-छोटी लोइयाँ बना लें।

चरण 5:
प्रत्येक लोई को बेलन की सहायता से गोल या अंडाकार आकार में मध्यम मोटाई का बेल लें।

चरण 6:
एक गहरी कड़ाही में तेल अच्छी तरह गरम करें। गरम तेल में बेला हुआ भटूरा सावधानी से डालें।

चरण 7:
कलछी से हल्का-हल्का दबाते हुए भटूरे को फूलने दें। जब एक तरफ सुनहरा हो जाए, तो पलटकर दूसरी तरफ भी सुनहरा और कुरकुरा होने तक तल लें।

चरण 8:
तले हुए भटूरे को निकालकर टिश्यू पेपर पर रखें, ताकि अतिरिक्त तेल निकल जाए।

चरण 9:
गरमा-गरम भटूरे को मसालेदार छोले, कटे हुए प्याज, हरी मिर्च, अचार और नीबू के साथ परोसें।

परोसने का तरीका :

गरमा-गरम भटूरे या कुलचे
कटा हुआ प्याज
नीबू के टुकड़े
हरी मिर्च और अचार

स्पेशल टिप्स: आटे को कम से कम 2–3 घंटे ढककर रखें, इससे भटूरे मुलायम और अच्छे से फूलेंगे।
तेल अच्छी तरह गरम होना चाहिए, तभी भटूरे फूले हुए और कुरकुरे बनेंगे।
आटे में थोड़ी सूजी मिलाने से भटूरे हल्के कुरकुरे बनते हैं।
यदि समय कम हो, तो दही के साथ 1 छोटा चम्मच बेकिंग पाउडर मिलाकर तुरंत भी भटूरे बनाए जा सकते हैं।
भटूरे को मध्यम मोटाई में बेलें। बहुत पतला बेलने पर वे अच्छे से नही फूलते।

महाभारत का हुआ था जहां युद्ध उस कुरुक्षेत्र के रहस्य

कुरुक्षेत्र युद्ध कौरवों और पाण्डवों के मध्य कुरु साम्राज्य के सिंहासन की प्राप्ति के लिए कुरुक्षेत्र में युद्ध लड़ा गया था। आओ जानते हैं कुरुक्षेत्र के 5 रहस्य। कुरुक्षेत्र भारतीय राज्य हरियाणा का एक क्षेत्र है।

छोटे भाई का वध

मान्यता अनुसार यह कहा जाता है कि भगवान श्रीकृष्ण को डर था कि भाई-भाइयों के, गुरु-शिष्यों के व संबंधी कुटुंबियों के इस युद्ध में एक दूसरे को मरते देखकर कहीं ये संधि न कर बैठें। इसलिए ऐसी भूमि युद्ध के लिए चुनने का फैसला लिया गया जहां क्रोध और द्वेष के संस्कार पर्याप्त मात्रा में हों। तब श्रीकृष्ण ने कई दूत अनेकों दिशाओं में भेजे और उन्हें वहां की घटनाओं का जायजा लेने को कहा। एक दूत ने सुनाया कि कुरुक्षेत्र में बड़े भाई ने छोटे भाई को खेत की मेंड़ टूटने पर बहते हुए वर्षा के पानी को रोकने के लिए कहा। उसने साफ इनकार कर दिया। इस पर बड़ा भाई आग बबूला हो गया। उसने छोटे भाई को छुरे से गोद डाला और उसकी लाश को पैर पकड़कर घसीटता हुआ उस मेंड़ के पास ले गया और जहां से पानी निकल रहा था वहां उस लाश को पानी रोकने के लिए लगा दिया। इस कहानी को सुनकर श्रीकृष्ण ने तय किया कि यही भूमि भाई-भाई के युद्ध के लिए उपयुक्त है। जब श्रीकृष्ण आश्वस्त हो गए कि इस भूमि के संस्कार यहां पर भाइयों के युद्ध में एक दूसरे के प्रति प्रेम उत्पन्न नहीं होने देंगे तब उन्होंने युद्ध कुरुक्षेत्र में करवाने की घोषणा की।

कुरु का क्षेत्र

दूसरी कहानी अनुसार कहते हैं कि जब कुरु इस क्षेत्र की जुताई कर रहे थे तब इन्द्र ने उनसे जाकर इसका कारण पूछा। कुरु ने कहा कि जो भी व्यक्ति इस स्थान पर मारा जाए, वह पुण्य लोक में जाए, ऐसी मेरी इच्छा है। इन्द्र उनकी बात को हंसी में उड़ाते हुए स्वर्गलोक चले गए। ऐसा अनेक बार हुआ। इन्द्र ने अन्य देवताओं को भी ये बात बताई। देवताओं ने इन्द्र से कहा कि यदि संभव हो तो कुरु को अपने पक्ष में कर लो। तब इन्द्र ने कुरु के पास जाकर कहा कि कोई भी पशु, पक्षी या मनुष्य निराहार रहकर या युद्ध करके इस स्थान पर मारा जायेगा तो वह स्वर्ग का भागी होगा। ये बात भीष्म, कृष्ण आदि सभी जानते थे, इसलिए महाभारत का युद्ध कुरुक्षेत्र में लड़ा गया।

श्रवण कुमार की कहानी

मातृ और पितृ भक्त श्रवण कुमार की कहानी तो आपने सुनी ही होगी। श्रवण कुमार जैसे पितृभक्त खोजना मुश्किल है। वे अपने अंधे माता-पिता की सेवा पूरी तत्परता से करते थे, उन्हें किसी प्रकार का कष्ट नहीं होने देते थे। एक बार माता-पिता ने तीर्थ यात्रा की इच्छा की और वे उन्हें कांवर में बिठाकर तीर्थ यात्रा को चल दिए। बहुत से तीर्थ करा लेने पर एक दिन अचानक उसके मन में यह भाव आया कि पिता-माता को पैदल क्यों न चलाया जाए? उन्होंने कांवर जमीन पर रख दी और उन्हें पैदल चलने को कहा। अंधे माता और पिता पैदल चलने तो लगे पर उन्होंने साथ ही यह भी कहा- बेटा इस भूमि को जितनी जल्दी हो सके पार कर लेना चाहिए। वे तेजी से चलने लगे जब वह भूमि निकल गई तो श्रवणकुमार को माता-पिता के साथ इस तरह का व्यवहार करने पर बड़ा पश्चाताप हुआ और उसने पैरों में गिरकर क्षमा मांगी तथा फिर से दोनों को कांवर में बिठा लिया। उनके अंधे पिता ने कहा- पुत्र इसमें तुम्हारा दोष नहीं। उस भूमि पर किसी समय मय नामक एक असुर रहता था उसने जन्मते ही अपने ही पिता-माता को मार डाला था, उसी के संस्कार उस भूमि में अभी तक बने हुए हैं इसीसे उस क्षेत्र में गुजरते हुए तुम्हें ऐसी बुद्धि उपजी।

कुरुक्षेत्र का महत्व

महाभारत के वनपर्व के अनुसार, कुरुक्षेत्र में आकर सभी लोग पापमुक्त हो जाते हैं और जो ऐसा कहता है कि मैं कुरुक्षेत्र जाऊंगा और वहीं निवास करुंगा। यहां तक कि यहां की उड़ी हुई धूल के कण पापी को परम पद देते हैं। नारद पुराण में आया है कि ग्रहों, नक्षत्रों एवं तारागणों को कालगति से (आकाश से) नीचे गिर पड़ने का भय है, किन्तु वे, जो कुरुक्षेत्र में मरते हैं पुनः पृथ्वी पर नहीं गिरते, अर्थात वे पुनःजन्म नहीं लेते। भगवद्गीता के प्रथम श्लोक में कुरुक्षेत्र को धर्मक्षेत्र कहा गया है।

कुरुक्षेत्र के क्षेत्र

यहां एक विशाल तालाब है जिसका निर्माण महाभारत काल में ही हुआ था। यहां एक ज्योतिसर नामक स्थान हैं जहां पर श्रीकृष्ण ने गीता का उपदेश दिया था। यहां पर ब्रह्मसरोवर, सन्निहित सरोवर, भद्रकाली मन्दिर, पिहोवा और श्री स्थानेश्वर महादेव मन्दिर व पूण्डरी नामक स्थान प्रसिद्ध है।

महाभारत में व्यूह रचना कितने प्रकार की थी?

महाभारत में आपने सिर्फ चक्रव्यूह का ही नाम सूना होगा। लेकिन महाभारत के युद्ध में कई प्रकार की व्यू रचना का उल्लेख मिलता है। युद्ध को लड़ने के लिए पक्ष या विपक्ष अपने हिसाब से व्यूह रचना करता था। व्यूह रचना का अर्थ है कि किस तरह सैनिकों को सामने खड़ा किया जाए। आसमान से देखने पर यह व्यूह रचना दिखाई देती है। जैसे क्रौंच व्यूह है, तो आसमान से देखने पर क्रौंच पक्षी की तरह सैनिक खड़े हुए दिखाई देंगे। इसी तरह चक्रव्यूह को आसमान से देखने पर एक घूमते हुए चक्र के समान सैन्य रचना दिखाई देती है। आओ जानते हैं कुछ खास व्यूह रचना के बारे में।

गरुड़ व्यूह : गरुड़ पक्षी का चित्र तो देखा ही होगा आपने। यह विशालकाय पक्षी भगवान विष्णु का वाहन है। युद्ध में सैनिकों को विपक्षी सेना के सामने इस तरह पंक्तिबद्ध खड़ा किया जाता है कि जिससे आसमान से देखने पर गरुढ़ पक्षी जैसी आकृति दिखाई दे। इसे ही गरुड़ व्यूह कहते हैं। महाभारत में इस व्यूह की रचना भीष्म पितामह ने की थी।

क्रौंच व्यूह : क्रौंच सारस की एक प्रजाति है। इस व्यूह का आकार इसी पक्षी की तरह होता था। महाभारत में इस व्यूह की रचना युधिष्ठिर ने की थी।

मकरव्यूह : प्राचीन काल में मकर नाम का एक जलचर प्राणी होता है। मकर का सिर तो मगरमच्छ की तरह लेकिन उसके सिर पर बकरी के सींगों जैसे सींग होते थे, मृग और सांप जैसा शरीर, मछली या मोर जैसी पूंछ और पैंथर जैसे पैर दर्शाए भी होते थे। वैदिक साहित्य में अक्सर तिमिंगिला और मकर का साथ-साथ जिक्र होता है। लेकिन संभवतः यहां व्यूह रचना से तात्पर्य मगर से होगा मकर से नहीं। महाभारत में इस व्यूह की रचना कौरवों ने की थी। ›

कछुआ व्यूह : इसमें सेना को कछुए की तरह जमाया जाता है।

अर्धचंद्राकार व्यूह : अर्ध चंद्र का अर्थ तो आप समझते ही हैं। सैन्य रचना जब अर्ध चंद्र की तरह होती थी तो उसे अर्धचंद्राकार व्यूह रचना कहते थे। इस व्यूह की रचना अर्जुन ने कौरवों के गरुड़ व्यूह के प्रत्युत्तर में की थी।

मंडलाकार व्यूह : मंडल का अर्थ गोलाकार या चक्राकार होता है। इस व्यूह का गठन परिपत्र रूप में होता था। महाभारत में इस व्यूह की रचना भीष्म पितामह ने की थी। इसके प्रत्युत्तर में पांडवों ने व्रज व्यूह की रचना कर इसे भेद दिया था।

चक्रव्यूह : चक्रव्यूह को आसमान से देखने पर एक घूमते हुए चक्र के समान सैन्य रचना दिखाई देती है। इस चक्रव्यूह को देखने पर इसमें अंदर जाने का रास्ता तो नजर आता है, लेकिन बाहर निकलने का रास्ता नजर नहीं आता। आपने स्पाइरल देखा होगा बस उसी तरह का यह होता है। महाभारत में इस व्यूह की रचना गुरु द्रोण ने की थी।

चक्रशकट व्यूह : महाभारत युद्ध में अभिमन्यु की निर्मम हत्या के बाद अर्जुन ने शपथ ली थी कि जयद्रथ को कल सूर्यास्त के पूर्व मार दूंगा। तब गुरु द्रोणाचार्य ने जयद्रथ को बचाने के लिए इस व्यूह की रचना की थीं। लेकिन भगवान श्रीकृष्ण की चतुराई से जयद्रथ उस व्यूह से निकलकर बाहर आ गया और मारा गया।

वज्र व्यूह : वज्र एक तरह का हथियार होता है। ये दो प्रकार का होता था- कुलिश और अशानि। इसके ऊपर के तीन भाग तिरछे-टेढ़े बने होते हैं। बीच का हिस्सा पतला होता है। पर यह बड़ा वजनदार होता है। इसका आकार देखने में इन्द्रदेव के वज्र जैसा होता है। महाभारत में इस व्यूह की रचना अर्जुन ने की थी।

औरमी व्यूह : पांडवों के व्रज व्यूह के प्रत्युत्तर में भीष्म ने औरमी व्यूह की रचना की थी। इस व्यूह में पूरी सेना समुद्र के समान सजाई जाती थी। जिस प्रकार समुद्र में लहरें दिखाई देती हैं, ठीक उसी आकार में कौरव सेना ने पांडवों पर आक्रमण किया था।

श्रीन्गातका व्यूह : कौरवों के औरमी व्यूह के प्रत्युत्त में अर्जुन ने श्रीन्गातका व्यूह की रचना की थी। ये व्यूह एक भवन के समान दिखाई देता था। संभवतः इसे ही तीन शिखरों वाला व्यूह कहते होंगे।.इसके अलावा सर्वतोभद्र और सुपर्ण व्यूह का उल्लेख भी मिलता है।

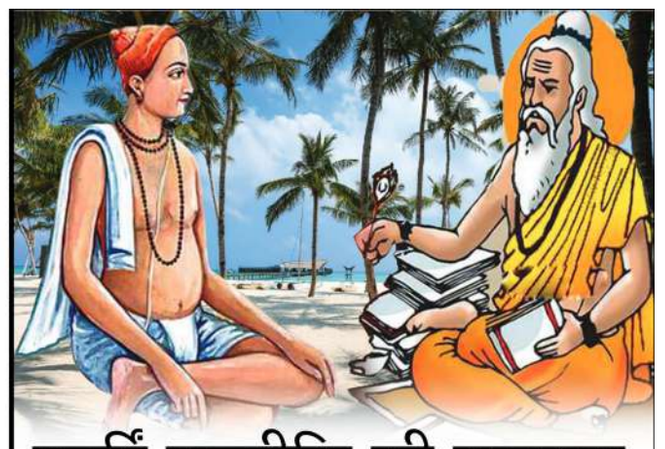

महर्षि वाल्मीकि की रामायण और गोस्वामी तुलसीदास की रामचरितमानस के उत्तर कांड में फर्क क्यूं?

रामायण या रामचरित मानस के उत्तर कांड के संबंध में बहुत लोगों को इस बात का संशय है कि इसमें घटनाओं का वर्णन वैसा नहीं है जैसा कि शोधकर्ता मानते हैं। रामायण और रामचरित मानस दोनों ही का उत्तर कांड बहुत ही भिन्न है। ऐसा क्यों? यह शोध का विषय हो सकता है। रामानंद सागर द्वारा उत्तर कांड के नाम से उत्तर रामायण नाम का सीरियल बनाया गया है। आओ जानते हैं दोनों ही रामायण के काण्ड का फर्क।

वाल्मीकि कृत रामायण का उत्तर कांड

उत्तरकाण्ड में राम के राज्याभिषेक के अनन्तर कौशिकादि महर्षियों का आगमन, महर्षियों के द्वारा राम को रावण के पितामह, पिता तथा रावण का जन्मादि वृत्तान्त सुनाना, सुमाली तथा माल्यवान के वृत्तान्त, रावण, कुम्भकर्ण, विभीषण आदि का जन्म-वर्णन, रावणादि सभी भाइयों को ब्रह्मा से वरदान-प्राप्ति, रावण-पराक्रम-वर्णन के प्रसंग में कुबेरादि देवताओं का घर्षण, रावण सम्बन्धित अनेक कथाएँ, सीता के पूर्वजन्म रूप वेदवती का वृत्तान्त, वेदवती का रावण को शाप, सहस्त्रबाहु अर्जुन के द्वारा नर्मदा अवरोध तथा रावण का बन्धन, रावण का बालि से युद्ध और बालि की कांख में रावण का बन्धन, सीता-परित्याग, सीता का वाल्मीकि आश्रम में निवास, निमि, नहुष, ययाति के चरित, शत्रुघ्न द्वारा लवणासुर वध, शंबूक वध तथा ब्राह्मण पुत्र को जीवन प्राप्ति, भार्गव चरित, वृत्रासुर वध प्रसंग, किंपुरुषोत्पत्ति कथा, राम का अश्वमेध यज्ञ, वाल्मीकि के साथ राम के पुत्र लव कुश का रामायण गाते हुए अश्वमेध यज्ञ में प्रवेश, राम की आज्ञा से वाल्मीकि के साथ आयी सीता का राम से मिलन, सीता का रसातल में प्रवेश, भरत, लक्ष्मण तथा शत्रुघ्न के पुत्रों का पराक्रम वर्णन, दुर्वासा-राम संवाद, राम का सशरीर स्वर्गगमन, राम के भ्राताओं का स्वर्गगमन, तथा देवताओं का राम का पूजन विशेष आदि वर्णित है।

तुलसीदास गोस्वामी कृत रामचरितमानस का उत्तर कांड

इसमें मंगलाचरण, भरत विरह तथा भरत-हनुमान मिलन, अयोध्या में आनंद, श्री रामजी का स्वागत, भरत मिलाप, सबका मिलनानन्द, राम राज्याभिषेक, वेदस्तुति, शिवस्तुति, वानरों की और निषाद की विदाई, रामराज्य का वर्णन, पुत्रोत्पति, अयोध्याजी की रमणीयता, सनकादिका आगमन और संवाद, हनुमानजी के द्वारा भरतजी का प्रश्न और श्री रामजी का उपदेश, श्री रामजी का प्रजा को उपदेश (श्री रामगीता), पुरवासियों की कृतज्ञता, श्री राम-वशिष्ठ संवाद, श्री रामजी का भाइयों सहित अमराई में जाना, नारदजी का आना और स्तुति करके ब्रह्मलोक को लौट जाना, शिव-पार्वती संवाद, गरुड़ मोह, गरुड़जी का काकभुशुण्डि से रामकथा और राम महिमा सुनना, काकभुशुण्डि का अपनी पूर्व जन्म कथा और कलि महिमा कहना, गुरुजी का अपमान एवं शिवजी के शाप की बात सुनना, रुद्राष्टक, गुरुजी का शिवजी से अपराध क्षमापन, शापानुग्रह और काकभुशुण्डि की आगे की कथा, काकभुशुण्डिजी का लोमशजी के पास जाना और शाप तथा अनुग्रह पाना, ज्ञान-भक्ति-निरुपण, ज्ञान-दीपक और भक्ति की महान महिमा, गरुड़जी के सात प्रश्न तथा काकभुशुण्डि के उत्तर, भजन महिमा, रामायण माहात्म्य, तुलसी विनय और फलस्तुति और रामायणजी की आरती का वर्णन मिलता है। वाल्मीकि कृत उत्तर कांड में राम के रावण वध की आगे की गाथा का वर्णन है, जिसमें राम का राज्याभिषेक, सीता परित्याग, वाल्मीकि आश्रम में लव और कुश का जन्म, बचपन और सीता का जीवन। शत्रुघ्न द्वारा लवणासुर का वध और इसके अलावा पूर्व के ऋषि मुनियों और राजाओं की गाथा का वर्णन मिलेगा। दूसरी ओर गोस्वामी तुलसीदास कृत रामचरित मानस में शिव और पार्वती का रामकथा के संबंध में संवाद, काकभुशुण्डि और गरुढ़ संवाद सहित ज्ञान और उपदेश की बातें ही ज्यादा हैं। इसमें सीता परित्याग और लव एवं कुश के बारे में उल्लेख नहीं मिलता है। विद्वान लोग मानते हैं कि ऋषि वाल्मीकि राम के समकालीन थे और गोस्वामी तुलसीदास राम के भक्त थे। यदि प्रमाण की बात सामने आए तो वाल्मीकि रामायण को ही प्रमाण मानना चाहिए, क्योंकि वही सही रामायण है। गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरित मानस को लिखने के पूर्व वाल्मीकि कृत रामायण सहित दक्षिण भारत की रामायण को भी पढ़ा था। अतः उन्होंने सभी को पढ़कर लिखा जबकि वाल्मीकि ने राम के जीवन को देखकर रामायण को लिखा था।

अश्वमेध यज्ञ क्या होता है, खास बातें

अश्वमेध यज्ञ को कुछ विद्वान एक राजनीतिक और कुछ विद्वान इसे आध्यात्मिक प्रयोग मानते हैं। कहा जाता है कि इसे वही सम्राट कर सकता था, जिसका अधिपत्य अन्य सभी नरेश मानते थे। कालांतर में यह यज्ञ जो नरेश जिस समाज से संबंध रखता था उस समाज की रीति के अनुसार करता था। इसके कारण इस यज्ञ को करने में कई बुरी परंपराएं भी जुड़ गई। वैदिक रीति से किया गया यज्ञ ही धर्मसम्मत माना गया है। यज्ञ का प्रारम्भ बसन्त अथवा ग्रीष्म में होता था तथा इसके पूर्व प्रारम्भिक अनुष्ठानों में प्रायः एक वर्ष का समय लगता था। इस बीच नगर में कई सांस्कृतिक कार्यक्रम और उत्सव होते थे। यज्ञ करने के बाद अश्व को स्वतन्त्र विचरण करने के लिए छोड़ दिया जाता था। जिसके पीछे यज्ञकर्ता राजा की सेना होती थी। जब यह अश्व दिग्विजय यात्रा पर जाता था तो स्थानीय लोग इसके पुनरागमन की प्रतिक्षा करते थे। इस अश्व के चुराने या इसे रोकने वाले नरेश से युद्ध होता था। यदि यह अश्व खो जाता तो दूसरे अश्व से यह क्रिया पुनः आरम्भ की जाती थी। कहते हैं कि अश्वमेध यज्ञ ब्रह्म हत्या आदि पापक्षय, स्वर्ग प्राप्ति एवं मोक्ष प्राप्ति के लिए भी किया जाता था। कुछ विद्वान मानते हैं कि अश्वमेध यज्ञ एक आध्यात्मिक यज्ञ है जिसका संबंध गायत्री मंत्र से जुड़ा हुआ है। श्रीराम शर्मा आचार्य कहते हैं कि 'अश्व' समाज में बड़े पैमाने पर बुराइयों का प्रतीक है और 'मेधा' सभी बुराइयों और अपनी जड़ों से दोष के उन्मूलन का संकेत है। जहां भी इन अश्वमेध यज्ञ का प्रदर्शन किया गया है, उन क्षेत्रों में अपराधों और आक्रामकता की दर में कमी का अनुभव किया है। अश्वमेध यज्ञ पारिस्थितिकी संतुलन के लिए और आध्यात्मिक वातावरण की शुद्धि के लिए गायत्री मंत्र से जुड़ा है। गुप्त साम्राज्य के पतन के बाद अश्वमेध प्रायः बन्द ही हो गया।

क्या कर्ण के वैवस्वत मनु यमराज और शनिदेव भाई थे?

हिन्दू पुराण और महाभारत में कई रहस्य छिपे हुए हैं। उन्हें जानना और समझने बहुत ही कठिन है। पुराणों के जानकार मानते हैं कि वैवस्वत मनु, यमराज और शनिदेव और महाभारत के कर्ण भाई भाई थे।

वैवस्वत मनु और यमराज

विश्वकर्मा की पुत्री संज्ञा विवस्वान अर्थात सूर्य की पत्नी हुई। उसके गर्भ से सूर्य ने तीन संतानें उत्पन्न की। जिनमें एक कन्या और दो पुत्र थे। सबसे पहले प्रजापति श्राद्धदेव, जिन्हें वैवस्वत मनु कहते हैं, उत्पन्न हुए। तत्पश्चात यम और यमुना- ये जुड़वीं संतानें हुईं।

शनिदेव

भगवान सूर्य की तूसरी पत्नी छाया थीं। छाया को संज्ञा की छाया ही माना जाता था। छाया से ही शनिदेव का जन्म हुआ था।

कर्ण : सूर्य पुत्र कर्ण को महाभारत का एक महत्वपूर्ण योद्धा माना जाता है। कर्ण के धर्मपिता तो पांडु थे, लेकिन पालक पिता अधिरथ और पालक माता राधा थी। राजा शूरसेन की पुत्री कुंती अपने महल में आए महात्माओं की सेवा करती थी। एक बार वहां ऋषि दुर्वासा भी पधारे। कुंती की सेवा से प्रसन्न होकर दुर्वासा ने कहा, 'पुत्री! मैं तुम्हारी सेवा से अत्यंत प्रसन्न हुआ हूं अतः तुझे एक ऐसा मंत्र देता हूं जिसके प्रयोग से तू जिस देवता का स्मरण करेगी वह तत्काल तेरे समक्ष प्रकट होकर तेरी मनोकामना पूर्ण करेगा।' इस तरह कुंती को वह मंत्र मिल गया। एक दिन कुंती के मन में आया कि क्यों न इस मंत्र की जांच कर ली जाए। कहीं यह यूं ही तो नहीं? तब उन्होंने एकांत में बैठकर उस मंत्र का जाप करते हुए सूर्यदेव का स्मरण किया। उसी क्षण सूर्यदेव प्रकट हो गए। कुंती हैरान-परेशान अब क्या करें?

सूर्यदेव ने कहा, 'देवी! मुझे बताओ कि तुम मुझसे किस वस्तु की अभिलाषा करती हो। मैं तुम्हारी अभिलाषा अवश्य पूर्ण करूंगा।' इस पर कुंती ने कहा, 'हे देव! मुझे आपसे किसी भी प्रकार की अभिलाषा नहीं है। मैंने मंत्र की सत्यता परखने के लिए जाप किया था।' कुंती के इन वचनों को सुनकर सूर्यदेव बोले, 'हे कुंती! मेरा आना व्यर्थ नहीं जा सकता। मैं तुम्हें एक अत्यंत पराक्रमी तथा दानशील पुत्र देता हूं।' इतना कहकर सूर्यदेव अंतरध्यान हो गए।

कर्ण के अन्य भाई

कुंति पुत्र कर्ण एक महान योद्ध था जो कौरवों की ओर से लड़ा था। कुंती श्रीकृष्ण के पिता वसुदेव की बहन और भगवान कृष्ण की बुआ थीं। कुंति का पुत्र होने के कारण कर्ण भगवान श्री कृष्ण का भाई था। इसके अलावा पांचों पांडव भी कर्ण के भाई ही थे।

विंबलडन में बदल रही है चैंपियनों की किस्मत! स्वियातेक बाहर, दिमित्रोव-कीज ने बचाई उम्मीदें

लंदन, एजेंसी। विंबलडन 2026 में लगातार ऐसे नतीजे सामने आ रहे हैं, जिन्होंने टेनिस प्रशंसकों को चौंका दिया है। महिला एकल में जहां मौजूदा चैंपियन इगा स्वियातेक का सफर तीसरे दौर में ही खत्म हो गया, वहीं अनुभवी खिलाड़ियों ग्रिगोर दिमित्रोव और मैडिसन कीज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चौथे दौर में जगह बना ली। बड़े उलटफेर और रोमांचक मुकाबलों ने इस बार के विंबलडन को और दिलचस्प बना दिया है।

एलेक्जेंड्रा एला ने रचा इतिहास, स्वियातेक को किया बाहर

21 वर्षीय फिलीपींस की एलेक्जेंड्रा एला ने टूर्नामेंट का सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए मौजूदा चैंपियन और तीसरी वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक को 7-6(9), 6-2 से हराया। पहले सेट के टाईब्रेक में दो सेट प्वाइंट बचाने के बाद एला ने पूरे मैच पर अपना नियंत्रण बना लिया। इस जीत के साथ वह ग्रैंड स्लैम के दूसरे सप्ताह में पहुंचने वाली फिलीपींस की पहली खिलाड़ी बन गईं। पिछले कुछ महीनों से शानदार फॉर्म में चल रही एला ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह बड़े खिलाड़ियों को चुनौती देने का दम रखती हैं। अब उनका सामना 13वीं वरीयता प्राप्त जैस्मीन पाओलिनी से होगा।

दिमित्रोव की दमदार वापसी, पांच सेट तक चला रोमांच

पुरुष एकल में बुल्गारिया के ग्रिगोर दिमित्रोव ने इटली के माटेओ बेरेटिनी को 6-3, 6-4, 3-6, 5-7, 6-3 से हराकर चौथे दौर में जगह बनाई। तीन घंटे 32 मिनट तक चले मुकाबले में दिमित्रोव ने शुरुआती दो सेट आसानी से जीत लिए थे, लेकिन बेरेटिनी ने शानदार वापसी कर मैच को निर्णायक सेट तक पहुंचा दिया।निर्णायक सेट में दिमित्रोव ने अनुभव का शानदार प्रदर्शन किया और महत्वपूर्ण समय पर सर्विस ब्रेक हासिल कर जीत दर्ज की। मैच के बाद उन्होंने कहा, 'पिछले साल की निराशा के बाद इस कोर्ट पर जीत हासिल करना मेरे लिए बेहद खास है। यह सिर्फ जीत या हार की बात नहीं है, बल्कि हर चुनौती को पार करने के बारे में है।' अब चौथे दौर में उनका सामना ब्रिटेन के वाइल्ड कार्ड खिलाड़ी आर्थर फेरी से होगा।

कीज ने दिखाई चैंपियन जैसी वापसी

महिला एकल में अमेरिका की 26वीं वरीयता प्राप्त मैडिसन कीज ने पहला सेट गंवाने के बावजूद अमांडा अनिसिमोवा को 3-6, 6-2, 6-3 से हराकर अंतिम-16 में जगह बनाई। कीज की यह लगातार 10वीं ग्रास कोर्ट जीत रही और वह करियर में छठी बार विंबलडन के चौथे दौर में पहुंची हैं।अनिसिमोवा ने पहले सेट में शानदार शुरुआत की थी, लेकिन दूसरे और तीसरे सेट में सात डबल फॉल्ट उनकी हार की बड़ी वजह बने। दूसरी ओर कीज ने अपने दमदार बेसलाइन शॉट्स और सटीक सर्विस के दम पर मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया। अब उनका सामना चेक गणराज्य की लिंडा नोस्कोवा से होगा।

खिताब की दौड़ हुई और रोमांचक

स्वियातेक और दूसरी वरीयता प्राप्त एलेना रायबाकिना के बाहर होने से महिला वर्ग पूरी तरह खुल गया है। वहीं दिमित्रोव और कीज जैसे अनुभवी खिलाड़ियों ने यह संकेत दे दिया है कि इस बार विंबलडन में अनुभव और धैर्य भी खिताब की दौड़ में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। चौथे दौर के मुकाबलों के साथ टूर्नामेंट अब और रोमांचक होने की उम्मीद है।

ईशान बोले- हमने परफेक्ट टीम चुनी थी

दूसरे टी-20 मुकाबले में हार के बाद ईशान किशन ने टीम चयन पर उठ रहे सवालों का दिया जवाब

लंदन(एजेंसी)। मैनचेस्टर में खेले गए दूसरे टी20 मुकाबले में हार के बाद ईशान किशन ने टीम चयन पर उठ रहे सवालों का जवाब दिया। ऑफ स्पिनर की कमी को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने साफ कहा कि टीम प्रबंधन ने सर्वश्रेष्ठ संयोजन के साथ मैदान में उतरने का फैसला किया था।ईशान ने कहा, 'नहीं, मेरा मानना है कि हमने परफेक्ट टीम चुनी थी। जब आप मैच नहीं जीतते हैं तो बहुत सारे सवाल और अगर-मगर सामने आने लगते हैं। लेकिन हमारे सभी गेंदबाज बेहतरीन हैं। उन्होंने पहले भी अलग-अलग परिस्थितियों में टीम को जीत दिलाई है। सपाट विकेटों पर भी विकेट निकाले हैं। इसलिए मुझे नहीं लगता कि टीम चयन के लिहाज से हम कुछ अलग कर सकते थे।'

विदेशी परिस्थितियों को बेहतर समझना होगा

हालांकि ईशान ने माना कि भारतीय टीम को इंग्लैंड की परिस्थितियों के अनुसार खुद को बेहतर ढंग से ढालने की जरूरत है। उन्होंने कहा, 'हमें यह समझना होगा कि परिस्थितियां कैसी हैं और हम उनमें कैसे बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। हम भारत के बाहर खेल रहे हैं, इसलिए बल्लेबाज और गेंदबाज दोनों को यह समझना होगा कि यहां की पिच हमसे क्या मांगती है। सिर्फ एक बल्लेबाज या एक गेंदबाज अंतर नहीं ला सकता। पूरी टीम को मिलकर यह समझना होगा कि हम कहां सुधार कर सकते हैं।'

हमें 20 रन और जोड़ने होंगे

ईशान किशन का मानना है कि भारत लगातार अपनी पारियों के आखिरी ओवरों में गति खो रहा है, जिससे टीम 15-20 रन पीछे रह जा रही है।उन्होंने कहा, 'हमें यह देखना होगा कि हम अतिरिक्त 20 रन कहां से बना सकते हैं। चाहे चौके-छक्कों से या बड़े मैदानों में गैप्स का बेहतर इस्तेमाल करके। इंग्लैंड के बल्लेबाज यहां की परिस्थितियों को हमसे बेहतर समझते हैं।

इंग्लैंड ने बनाई सीरीज में बढ़त

भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए ईशान किशन (49), अभिषेक शर्मा (43) और कप्तान श्रेयस अय्यर (37) की पारियों की मदद से 190/7 का स्कोर बनाया। जवाब में इंग्लैंड ने जैकब बेथेल की नाबाद 76 रन की शानदार पारी के दम पर 19 ओवर में 191/6 बनाकर मुकाबला चार विकेट से जीत लिया। भारत की हार में 17वां ओवर निर्णायक साबित हुआ, जिसमें रवि बिश्नोई ने 29 रन खर्च किए।

सह-मेजबान कनाडा का सफर समाप्त

● लगातार दूसरी बार विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में मोरक्को

ह्यूस्टन। फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ-16 मुकाबले में मोरक्को ने सह-मेजबान कनाडा को 3-0 से हराकर लगातार दूसरी बार क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। स्टार मिडफील्डर अज्ज़ेदीन औनाही ने दूसरे हाफ में दो गोल दागे, जबकि इंजरी टाइम में सुफियान रहीमी ने तीसरा गोल कर जीत पर मुहर लगा दी। अब मोरक्को का सामना 9 जुलाई को बोस्टन में होने वाले क्वार्टर फाइनल में फ्रांस और पराग्वे के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता टीम से होगा।

पहले हाफ में कनाडा का दबदबा, लेकिन गोल नहीं

मुकाबले की शुरुआत में कनाडा ने शानदार खेल दिखाया और लगातार आक्रमण करते हुए मोरक्को की रक्षा पंक्ति पर दबाव बनाया। मैच का पहला बड़ा मौका कनाडा को मिला, जब अली अहमद के पास पर तानी ओलुवासेयी गोलकीपर के सामने पहुंच गए। हालांकि, मोरक्को के कनाडा में जन्मे गोलकीपर यासीन बूनू ने शानदार बचाव कर अपनी टीम को शुरुआती झटका लगने से बचा लिया। पहले हाफ में मोरक्को को उस समय बड़ा झटका लगा, जब टूर्नामेंट के उनके शीर्ष स्कोरर इस्माइल साइबारी मांसपेशियों में चोट के कारण 22वें मिनट में मैदान छोड़ने पर मजबूर हो गए। उनकी जगह सुफियान रहीमी को उतारा गया।

दूसरे हाफ में औनाही का जलवा

ब्रेक के बाद मोरक्को ने पूरी तरह मैच का रुख बदल दिया। 50वें मिनट में अशरफ हाकिमी के शानदार सेट-पीस पास पर अज्ज़ेदीन औनाही ने बॉक्स के बाहर से बेहतरीन पहली टाइमिंग वाला शॉट लगाकर गेंद को नेट में पहुंचा दिया और मोरक्को को 1-0 की बढ़त दिलाई। इस गोल के बाद मोरक्को का आत्मविश्वास बढ़ गया, जबकि कनाडा की टीम दबाव में आ गई। 82वें मिनट में तेज जवाबी हमले के दौरान ब्राहिम डियाज के पास पर औनाही ने अपना दूसरा गोल दागते हुए स्कोर 2-0 कर दिया।

रहीमी ने जीत पर लगाई मुहर

इंजरी टाइम (90+8वें मिनट) में ब्राहिम डियाज के शानदार थ्रू पास पर सुफियान रहीमी ने गोल दागकर मोरक्को की 3-0 की शानदार जीत सुनिश्चित कर दी। रहीमी इससे पहले एक हेडर में क्रॉसबार से भी टकराए थे, लेकिन आखिरकार उन्होंने अपना नाम स्कोरशीट में दर्ज करा ही लिया।

मोरक्को ने रचा इतिहास

इस जीत के साथ मोरक्को लगातार दूसरी बार फीफा विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गया। इसके साथ ही वह विश्व कप इतिहास में एक से अधिक बार अंतिम-8 में पहुंचने वाला पहला अफ्रीकी देश बन गया। कतर 2022 में सेमीफाइनल तक पहुंचकर इतिहास रचने वाली एटलस लायंस की टीम ने एक बार फिर खिताब की दौड़ में अपनी मजबूत दावेदारी पेश की। वहीं, कनाडा का शानदार विश्व कप अभियान राउंड ऑफ-16 में समाप्त हो गया। हालांकि, इस टूर्नामेंट में टीम ने पहली बार विश्व कप में मैच जीतने के साथ नॉकआउट चरण तक पहुंचकर अपने देश के फुटबॉल इतिहास में नया अध्याय जरूर जोड़ा।

खत्म हो गई मुरली विजय और दिनेश कार्तिक के बीच दुश्मनी

चेन्नई, एजेंसी। एक समय भारतीय क्रिकेट के सबसे चर्चित विवाद का हिस्सा रहे मुरली विजय और दिनेश कार्तिक अब शायद पुराने मतभेदों को पीछे छोड़ चुके हैं। तमिलनाडु क्रिकेट एसोसिएशन के वार्षिक समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे मुरली विजय ने अपने संबोधन के दौरान दिनेश कार्तिक को लेकर ऐसी बातें कहीं, जिसने क्रिकेट प्रशंसकों को हैरान कर दिया। वर्षों तक एक-दूसरे से दूरी बनाए रखने वाले विजय ने सार्वजनिक मंच से कार्तिक की तारीफ करते हुए उन्हें अपना बेहद अजीज दोस्त बताया।

मंच से दिनेश कार्तिक की जमकर तारीफ

अपने भाषण में मुरली विजय ने कहा कि वह बचपन से दिनेश कार्तिक को खेलते हुए देख रहे हैं और उनके खेल के हमेशा प्रशंसक रहे हैं। उन्होंने कहा, 'अब मुझे दिनेश कार्तिक के बारे में बात करनी है। यह सुनने में थोड़ा अजीब लग सकता है, लेकिन मैं उन्हें बचपन से देखता आया हूं। वह तमिलनाडु के इतिहास के सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपर-बल्लेबाज हैं। वह एक बेहद गतिशील व्यक्तित्व के मालिक और मेरे बेहद अजीज दोस्त हैं।'

विजय ने आगे कहा, 'मैंने नॉन-स्ट्राइकर एंड से कई बार उनकी बल्लेबाजी को करीब से देखा है। उनके जैसा खेलते हुए मैंने किसी और को नहीं देखा। वह शानदार क्रिकेटर हैं। उनके अनुभव और क्रिकेट की समझ ने मेरे करियर में काफी मदद की है और इसके लिए मैं मंच से उनका दिल से धन्यवाद करना चाहता हूं।'

क्या था दोनों के बीच विवाद?

मुरली विजय और दिनेश कार्तिक के बीच का विवाद 2010 के शुरुआती वर्षों में सामने आया था। उस समय दोनों तमिलनाडु और भारतीय टीम के लिए साथ खेलते थे और बेहद करीबी दोस्त माने जाते थे। बाद में दिनेश कार्तिक और उनकी तत्कालीन पत्नी निकिता वंजारा का रिश्ता टूट गया। इसके बाद निकिता ने मुरली विजय से शादी कर ली। इस घटना के बाद दोनों खिलाड़ियों के बीच दूरियां बढ़ गईं। हालांकि, दोनों ने कभी भी सार्वजनिक रूप से एक-दूसरे के खिलाफ बयानबाजी नहीं की।

शानदार वापसी की

निजी जीवन में बड़े झटके के बावजूद दिनेश कार्तिक ने क्रिकेट में शानदार वापसी की। उन्होंने खुद को भारत के भरोसेमंद फिनिशर के रूप में स्थापित किया और कई यादगार पारियां खेलीं। बाद में उन्होंने भारतीय स्क्वैश स्टार दीपिका पल्लीकल से शादी की। हाल ही में क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद वह आईपीएल टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के सपोर्ट स्टाफ का हिस्सा हैं और क्रिकेट कमेंट्री व विश्लेषण में भी सक्रिय हैं। मुरली विजय के इस भावुक बयान को सोशल मीडिया पर काफी सराहा जा रहा है।

संजू सैमसन के समर्थन में उतरे अंबाती रायुडू

लंदन। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले में 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को अंतरराष्ट्रीय डेब्यू का मौका मिला, जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को प्लेइंग इलेवन से बाहर कर दिया गया। इस फैसले के बाद भारत के पूर्व बल्लेबाज अंबाती रायुडू ने संजू के समर्थन में सोशल मीडिया पर भावुक संदेश साझा किया। रायुडू ने कहा कि सूर्यवंशी का डेब्यू जश्न मनाने लायक है, लेकिन संजू सैमसन के हालिया योगदान को भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

रायुडू ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, 'आइए संजू सैमसन के बारे में भी एक पल सोचें। वैभव को डेब्यू करते देखना बेहद खुशी की बात है और इसका जश्न मनाया जाना चाहिए, लेकिन यह मत भूलिए कि सिर्फ तीन टी20 मैच पहले संजू टी20 विश्व कप में 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' थे। मुझे उम्मीद है कि वह दमदार वापसी करेंगे। साथ ही मैं वैभव सूर्यवंशी के लंबे और रिकॉर्ड तोड़ने वाले करियर की भी शुभकामनाएं देता हूं।'संजू सैमसन पहले टी20 मुकाबले में सिर्फ सात गेंदों पर एक रन बनाकर आउट हो गए थे। इसके बाद टीम प्रबंधन ने बल्लेबाजी क्रम में बदलाव करते हुए युवा वैभव सूर्यवंशी को मौका दिया।

प्रज्ञानंद ब्लिट्स में पिछड़े, अलीरेजा ने बढ़त बनाई

जागरेब(एजेंसी)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ग्रैंड चेस टूर के क्रोएशिया चरण में रैपिड वर्ग वाला अपना शानदार फॉर्म दोहराने में नाकाम रहे और ब्लिट्ज वर्ग के शुरुआती नौ दौर में सिर्फ 3.5 अंक ही हासिल कर पाए। इस बीच फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा ने शानदार खेल दिखाते हुए एकल बढ़त बना ली है। प्रतियोगिता में अब सिर्फ एक दिन का खेल बाकी है।

प्रज्ञानंद चौथे स्थान पर खिसके

अलीरेजा ने तेज खेल वाले प्रारूप में कमाल का खेल दिखाया और नौ में से आठ अंक हासिल किए। उन्होंने 20 अंक के साथ अपने सबसे करीबी प्रतिद्वंद्वियों उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव और फ्रांस के मैक्सिम वाचियेर लाग्रेव पर तीन अंक की बड़ी बढ़त बना ली है। प्रज्ञानंद 15.5 अंक के साथ चौथे स्थान पर खिसक गए, जबकि विश्व चैंपियन डी गुकेश का दिन भी औसत रहा और वे 14 अंक के साथ पांचवें स्थान पर हैं। ग्रैंड चेस टूर के इतिहास में सबसे दमदार प्रदर्शन में से एक में अलीरेजा ने आधे खिलाड़ियों को कम से कम सात अंक पीछे छोड़ दिया है। जर्मनी के विन्सेंट कीमर 13 अंक के साथ छठे स्थान पर हैं। नीदरलैंड के अनीश गिरी उनसे आधा अंक पीछे हैं, जबकि रोमानिया के डीक बोगदान डैनियल के 11.5 अंक हैं। नीदरलैंड के जोर्डन वैन फोरेस्ट उनसे दो अंक और पीछे हैं, जबकि क्रोएशिया के इवान सारिक सिर्फ पांच अंक के साथ सबसे नीचे हैं।

ब्लिट्ज वर्ग में नौ दौर का खेल शेष

रैपिड वर्ग के बाद अलीरेजा के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर चल रहे प्रज्ञानंद ब्लिट्ज वर्ग में अपनी लय खो बैठे। दिन की शुरुआत कीमर पर जीत के साथ करने के बाद प्रज्ञानंद ने गिरी के साथ अगली बाजी ड्रॉ खेली लेकिन फिर लगातार चार हार ने उनके आत्मविश्वास को कम कर दिया। टूर्नामेंट के चौथे दिन भारतीय खिलाड़ी ने आठ में से 3.5 अंक जुटाए। गुकेश के लिए भी स्थिति काफी अलग नहीं थी लेकिन उन्होंने प्रज्ञानंद से आधा अंक अधिक हासिल किया। सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन ने चार बाजी गंवाई। ब्लिट्ज वर्ग में अब भी नौ दौर खेले जाने बाकी हैं लेकिन शीर्ष स्थान शायद पहले ही तय हो चुका है। अगर प्रज्ञानंद इस टूर्नामेंट के आखिरी दिन लय वापस पा लेते हैं तो उनके पास अब भी पोडियम पर जगह बनाने का मौका होगा।

फ्रांस-पराग्वे के खिलाड़ी भिड़े, हुई धक्का-मुक्की

फ्रांस और पराग्वे के बीच राउंड ऑफ-16 मुकाबले की आखिरी सीटी बजते ही मैदान पर माहौल गर्म हो गया। दोनों टीमों के खिलाड़ी आमने-सामने आ गए और कुछ देर तक धक्का-मुक्की भी देखने को मिली। मैच के दौरान ही फ्रांस के कप्तान किलियन एमबाप्पे और पराग्वे के गोलकीपर ऑरलैंडो गिल के बीच भी तनातनी हो गई। एमबाप्पे ने गिल से हाथ नहीं मिलाया, जिसके बाद नाराज गोलकीपर ने उनके जाते समय पीठ पर मैच बॉल फेंक दी। हालांकि, फ्रांसीसी स्टार ने पलटकर कोई जवाब नहीं दिया और अपनी टीम के साथ जीत का जश्न मनाते रहे।मैच में दोनों टीमों के बीच 70 मिनट तक कड़ी टक्कर देखने को मिली। मैच के दौरान कई ऐसे पल आए, जब दोनों टीमों के खिलाड़ी भिड़ने पर आ गए। पर एक वक्त एमबाप्पे की लड़ाई पराग्वे के डिएगो गोमेज से हो गई। इसके बाद पराग्वे के खिलाड़ी एमबाप्पे को धक्का देने लगे। इस पर फ्रांस के खिलाड़ी भी पहुंच गए और जमकर धक्का मुक्की हुई। रेफरी पहले तो बीचबचाव करते हुए एमबाप्पे को साइड ले जाते दिखे, फिर जब दोनों टीमों के खिलाड़ी आ गए तो रेफरी ने किनारा कर लिया।

RNI No. HARHIN/25/A3341, प्रकाशक, मुद्रक स्वामी एवं संपादक राहुल कुमार द्वारा सूचना प्रिंटर्स 33एस मॉडल टाउन, हिसार से छपवाकर कार्यालय आदमपुर मंडी हिसार, (किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र हिसार न्यायालय होगा)।
संपादक : राहुल कुमार, फोन : 9306813001, e-mail : rajdhanichoupal@gmail.com, प्रकाशन स्थल : मकान संख्या : 114, शांति पार्क के पास, मंडी आदमपुर, हिसार (हरियाणा)